11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 203 पटना (बिहार) रविवार,25 मई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

एक नजर

ईंट के बीच छुपाकर रखी गई थी 230 कार्टन शराब, 25 लाख का 'विदेशी शराब' बरामद

क्राइम संवाददाता द्वारा

बेगूसरायः बेगूसराय में शराबबंदी के बीच शराब तस्करी का खुलासा करते हुए पुलिस ने ईंट के बीच छुपा कर लाई गई 230 कार्टन विदेशी शराब बरामद किया है। बरामद शराब का बाजार मूल्य करीब 25 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस की टीम ने मौके से एक ड्राइवर को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर यह कारवाई मंझौल थाना क्षेत्र के सिउरी गांव के समीप शुक्रवार की रात की है।बताया जा रहा है कि पुलिस को सूचना मिली कि स्टेट हाइवे-55 पर मंझौल थाना क्षेत्र में सिउरी पुल के समीप डीसीएम ट्रक से शराब की बड़ी खेप लोड है। सूचना मिलते ही मंझौल डीएसपी नवीन कुमार के नेतृत्व में मंझौल थाना पुलिस टीम ने बेगूसराय की ओर आ रहे पश्चिम बंगाल नंबर की ट्रक को घेराबंदी कर जब्त किया। ट्रक की तलाशी में डीसीएम पर ईंट के बीच लोड विदेशी शराब दिखा। इसके बाद मंझौल थाना पर लाकर थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने ट्रक पर से अनलोड करवा कर कार्टून की गिनती किया तो 230 कार्टन विदेशी शराब बरामद किया गया। जिसकी कुल मात्रा 2001 लीटर है। बरामद शराब का बाजार मूल्य करीब 25 लाख बताया जा रहा है। पुलिस ने मौके से ट्रक ड्राइवर मुजफ्फरपुर जिला के सकरा थाना क्षेत्र स्थित विशनपुर बहनगरी निवासी मोहम्मद उस्मान के बेटे फूल मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बंगाल नंबर कि ट्रक से शराब की खेप बेगूसराय लाई गई थी फिलहाल पुलिस गिरफ्तार ड्राइवर से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी कहां सप्लाई करनी थी और इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

राजधानी के पॉश एरिया में बीच सड़क पर होने लगी ताबड़तोड़ फायरिंग, ADG से हुई मुठभेड़

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना : राजधानी पटना में अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है। अचानक हुए गोलीबारी से इलाके में अफरातफरी का माहौल हो गया। इस दौरान एडीजी लॉ आर्डर के बॉडीगार्ड से भी मुठभेड़ हो गई। हालांकि गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। फिलहाल मौके पर पुलिस आसपास के सीसीटीवी को खंगाल रही है। मामला श्री कृष्णापुरी थाना क्षेत्र के पॉश इलाके बोरिंग रोड की है। फिलहाल पटना के एसएसपी अवकाश कुमार भी घटना स्थल पर मौजूद हैं। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि न्यू पुनाईचक बोरिंग कैनाल रोड स्थित इंदिरा भवन के पास एक सफेद रंग की इनोवा और काले रंग की स्कॉर्पियो में टक्कर हो गई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में बहस होने लगी। बहस के दौरान अचानक गोलीबारी होने लगी। गोली की आवाज सुनकर इलाके में अफरातफरी का माहौल हो गया। तभी उधर से एडीजी लॉ एंड आर्डर पंकज दरार गुजर रहे थे। गोलियों की आवाज सुनकर उनके बॉडीगार्ड तुरंत गाड़ी से उतरे और अपराधियों की तरफ बढ़ गये। पुलिस को अपनी ओर आते देख अपराधी इन सुरक्षाबलों पर भी गोलियां बरसाने लगे। कुछ देर तक दोनों तरफ से गोलियां चलीं, लेकिन इसी बीच अपराधी किसी तरह खुद को बचाते हुए वहां से फरार हो गये। घटना की सूचना मिलते ही पटना एसएसपी अवकाश कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे।

पीएम मोदी की 'टीम इंडिया' वाली मीटिंग में नहीं शामिल हुए नीतीश, कौन-सी खिचड़ी पकाने दिल्ली पहुंचे बिहार सीएम 1

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना/दिल्लीः 'अगर केंद्र सरकार और राज्य मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।' मगर, पीएम मोदी की 'टीम इंडिया' वाली इस मीटिंग में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए। वो भी तब, जब विकास के लगभग सभी पैमाने पर बिहार सबसे पिछड़े राज्यों में शुमार है। 4-5 महीने में विधानसभा चुनाव है। लगभग 20 वर्षों से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नीतीश कुमार ही सवार हैं। खास बात ये कि बिहार में सत्ता की भागीदार बीजेपी भी है। केंद्र में भी बीजेपी की सरकार है। वैसे, नीतीश कुमार दिल्ली पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि रविवार को एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। दरअसल, पीएम मोदी ने नीति आयोग की 10वीं शासी परिषद की बैठक में कहा कि विकास की गति बढ़ाने की जरूरत है। नीति आयोग ने सोशल मीडिया एक्स पर प्रधानमंत्री के हवाले से कहा, 'हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।' नीति आयोग का शीर्ष निकाय शासी परिषद की बैठक का विषय '2047 में विकसित भारत के लिए विकसित राज्य' है। इसी कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, 'विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा तो भारत विकसित होगा। ये इसके 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है।' परिषद की बैठक में देश के ज्यादातर राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। इसमें पीएम मोदी ने कहा, 'हमारा लक्ष्य हर राज्य को विकसित, हर शहर को विकसित, हर नगर पालिका को विकसित और हर गांव को विकसित बनाना होना चाहिए। अगर हम इस दिशा में काम करेंगे तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।' उन्होंने यह भी सुझाव दिया, 'राज्यों को अपने-अपने यहां सभी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के

साथ वैश्विक मानकों के अनुरूप कम-से-कम एक पर्यटन गंतव्य विकसित करना चाहिए।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'एक राज्यः एक वैश्विक गंतव्य' का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इससे पर्यटन गंतव्य के रूप में आस-पास के शहरों के विकास का रास्ता साफ होगा। भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है, ऐसे में हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। वृद्धि, नवोन्मेष और पर्यावरण अनुकूल पहल भारत के शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए।' पीएम मोदी ने कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक एकीकृत किया जा सके।' 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद ये प्रधानमंत्री की राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ पहली बड़ी बैठक थी। इसमें नीतीश कुमार के अलावा कुछ राज्यों के सीएम शामिल नहीं हुए। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में ही 25 मई को एनडीए की होने वाली बैठक में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हिस्सा लेंगे। इस बैठक में एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को बुलाया गया है। बिहार से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस महीने के अंत में बिहार के दौरे पर आने वाले हैं। उनका पटना और रोहतास जिले में कार्यक्रम है। 29 मई को प्रधानमंत्री पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन सहित कई बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे तो 30 मई को वे रोहतास जिले के बिक्रमगंज पहुंचेंगे। इस दौरान वे भाजपा प्रदेश कार्यालय भी जाएंगे।

नीतीश सरकार ने शुरू किया भ्रष्टाचार विरोधी अभियान ! अधिकारियों और कर्मचारियों में क्यों मचा हड़कंप

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। नीतीश सरकार के एक फैसले ने रिश्वतखोरों की नींद उड़ा दी है। सभी विभागों में भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। नीतीश सरकार ने ACD यानी (Anti Corruption Drive) भ्रष्टाचार विरोधी अभियान शुरू कर दिया है। बिहार के वैसे अधिकारी अब सावधान हो जाएं, जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत है। वैसे अधिकारी जो भ्रष्टाचार करते हैं। वैसे कर्मचारी जो रिश्वत लेते हैं, लोगों को परेशान करते हैं। सरकार का फैसला :सरकार ने एक निर्णायक कदम उठाते हुए सभी विभागों को सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार से संबंधित किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पटना में विभागीय सतर्कता अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए सतर्कता विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने तत्काल जांच और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया। चौधरी ने बताया कि शिक्षा विभाग में अभियोजन स्वीकृति के सबसे अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें से 336 मामले मंजूरी की प्रतीक्षा में हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि इन सभी मामलों को अगले दो महीनों के भीतर निपटाया जाना चाहिए। इसी तरह, नगर विकास एवं आवास (160 मामले), स्वास्थ्य (142), मद्य निषेध,

उत्पाद एवं निबंधन (82), परिवहन (62), ग्रामीण विकास (78), पंचायती राज (61), गृह (79) और सामान्य प्रशासन (25) जैसे विभागों को भी अपने लंबित मामलों को एक महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया गया। विशेष निगरानी इकाई के एडीजी पंकज कुमार दाराद ने जहां भी जरूरत होगी अपनी टीम की ओर से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान एनआईसी के संयुक्त निदेशक ने सतर्कता विभाग के लिए नव विकसित पोर्टल पर विस्तृत प्रस्तुति दी। बैठक में निगरानी ब्यूरो की आईजी एस. प्रेमलता, संयुक्त सचिव रमा शंकर, अंजू सिंह और राजकुमार के अलावा सामान्य प्रशासन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न विभागों के मुख्य निगरानी अधिकारी शामिल हुए।

तेज प्रताप के रिलेशनशिप वाले पोस्ट पर भड़के जीतन मांझी

संवाददाता द्वारा

पटनाः आरजेडी चीफ लालू यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव के रिलेशनशिप वाले पोस्ट पर हम के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने हमला बोला है। उन्होने लालू परिवार को घेरते हुए कहा कि आखिर तेजप्रताप यादव को यह अधिकारी किसने दिया कि वे दो लड़कियों की ज़िन्दगी से खेलें? बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. दरोगा प्रसाद राय की पौत्री ऐश्वर्या के साथ लालू परिवार ने जो किया उसका जवाब आज देश चाहता है। जीतनराम मांझी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि दरोगा बाबू की पोती ऐश्वर्या के साथ जो लालू परिवार ने किया है उसका बदला आने वाले चुनाव में बिहार की हर महिला लेकर रहेगी। तेज प्रताप जब किसी के साथ रिलेशनशिप में थें तो फिर किसी लड़की की ज़िन्दगी बर्बाद करने का अधिकार लालू परिवार को किसने दिया?

कहीं ऐसा तो नहीं है कि किसी सिन्हा के चक्कर में लालू परिवार अनुष्का यादव की ज़िंदगी भी बर्बाद करवा दे? इसका जवाब लालू परिवार को देश के सामने देना होगा। दरोगा बाबू की पोती ऐश्वर्या के साथ जो लालू परिवार ने किया है उसका बदला आने वाले चुनाव में बिहार की हर महिला लेकर रहेगी। तेज प्रताप जब किसी के साथ रिलेशनशिप में थें तो फिर किसी लड़की की ज़िन्दगी बर्बाद करने का अधिकार लालू परिवार को किसने दिया?

कहीं ऐसा तो नहीं है कि किसी ह्लसिन्हाह्व

आपको बता दें तेज प्रसाद यादव ने शनिवार को फेसबुक पर अपनी रिलेशनशिप को लेकर एक पोस्ट लिखा था, जिसमें उनकी अनुष्का यादव साथ फोटो भी है। उन्होने लिखा कि मैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम अनुष्का यादव है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हम लोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहें हैं। मैं बहुत दिनों से आप लोगों से यह बात कहना चाहता था, पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं.... इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल का बात आप सब के बीच रख रहा हूं। आशा करता हूं आप लोग मेरी बातों को समझेंगे। हालांकि कुछ देर बाद ये पोस्ट डिलीट हो गया, लेकिन फिर से रिपोस्ट किया गया। आपको बता दें तेज प्रताप यादव इन दिनों विदेश यात्रा पर हैं, और मालदीव में समय बिता रहे हैं। उन्होंने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर समुद्र किनारे ध्यान लगाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया था, जो खूब वायरल हुआ था। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें 17 मई से 23 मई तक एक सप्ताह के लिए मालदीव जाने की अनुमति दी थी। तेज प्रताप यादव की शादी 2018 में हुई थी। लेकिन कुछ महीनों बाद पत्नी ऐश्वर्या और तेज प्रताप के बीच अनबन और विवाद लगातार बढ़ता चला गया। फिलहाल अभी मामला कोर्ट में है।

पटना शहर के सबसे बड़े मंदिरी नाले पर मानसून से पहले बनकर तैयार हो जाएगी सड़क

संवाददाता द्वारा

पटनाः नेहरू पथ को अशोक राजपथ से जोड़ने वाली मंदिरी नाले पर सड़क का निर्माण कार्य लगभग 70% पूरा हो चुका है। नाले के लगभग 1,000 मीटर हिस्से पर स्लैब कास्टिंग का काम पूरा हो चुका है। दो लेन वाली यह सड़क 1,289 मीटर लंबी होगी और इसमें दोनों तरफ 4.5 मीटर चौड़ी सर्विस लेन शामिल होंगी। पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड (PSCL) के तहत क्रियान्वित की जा रही इस परियोजना से कनेक्टिविटी में सुधार और यातायात प्रवाह में आसानी होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने मानसून की शुरूआत से पहले जून के अंत तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार, यह सड़क डबल बैरल प्रबलित सीमेंट कंक्रीट (RCC) बॉक्स मॉडल पर आधारित है, जिसे ऊपर से खोला जा सकता है, जिससे सड़क की सतह को नुकसान पहुंचाए बिना नाली की सफाई की जा सकती है। पीएससीएल के एक अधिकारी ने बताया कि शेष

कार्य में तेजी लाने के लिए एक साथ कई खंडों का विकास किया जा रहा है। नाले के पुनर्निर्माण के साथ-साथ सड़क निर्माण भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद, सौंदर्यीकरण के लिए दोनों तरफ भूनिर्माण किया जाएगा। 86 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना बेली रोड पर आयकर चौराहे को दानापुर बांकीपुर पथ पर बांसघाट से जोड़ेगी। पूरे रास्ते में एक बॉक्स ड्रेन बिछाई जा रही है, जिसके ऊपर दो लेन की सड़क होगी और वाहनों के प्रवेश और मोड़ को आसान बनाने के लिए अतिरिक्त सर्विस लेन भी बनाई जा रही हैं। आस-पास के घरों से निकलने वाले सीवेज को निकालने के लिए एक सर्विस ड्रेन और यूटिलिटी डक्ट भी बनाया जा रहा है। पीएससीएल की प्रवक्ता प्रिया सौरभ ने बताया कि तीन डिसिल्टिंग चैंबर और चार स्लुइस गेट का निर्माण भी चल रहा है। नाले के रखरखाव के लिए दो रैंप और तीन डिसिल्टिंग चैंबर बनाए जा रहे हैं। मानसून के दौरान जलस्तर बढ़ने पर गंगा के पानी को नाले में जाने से रोकने के लिए चार स्लुइस गेट बनाए जा रहे हैं। मंदिरी नाला शहर का सबसे बड़ा नाला है, जो नौ प्रमुख नालों - एसपी वर्मा रोड, मीठापुर, गर्दनीबाग, बाबू बाजार, धोबीघाट, इको पार्क, छज्जूबाग, एमएलए फ्लैट्स और सिंचाई भवन नाले को जोड़ता है। यह छह प्रमुख जलग्रहण क्षेत्रों के लिए सीवेज और वर्षा जल निकासी दोनों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परियोजना के निर्माण के लिए समझौते पर 19 सितंबर, 2023 को हस्ताक्षर किए गए और उसके तुरंत बाद काम शुरू हो गया।

पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने का मामला, घटना में लिप्त 18 गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

सारण :गोपालगंज जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अहिरौली दुबौली टोला स्थित तकिया गांव में शुक्रवार सुबह शराब तस्करों का पीछा करते हुए पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में गोपालपुर थानाध्यक्ष आलोक कुमार और एक चौकीदार घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें सात महिलाएं और तीन किशोर भी शामिल हैं। पुलिस ने मौके से एक देसी कट्टा, जिंदा कारतूस, धारदार हथियार और आठ वाहन जब्त किए हैं। पुलिस को संदेह है कि ये वाहन चोरी के हैं और तस्करी में प्रयुक्त हो रहे थे।

इस मामले में पुलिस ने 59 नामजद और 40–50 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, तस्करों ने पहले ही गांव में पहुंचकर ग्रामीणों को पुलिस की कार्रवाई की सूचना दे दी थी, जिसके बाद ग्रामीणों ने एक सुनियोजित साजिश के तहत पुलिस टीम को घेरकर हमला कर दिया। इस दौरान पुलिस की सर्विस रिवॉल्वर और एक मोबाइल फोन भी छीन लिए गए। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित के निर्देश पर रातभर चले अभियान में विभिन्न इलाकों से गिरफ्तारियां की गईं। पुलिस अब फरार आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमों के माध्यम से अभियान चला रही है।

कौन हैं अनुष्का यादव? जिनके साथ 12 साल से रिलेशनशिप में लालू के बेटे तेज प्रताप

संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव को एक लड़की से प्यार हो गया। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर अपने प्रेम का इजहार किया। अनुष्का यादव के साथ अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। तेज प्रताप ने बताया कि वे दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं और प्यार करते हैं। उन्होंने ये भी कहा कि वे काफी समय से यह बात बताना चाहते थे, लेकिन अब हिम्मत करके बता रहे हैं। इस खबर से राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक हलचल मच गई है। तेज प्रताप यादव ने अपने फेसबुक पोस्ट में अनुष्का यादव के साथ अपनी तस्वीर भी शेयर की। उन्होंने लिखा, 'मैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम अनुष्का यादव है! हम दोनों पिछले 12 सालों से एक-दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहे हैं।' तेज प्रताप ने आगे लिखा कि वो यह बात सबके सामने रखना चाहते थे, पर उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि कैसे कहें। उन्होंने कहा कि आज उन्होंने हिम्मत करके फेसबुक के माध्यम से अपने दिल की बात साझा करने का फैसला किया है। इस पोस्ट में तेज प्रताप का एक अलग रूप देखने को मिला। वे एक ऐसे इंसान के तौर पर दिखे जो प्यार में है और अपने रिश्ते को दुनिया से छुपाना नहीं चाहता। उन्होंने ये भी लिखा, 'आशा करता हूं आपलोग

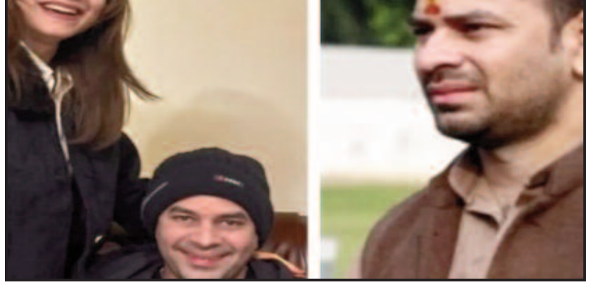

मेरी बातों को समझेंगे।' अनुष्का यादव के बारे में तेज प्रताप ने ज्यादा जानकारी नहीं दी है। लेकिन तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग उनके बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। कुछ लोगों का मानना है कि अनुष्का किसी राजनीतिक परिवार से नहीं हैं। वे तेज प्रताप की निजी जिंदगी से जुड़ी हुई हैं। तेज प्रताप यादव की निजी जिंदगी पहले भी चर्चा में रही है। 2018 में उनकी शादी ऐश्वर्या राय से हुई थी लेकिन ये शादी ज्यादा दिन नहीं चली और तलाक तक पहुंच गई। ऐसे में तेज प्रताप का अनुष्का के साथ रिश्ते का खुलासा उनके जीवन में एक नया मोड़ लेकर आया है। तेज प्रताप यादव बिहार के एक बड़े राजनीतिक परिवार से हैं। उनकी माता राबड़ी देवी और पिता लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। तेज प्रताप खुद भी राजनीति में सक्रिय हैं और फ्खऊ (राष्ट्रीय जनता दल) के विधायक हैं। ऐसे में उनका निजी जीवन हमेशा लोगों की नजरों में रहता है

भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए वायुक्षेत्र के उपयोग से जुड़ा प्रतिबंध बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के विमानों के लिए अपने वायु क्षेत्र के उपयोग से जुड़े प्रतिबंध को एक माह और बढ़ा दिया है। भारत सरकार ने यह निर्णय पाकिस्तान के जवाब में लिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भारत की ओर से जारी 'नोटम' की जानकारी दी। इसके अनुसार पाकिस्तान पंजीकृत विमानों और पाकिस्तान की वायुसेवा कंपनियों या संचालकों द्वारा संचालित, स्वामित्व या पट्टे पर लिए गए विमानों और सैन्य विमानों पर भारतीय वायु क्षेत्र में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को एक माह और बढ़ा दिया है। यह प्रतिबंध अब 23 जून तक प्रभावी रहेगा। इससे पहले पाकिस्तान ने भी भारत के विमानों के लिए अपने वायु क्षेत्र के उपयोग पर प्रतिबंध 23 जून तक बढ़ा दिया है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच वायु मार्ग बंद हैं। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत ने अपनी उड़ानों की योजना में बदलाव किया है। अतिरिक्त दूरी और उड़ान समय को उनकी समय-सारिणी में पहले से जोड़ा जा चुका है। उल्लेखनीय है कि आज ही इंडिगो का विमान एक 'हेलस्टॉर्म' में फंस गया। विमान ने लाहौर एटीसी से पाकिस्तान के वायु क्षेत्र में थोड़े समय के लिए प्रवेश की अनुमति मांगी। लाहौर एटीसी ने नोटम का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद भारतीय अधिकारियों ने विमान को सुरक्षित रूप से श्रीनगर की ओर मोड़ दिया।

नेशनल हेराल्ड मामला सोनिया-राहुल के नैतिक पतन की पराकाष्ठा का प्रमाण : तरुण चुग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने तंज कसा है कि नेशनल हेराल्ड का मामला कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नैतिक पतन की पराकाष्ठा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल हेराल्ड मामले में चार्टशीट दाखिल की। इसमें कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर नेशनल हेराल्ड मामले से जुड़े भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। चुग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह मामला 2013 में दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका के माध्यम से शुरू हुआ। उस समय यूपीए सरकार सत्ता में थी। इसी मामले में राहुल और सोनिया जमानत पर हैं। उन्होंने कहा कि केस से जुड़े लेन-देन में लगभग 142 करोड़ रुपये के हेराफेरी के मामले में कांग्रेस नेतृत्व पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। कांग्रेस को बताना चाहिए कि इसका प्रयोग किसने और कहां किया। भाजपा महामंत्री चुग ने कहा कि कांग्रेस ने राजनीतिक दल के रूप में अपनी ही संपत्ति पर भ्रष्टाचार किया है। आमतौर पर अपने घर में कोई चोरी नहीं करता, लेकिन इस मामले में कांग्रेस ने अपनी ही संपत्ति हथियाने का काम किया।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की वैश्विक पहुंच मजबूत कूटनीति का प्रतीक : आनंद शर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने केंद्र सरकार के उस फैसले को 'अच्छी पहल' बताया, जिसमें आतंकवाद पर भारत का रुख दुनिया के सामने रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को विदेश भेजा गया है। यह कदम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद उठाया गया है। आनंद शर्मा ने समाचार एजेंसी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में इस पहल को भारतीय कूटनीति में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने वैश्विक मंच पर एकजुट राष्ट्रीय रुख पेश करने के महत्व पर जोर दिया। शर्मा ने कहा कि आतंकवाद की चुनौती के बीच देश की एकता जगजाहिर करने के लिए यह एक सराहनीय कदम है। सभी राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधिमंडल, एक स्वर में बोलते हुए, हमारी राष्ट्रीय सहमति को मजबूत करने और वैश्विक गलत सूचनाओं का मुकाबला करने में मदद करते हैं। शर्मा दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, कतर और इथियोपिया का दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं और कांग्रेस द्वारा सुझाए गए नामों में एकमात्र ऐसे नेता हैं जिन्हें सरकार ने किसी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया है। वह शशि थरूर के बाद इस पहल का समर्थन करने वाले दूसरे कांग्रेस नेता हैं। हालांकि, कांग्रेस के कुछ वर्गों ने इस प्रयास की आलोचना करते हुए इसे ध्यान भटकाने वाली रणनीतिबताया है।

ड्रोन के जरिए पहुंचाई जाएगी दुर्गम इलाकों में मछली: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से जानकारी दी गई है कि दुर्गम इलाकों में एग्रीगेटर से वितरण बिंदु तक मछली ले जाने का काम बहुत जल्द ड्रोन के माध्यम से होता नजर आएगा। मछली पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सचिव (मत्स्य पालन) डॉ. अभिलक्ष लिखी के अनुसार, जीवित मछली परिवहन के लिए वर्तमान में ड्रोन तकनीक पर एक पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य 70 किलोग्राम पेलोड ड्रोन विकसित करना है, जो दुर्गम इलाकों में जीवित मछली ले जाने में सक्षम हो। एक कार्यक्रम में, डॉ. लिखी ने राज्यों से इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और संस्थागत तालमेल के जरिए मत्स्य पालन क्षेत्र को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सहयोगी प्रयासों को मजबूत करने का आग्रह किया। मछुआरों की सुरक्षा और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए सैटेलाइट टेक्नोलॉजी के व्यापक उपयोग पर जोर दिया गया, जिसमें रिसोर्स मैपिंग, बायोमेट्रिक पहचान और चेहरे की पहचान जैसे पहलू शामिल हैं। ग्रीन और ब्लू सस्टेनेबिलिटी सिद्धांतों से जुड़ी स्मार्ट, इंटीग्रेटेड मछली पकड़ने के बंदरगाहों और मॉडर्न फिश मार्केट के विकास को भविष्य की प्रमुख प्राथमिकता के रूप में पहचाना गया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने रखा रूस के समक्ष आतंक के खिलाफ भारत का रुख

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के कूटनीतिक संवाद के तहत सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने रूस की यात्रा की। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के पक्ष पर केंद्रित यह यात्रा महत्वपूर्ण रही। प्रतिनिधिमंडल ने रूस की संसद के दोनों सदनों और थिंक टैंकों के साथ कई बैठकें कीं। इन उच्च स्तरीय बातचीतों ने भारत और रूस के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने और वैश्विक स्थिरता को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता को फिर से पुष्टि की। रोज स्थित भारतीय दूतावास की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिनिधिमंडल ने रूस के उप विदेश मंत्री एंद्रेई रुडेनको के साथ विस्तृत चर्चा की। चर्चा में द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर जोर दिया गया। भारतीय पक्ष ने आतंकवाद के प्रति अपनी

जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया और कहा कि भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को सहन नहीं करेगा। प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के पहले उपाध्यक्ष एंद्रेई डेनिसोव के साथ व्यापक चर्चा की। इस संवाद में वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ विधायी समन्वय को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारतीय पक्ष ने आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई में ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया। इसके बाद, प्रतिनिधिमंडल ने राज्य डूमा के अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के अध्यक्ष लियोनिद स्लुत्स्की के साथ बैठक की। दोनों पक्षों ने भारत-रूस के ऐतिहासिक और विश्वसनीय संबंधों की पुष्टि की। चर्चा में वैश्विक सुरक्षा आर्किटेक्चर, उभरते भू-राजनीतिक माहौल और बहुपक्षीय सहयोग शामिल थे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित किया। प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री मिखाइल फ्रादकोव के साथ भी बातचीत की। उन्होंने आतंकवाद के रास्तों, दुष्प्रचार पारिस्थितिकी तंत्र और क्षेत्रीय शांति को कमजोर करने वाले राज्य प्रायोजित प्रचार पर विचार-विमर्श किया।

हार्वर्ड विवि के पूर्व छात्र और सांसद राघव चड्ढा ने ट्रंप प्रशासन की आलोचना की

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका के प्रतिष्ठिति उच्च शिक्षण संस्थान हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की कड़ी आलोचना की है। चड्ढा ने एक्स पोस्ट में ट्रंप प्रशासन के हार्वर्ड में विदेशी विद्यार्थियों के नामांकन पर प्रतिबंध लगाने की खिलाफत की है। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप के हालिया कदम से हार्वर्ड और उसके बाहर के अंतरराष्ट्रीय छात्रों के सपनों और भविष्य को खतरा है। हार्वर्ड समुदाय के एक गौरवशाली सदस्य के रूप में मैंने शैक्षणिक स्वतंत्रता के लिए समर्थन दिखाने के लिए हार्वर्ड की टीशर्ट के समर्थन वाली पहनी है।

मैं हार्वर्ड और उन सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों के साथ खड़ा हूं, जिनके सपने और भविष्य खतरे में हैं। हमें शैक्षणिक स्वतंत्रता और वैश्विक सहयोग की रक्षा करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि प्रतिबंध लगाने के बाद हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा कर दिया है।

राहुल गांधी के बयान देश की सुरक्षा के लिए घातक : भाजपा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को देश की सुरक्षा और सशस्त्र बलों के मनोबल के लिए 'हानिकारक' बताया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राहुल गांधी का यह पूछना कि भारतीय वायुसेना के कितने विमान गिरे, एक 'गैर-जिम्मेदाराना और असंवेदनशील' व्यवहार है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। भाटिया ने बताया कि वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल भारती पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि 'कॉम्बैट सिचुएशन' के दौरान इस प्रकार के सवालों का उत्तर देना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल के ऐसे वक्तव्य न केवल सुरक्षा एजेंसियों की कार्यवाही को बाधित करते हैं, बल्कि शत्रु देशों के हित में जाते हैं। प्रवक्ता ने कांग्रेस पर गैर जिम्मेदाराना व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संघर्ष

काल में कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया खाते पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक अपमानजनक छवि पोस्ट की गई थी, जिसे बाद में बिना किसी सार्वजनिक क्षमा याचना के हटा दिया गया। उन्होंने दावा किया कि इस पोस्ट को पाकिस्तान के एक पूर्व मंत्री ने रीपोस्ट कर टिप्पणी की। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन 'सिंदूर' एक ऐतिहासिक सफलता रही, जिसे देश के 140 करोड़ नागरिकों का समर्थन प्राप्त है और जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने पाकिस्तान की नेता मरियम नवाज के बयान का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने 6 से 9 मई के बीच पाकिस्तान को हुए भारी नुकसान को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि जहां पाकिस्तान खुद इस बात को मान रहा है, वहीं राहुल गांधी उसी समय भारत की आलोचना कर रहे हैं।

आतंकवाद पर जर्मन विदेश मंत्री ने किया भारत के आत्मरक्षा अधिकार का समर्थन

एजेंसी
नई दिल्ली। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने आतंकवाद के खिलाफ एक सख्त रुख अपनाते हुए भारत में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। साथ ही उन्होंने भारत का इसके खिलाफ आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन भी किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, हम 22 अप्रैल को भारत पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले से बेहद दुखी हैं। हम नागरिकों पर किए गए इस हमले की सबसे मजबूत शब्दों में निंदा करते हैं। हमारे दिल से सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनाएं हैं वाडेफुल ने यह भी स्पष्ट किया कि जर्मनी भारत के आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा के अधिकार का पूरा समर्थन करता है। उन्होंने कहा, भारत के पास आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का हर अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा, यह महत्वपूर्ण है कि यह संघर्ष विराम

विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, हम 22 अप्रैल को भारत पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले से बेहद दुखी हैं।

स्थिर रहे और संवाद हो ताकि द्विपक्षीय समाधान खोजा जा सके। इससे उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के मध्यस्थता के दावों के बीच जर्मनी की प्राथमिकता भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच सीधे संवाद को बनाए रखने की है। विदेश मंत्री वर्तमान में जर्मनी की यात्रा पर हैं। अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त की और जर्मनी के समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा, हमने आतंकवाद के खतरे पर विस्तार से चर्चा की। यह हमारे लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। भारत ने कई बार आतंकवादी हमलों का सामना किया है, और ऐसे में हमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। जयशंकर ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह न मिले। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत और जर्मनी की साझेदारी इस वैश्विक खतरे के विरुद्ध साझा प्रयासों को और सशक्त बनाएगी।

कूटनीतिक संवाद की कड़ी में चार प्रतिनिधिमंडलों को विदेश सचिव ने किया ब्रीफ

एजेंसी
नई दिल्ली विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अमेरिका और अन्य देशों की यात्रा पर जाने वाले चार संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को भारत के कूटनीतिक संवाद के तहत चल रहे वैश्विक अभियान को लेकर ब्रीफ किया। इन प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर सहित भारत के विरुद्ध पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को विश्व समुदाय के समक्ष प्रस्तुत करना है। इन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व कांग्रेस सांसद शशि थरूर, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-समाजवादी पक्ष (एनसीपी-एसपी) सांसद सुप्रिया सुले और भाजपा सांसद बैजयंत पांडा कर रहे हैं। विदेश सचिव की ब्रीफिंग के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम सांसदों, थिंक टैंकों, मीडिया और आम नागरिकों से मिलेंगे। यह एक व्यापक प्रयास है। हमारा लक्ष्य है कि इन देशों की जनता, संसद और

सरकार को हमारी चिंताओं के प्रति संवेदनशील बनाएं और भारत का पक्ष मजबूती से रखें। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पार्टी मतभेदों से ऊपर उठकर सभी सांसदों को भारत का पक्ष दुनिया के सामने स्पष्ट रूप से रखना चाहिए। पहलगाम की बर्बर घटनाओं के बाद दुनिया को बताना जरूरी है कि भारत शांति और कूटनीति चाहता है, लेकिन हमले होंगे तो जवाब भी देंगे। पाकिस्तान का 70 वर्षों का इतिहास सबके सामने है। भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है जहां निर्णय सेना नहीं बल्कि चुनी हुई सरकार लेती है। भाजपा सांसद बैजयंत पांडा ने कहा कि विदेश सचिव और उनकी टीम से हमें व्यापक जानकारी मिली। भारत में जो एकता दिख रही है, वह इस अभियान के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। हम यह संदेश लेकर पूरी दुनिया तक पहुंचेंगे। सुप्रिया सुले ने कहा कि हम शांति और मित्रता का संदेश देने जा रहे हैं।

हमारा समूह कल दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया और कतर की यात्रा पर रवाना होगा। भारत आतंकवाद के खिलाफ है और यह कतई बर्दाश्त नहीं है। हम आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि आतंकवाद एक गंभीर समस्या है, जिससे भारत 1947 से पीड़ित रहा है। यही कारण है कि पाकिस्तान और भारत के बीच कभी अच्छे संबंध नहीं बन सके। दुनिया का कोई देश ऐसा नहीं है जो आतंकवाद के दंश से अछूता हो।

लोक सभा अध्यक्ष रविवार से झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार 25 मई से झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वह रविवार को जमशेदपुर, झारखंड में सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) के प्लेटिनम जुबली समारोह में प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। झारखंड दौरे के दौरान बिरला रांची के बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। वह रांची में डंगराटोली स्थित स्वर्ण भूमि में विभिन्न सोसाईटियों द्वारा आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में भी शामिल होंगे। जमशेदपुर में सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) के प्लेटिनम जुबली समारोह में केंद्रीय मंत्री, संसद सदस्य और पूर्व संसद सदस्य भी शामिल होंगे। सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) 1948 में अपनी

स्थापना के समय से ही झारखंड के आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। इस चैम्बर के लगभग 1,500 सदस्य हैं और अप्रत्यक्ष रूप से 175,000 से अधिक लोग इससे जुड़े हुए हैं।

प्रधानमंत्री के पास रेलवे को अत्याधुनिक बनाने का विजन, बिहार के लिये बहुत कुछ सोचा है: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जमालपुर रेल कारखाना स्थित इरिमी सभागार में आज आयोजित कार्यक्रम में शामिल विभिन्न संगठनों से जुड़े अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रेलवे को अत्याधुनिक बनाने का विजन है, उन्होंने बिहार के लिये बहुत कुछ सोचा है। उन्होंने कहा कि 350 करोड़ रुपये की लागत से जमालपुर रेल कारखाना का आधुनिकीकरण होगा। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि अब तक रेल अधिकारियों और सुपरवाइजरों को इनहाउस ट्रेनिंग देने वाली इरिमी अब युवाओं को भी प्रशिक्षित करेगी। वर्ष 2026 में शुरू होने वाले नए बैच से इसकी शुरुआत होगी। जमालपुर पहुंचे केन्द्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस कोर्स के शुरू होने से यहां प्रतिभावान युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर सम्मानजक पद प्राप्त कर सकेंगे। रेलमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद बीते साठ वर्षों में रेलवे का महज 20 हजार किलोमीटर विद्युतीकरण हो सका था लेकिन पिछले 11 वर्षों में हमने 50 हजार किलोमीटर से ज्यादा रेलवे का

विद्युतीकरण किया है। पहले हमें डीजल दूसरे देशों से आयात करना पड़ता था इसलिए प्रधानमंत्री ने रेलवे के लिये संपूर्ण विद्युतीकरण का संकल्प लिया। भारत को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना प्रधानमंत्री का विजन है। नए तरह के रेलवे ट्रैक, नई तकनीक से युक्त ट्रेनें इन सब पर हमारा फोकस है।रेलमंत्री ने पिछले 10 वर्षों में बिहार में रेलवे में हुए विकास की चर्चा की। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पहले बिहार में रेलवे के लिये सिर्फ एक हजार करोड़ का बजट होता था, लेकिन अब 10 हजार करोड़ का है। केन्द्र सरकार ने बिहार से जुड़े हुए रेलवे प्रजेक्ट पर एक लाख करोड़ का इनवेस्टमेंट किया है। रेलमंत्री ने कहा कि विशेषज्ञों की टीम ने जमालपुर रेल कारखाने के विकास के लिये पूरा एक्शन प्लान तैयार किया है।

नागरिकों को अधिकार दिलाने नए आपराधिक कानून का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन आवश्यकः अमित शाह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, महानिदेशक, बीपीआरडी और निदेशक, एनसीआरबी सहित गृह मंत्रालय और आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अपने संबोधन में गृहमंत्री शाह ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण अमल से ही नागरिकों को उनके अधिकार मिल सकते हैं जिसके लिए तकनीक का उपयोग और निरंतर निगरानी अति आवश्यक है। गृहमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश को नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए पिन-पॉइंटेड प्रारूप में समीक्षा करनी चाहिए जिससे राज्य में नए कानूनों पर जल्द से जल्द अमल सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि 60 और 90 दिन की समयसीमा के अंदर आरोपपत्र दाखिल करने और आरोप तय करने के लिए समयसीमा तय करने पर जोर देना ज़रूरी है।

चुनाव आयोग मतदान केंद्रों पर देगा मोबाइल जमा कराने की सुविधा

एजेंसी
नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदान की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए दो नई पहल की है। आयोग अब मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं के लिए मोबाइल जमा करने की सुविधा प्रदान करेगा। साथ ही अब, मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे के ठीक बाद उम्मीदवार मतदाताओं के सहयोग के लिए अपने बूथ लगा सकेंगे।

चुनाव आयोग ने कहा है कि यह निर्णय ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयोग कानूनी ढांचे के अनुसार सख्ती से चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही मतदाताओं के लिए सुविधाओं में सुधार के लिए निरंतर नवाचार भी कर रहा है। इसके साथ ही आयोग ने स्पष्ट किया कि केवल स्विच ऑफ मोबाइल फोन ही मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में लाने की अनुमति होगी। मतदाता अपने मोबाइल फोन को मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार पर स्थापित बॉक्स या जूट बैग में जमा कर सकते हैं। मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन

ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि चुनाव अधिकारी के पास यह अधिकार होगा कि वे किसी मतदान केंद्र पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण इस सुविधा को नहीं दे।

आयोग ने इसके अलावा प्रचार के लिए भी नए नियम बनाए हैं। अब मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे के ठीक बाद कहीं भी उम्मीदवार मतदाताओं के सहयोग के लिए अपने बूथ लगा सकेंगे। यह बूथ मतदान के दिन उम्मीदवारों द्वारा मतदाताओं को अनौपचारिक पहचान पर्चियां जारी करने के लिए स्थापित किए जाते हैं। पहले यह सीमा 200 मीटर होती थी।

पिछले 45 सालों से भारत के खिलाफ आतंकवादियों को तैयार कर रहा पाकिस्तान : मनीष तिवारी

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल मनीष तिवारी ने पाकिस्तान को आतंकवाद की जननी बताया। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान पिछले 45 सालों से भारत के खिलाफ आतंकवादियों को तैयार करके अपने नापाक मंसूबों को धरातल पर उतारने का काम कर रहा है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एक ताना-बाना बुनने का काम किया है, जिसे हमने समय-समय पर विफल भी किया है, लेकिन हर बार मुंह की खाने के बाद भी उसकी अक्ल ठिकाने नहीं आई है। अब समय आ चुका है कि पाकिस्तान को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब किया जाए। उन्होंने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य बताते हुए कहा कि हम अलग-अलग देशों में जाकर उन्हें बताएंगे कि किस तरह से पाकिस्तान अपने यहां आतंकवादियों को तैयार करके भारत में अशांति फैलाना चाहता है। इस बार हम पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान का असली चेहरा लाकर रहेंगे और उन्हें बताएंगे कि पाकिस्तान अब न सिर्फ भारत, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए खतरा बन चुका है। अगर समय रहते इस पर लगाम नहीं लगाई गई, तो यह आने वाले दिनों में हम सभी लोगों के लिए एक बड़ी विपदा बन सकता है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान अपने यहां आतंकवादियों को तैयार कर रहा है, उन्हें ट्रेनिंग देता है। इसके बाद उन्हें भारत भेजता है। उसे कई बार चेताया गया कि वह भारत के खिलाफ आतंकी कृत्यों को करना बंद करे, लेकिन वह अभी तक अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। बता दें कि कांग्रेस नेता मनीष तिवारी सुप्रीया सुले के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। वह इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में कतर, दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और मिस्र जा रहे हैं। सुप्रीया सुले के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता मनीष तिवारी, भाजपा नेता राजीव प्रताप रूडी, भाजपा नेता अनुराग ठाकुर, भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या, कांग्रेस नेता आनंद शर्मा और पूर्व राजनयिक सैयद अकबरुद्दीन शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री दाल-भात केन्द्र निरीक्षण के क्रम में डीसी, एसपी एवं डीएसओ ने भोजन कर गुणवत्ता को परखा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने शहर के रिलायंस मॉल स्थित मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जहां संचालित मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्र में आमजनों का भोजन वितरित किया जा रहा था। उपायुक्त ने भोजन कर रहे लोगों की संख्या की जानकारी ली। साथी परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। उपायुक्त ने कहा कि भोजन निर्माण में गुणवत्ता का ख्याल रखा जाए। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुणवत्ता जांच के लिए उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने मौके पर भोजन कर गुणवत्ता को परखा।

महेशपुर में प्रोजेक्ट जागृति के तहत रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़:महेशपुर प्रोजेक्ट जागृति के तहत जिला प्रशासन के तत्वावधान में प्रत्येक 24 तारीख को होने वाले रक्तदान शिवर सीएचसी महेशपुर में लगाया गया. वही सीएचसी प्रभारी डॉ सुनील कुमार किस्कू की मौजूदगी में कर्मियों ने रक्तदान किया. सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र दिया गया. रक्तदाताओं ने जिला प्रशासन की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर सराहनीय प्रयास बताया. मौके पर सीएचसी प्रभारी सुनील कुमार किस्कू, बीएम शैलेश कुमार, मनीष कुमार, शौकत अली सहित अन्य मौजूद थे।

राशन कार्ड धारी को जून में मिलेगा 2 महीने का राशन, बीडीओ ने दिया दिशा निर्देश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:महेशपुर प्रखंड कार्यालय के सभागार भवन में शनिवार को बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव के अध्यक्षता में सभी जनप्रतिनिधि पंचायत समिति सदस्य, मुखियाओं, वार्ड सदस्य व पंचायत सचिवों के साथ बैठक आयोजित की गई. बैठक में बीडीओ ने गुलाबी व पिला कार्डधारी को अगले जून व जुलाई माह का राशन 1 जून से 15 जून तक और अगस्त माह का राशन 16 से 30 जून तक वितरण की जाएगी. जिसको लेकर जनप्रतिनिधि व पंचायत सचिवों को सभी अपने - अपने क्षेत्र में मॉनिटरिंग करते हुए प्रत्येक लाभुको को ससमय राशन पूर्ण कराने को लेकर चर्चा कर कई निर्देश दिए गए. मौके पर प्रमुख शुभलक्ष्मी मुर्मू, बीपीआरओ प्रसेनजीत मंडल, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी फखरे आजम, कलाम अंसारी, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया, सचिव, वार्ड सदस्य सहित अन्य मौजूद थे.

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी धनेश्वर हेंब्रम ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का किया जांच

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के द्वारा खास तौर पर आम एवं केला के फलों की जांच की गई, जांच के दौरान सभी फल दुकानदारों को कैल्शियम कार्बाइड के बुरे प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई तथा इसका इस्तेमाल फलों को पकाने में नहीं करने की हिदायत दी गई। उन्होंने बताया कि जो भी कैल्शियम कार्बाइड से फल पकाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी एवं इस संबंध में जांच जारी रहेगी। मेराज के राशन दुकान से जांच के क्रम में 12 केन स्प्राइट एक्सपायर पाये गये, जिसे नष्ट कराया गया। साथ ही खाद्य कारोबारी को फूड लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट दुकान पर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया। पनीर एवं बिस्कुट का नमुना भी संग्रह किया गया।

पारामाउण्ट एकेडमी के प्रांगण में प्राइड ऑफ पारामाउण्ट समारोह का आयोजन

प्रिंस कुमार बने जिला टॉपर

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

पारामाउण्ट एकेडमी के प्रांगण में प्राइड ऑफ पारामाउण्ट समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन की ओर से मेडल, मोमेंटो और उपहार देकर सम्मानित किया गया।दसवीं कक्षा में प्रिंस कुमार (पुत्रः समुन राजहंस) ने 97.4% अंक प्राप्त कर मुंगेर जिला में प्रथम स्थान हासिल किया, जिससे उन्होंने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे तारापुर का नाम रोशन किया। इसी क्रम में पल्लवी सिंह ने 95.2% अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। सक्षम कुमार (94.8%), यश सिन्हा (94.7%), प्रज्ञा प्रेयसी (93.8%) और प्रतीक्षा सिन्हा (91.2%) ने क्रमशः तीसरे से छठे स्थान तक अपनी जगह बनाई।बारहवीं कक्षा में खुशी कुमार ने 90.4% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान

प्राप्त किया। शालिनी कुमारी (90.2%) और आदित्य कुमार सिंह (88%) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं उन्नति कुमारी (87.8%) चौथे, और सहोदर भाई ओम भगत एवं हरि भगत ने 87.4% अंक के साथ क्रमशः पाँचवां और छठा स्थान प्राप्त किया।सम्मान समारोह में विद्यालय के वरिष्ठ प्रबंध समिति सदस्य परिमल किशोर झा, पारामाउण्ट लोक कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष एन. के. सिंह, पूर्व प्रबंधक वेदानंद झा, स्कूल मैनेजर कुमारी अनुराधा, प्रबंध निदेशक श्वेता मंजरी, प्राचार्य उमेश पाठक और एकेडमी इंचार्ज मो. अलीमउद्दीन उपस्थित रहे और सभी मेधावी छात्रों को सम्मानित किया।छात्रों ने अपने वक्तव्य में अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और ज्ञान के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। उन्होंने राज्य स्तर पर टॉपर बनने और भविष्य में IIT, NEET व सिविल सेवा की तैयारी कर देश सेवा की इच्छा भी जताई। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं की खुशी देखते ही बनती थी।

देवघर में 25 मई को होगी एआईएफटीओ की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक

झारखंड में पहली बार वृहत स्तर पर आयोजन, 22 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 68 प्रतिनिधि होंगे शामिल

देवघर, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टीचर्स ऑर्गेनाइजेशन की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक 25 मई को देवघर के पीटीआई में आयोजित होगी। इस बैठक में देश के 22 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों से 68 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। आयोजन का जिम्मा झारखंड स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन ने संभाला है।

एआईएफटीओ के नव नियुक्त मुख्य संरक्षक डॉ. सुनील खवाड़े और राष्ट्रीय महासचिव छगनलाल रोज ने संयुक्त प्रेसवार्ता में बताया कि कार्यक्रम दो सत्रों में होगा। पहला सत्र सुबह 9 से 11 बजे तक जेएसपीटीए का अधिवेशन होगा, जिसमें झारखंड के सभी जिलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके बाद सुबह 11:30 से शाम 6 बजे तक

एआईएफटीओ की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक होगी। महासचिव रोज ने कहा कि झारखंड में पहली बार एआईएफटीओ की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक इतने बड़े पैमाने पर हो रही है। संगठन का उद्देश्य सरकारी शिक्षा की स्थिति में सुधार लाना, शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखना और शिक्षा व शिक्षकों के हित में काम करना है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने से सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है। इस बैठक में इन मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे, जिन्हें केंद्र और राज्य सरकारों तक पहुंचाया जाएगा।

झामुमो ने सरना धर्म कोड की मांग को लेकर बनाई रणनीति

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़िया प्रखंड के झामुमो कार्यालय में झामुमो कार्यकताओं की एक आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा ने की। वही मंच संचालन प्रखंड सचिव मैनुद्दीन अंसारी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से जिला मुख्यालय में आगामी 27 मई दिन मंगलवार को होने जा रहे एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड मोतीलाल हांसदा ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने बिना सरना कोड/ आदिवासी धर्म कोड लागू किये जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लिया है जो कि भाजपा की आदिवासी विरोधी मानसिकता को दशार्ता है। हमारी पार्टी और हमारे नेता माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी ने हमेशा से आदिवासी हितों व अधिकारों की रक्षा की लड़ाई लड़ी। आज समय आ गया है कि अगर सरना धर्म कोड नही मिलता है तो हमारी पार्टी पूरे राज्य में जातिगत जनगणना नही होने देगी। इसके विरोध में हम सभी आगामी 27 मई को भारी संख्या में जिला मुख्यालय पहुँच विरोध प्रदर्शन

करेंगे। मौके पर जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे,खुर्शीद आलम , निवारण मरांडी, मंजर आलम, कालिदास टुडू, मुनीराम मरांडी, महेशपुर प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद, कुबराज मरांडी, मैनेजर मरांडी, मुसारफ हुसैन, लालबाबू अंसारी, अजीमुद्दीन अंसारी, मंटू भगत, लालबाबू शेख, तुहिदुल शेख,मनाफ अंसारी, मैतलाल टुडू सहित अनेक झामुमो कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

पाकुड़ डीसी ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पाकुड़ की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक, प्रशिक्षक एवं अन्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले को डायट पाकुड़ के माध्यम से प्रत्येक माह एवं आवश्यकता अनुसार प्रत्येक सप्ताह सम्मानित किया जाएगा। साथ ही प्राथमिक शिक्षकों के लिए श्ए फोर एलेक्साह्व प्रशिक्षण डायट पाकुड़ में किया जाएगा।शिक्षकों के लिए डायट पाकुड़ में मानसिक स्वास्थ्य का प्रशिक्षण, शिक्षकों के लिए डायट

पाकुड़ में धूम्रपान निषेध से संबंधित प्रशिक्षण/ कार्यशाला, शिक्षकों/विद्यार्थियों के यौन उत्पीड़न से बचाव/सुरक्षा हेतु आवश्यक प्रशिक्षण कार्यशाला कराने एवं पाकुड़ जिले के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के लिए टीचर ट्रेनिंग मॉडल निर्माण कराने का निर्देश दिया गया ताकि शिक्षक विद्यालय में कैसे बेहतर रूप से विद्यार्थी को पढ़ाये इसे सुनिश्चित किया जा सके।- विद्यार्थियों के लिए जिलास्तर से आयोजित किए जाने वाले टेस्ट सीरीज ओलंपियाड एवं अन्य परीक्षा से संबंधित प्रश्न पत्र का निर्माण करने, विज्ञान प्रदर्शनी एवं अपशिष्ट पदार्थ से बने नए मॉडल से संबंधित प्रदर्शनी का आयोजन कराने हेतु निर्देशित किया गया। जिला स्तर पर संचालित प्रोजेक्ट परख के आलोक मे शिक्षा के क्षेत्र मे शिक्षकों/विद्यार्थियों के लिए आवश्यक तैयारी करने/करवाने का निर्देश दिया गया। बैठक में प्राचार्य, डायट पाकुड़ संतोष गुप्ता, प्रभारी प्राचार्य सह संकाय सदस्य राकेश रजक, संकाय सदस्य वरुण गणाई, रविकांत एवं लिपिक मुस्ताफिजुर उपस्थित थे।

जल जमाव की समस्या से शहरवासियों को मिलेगा जल्द निजात डीसी व एसपी ने किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिले में विगत दो दिनों से हो रही बारिश से शहर में हुए जल जमाव को लेकर डीसी मनीष कुमार एसपी प्रभात कुमार एवं उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने शहरी क्षेत्र का दौरा किया। उनके साथ विशेष कार्य पदाधिकारी, प्रशासक नगर परिषद भी मौजूद रहे। उपायुक्त ने शहर में कई स्थानों पर जल जमाव देखकर पानी निकासी के लिए समुचित व्यवस्था हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को उचित कदम उठाने के निर्देश दिए।

जीविका महिला संवाद कार्यक्रम में सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी, दीदियों ने रखी अपनी मांगें

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

शुक्रवार को संगम जीविका महिला ग्राम संगठन, चंदनिया-संग्रामपुर में प्रथम पाली का महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें करीब 230 दीदियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन सामुदायिक समन्वयक प्रेमलता कुमारी और बिपिन कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री द्वारा प्रेषित संदेश पत्र को दीदियों को पढ़कर सुनाया गया। इसके बाद एक वैन में लगे एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सरकार की विभिन्न महिला और बाल विकास योजनाओं की जानकारी साझा की गई। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना, साइकिल योजना, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, किशोरी स्वास्थ्य योजना, सतत जीविकोपार्जन योजना, दीदी की रसोई, दीदी का अधिकार केंद्र, आदि शामिल थीं। सरकारी योजनाओं से लाभान्वित खुशबू दीदी, सीमा दीदी, रीता दीदी, ममता देवी, संगीता दीदी, बबीता दीदी, अर्चना

दीदी आदि ने मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए सरकार के प्रति आभार जताया।कार्यक्रम में दीदियों ने अपनी विभिन्न मांगें भी रखीं। संगठन की अध्यक्ष रीता दीदी ने ग्राम संगठन भवन की मांग की, जबकि वार्ड 10, 11 और 12 में जल-निकासी और नल-जल योजना की खस्ताहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए समाधान की अपील की। शांति दीदी ने बस स्टैंड पर सार्वजनिक शौचालय की मांग की, वहीं सावित्री दीदी ने वृद्धजन पेंशन योजना की राशि बढ़ाने की बात कही। डिंपल दीदी, मीरा दीदी और अन्य सदस्यों ने बेलहरनी नदी पर पुल और छठ घाट निर्माण की मांग की। फुलन दीदी और कुंती दीदी ने खेल मैदान में घेरा, जीविका भवन, उछत्र और ग्राम संगठन के लिए अलग-अलग भवन की मांग के साथ-साथ समूह ऋण पर ब्याज दर को 1% से घटाकर 0.5% करने की मांग रखी। इसके अतिरिक्त आरएफ को 30,000 से बढ़ाकर 1 लाख और आईसीएफ को 1.5 लाख से बढ़ाकर 5 लाख करने की मांग की गई। दीदियों ने उच्च शिक्षा के लिए निःशुल्क कोचिंग, अनाज गोदाम, दलहन बीज पर 100% सब्सिडी और फसल बीमा को निःशुल्क करने की भी मांग की। कार्यक्रम के अंत में सभी दीदियों ने सामाजिक कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति निष्ठा से कार्य करने की शपथ ली। कार्यक्रम में लेखापाल दिवाकर कुमार, सीएम खुशबू देवी, सीएफ रजनी कुमारी, भीआरपी सीमा कुमारी, एमबीके विभूति मंडल, एमआरपी गुड्डू कुमार, कंचन लता समेत अन्य जीविका पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रखंड में आयुष्मान कार्ड को लेकर तीन दिवसीय शिविर

दिव्य दिनकर संवाददाता धरहरा।

आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर तीन दिवसीय विशेष अभियान की सफलता को लेकर जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड प्रमुख, उप प्रमुख, समिति सदस्यगण, मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य, पंच सदस्य, जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि धरहरा प्रखंड में आयुष्मान कार्ड 25 प्रतिशत ही बना है। लक्ष्य को बढ़ाने को लेकर 26 से 28 मई तक सभी पंचायत में शिविर लगाकर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। राशन कार्ड धारी प्रत्येक परिवार के सदस्य को आयुष्मान कार्ड योजना से जोड़ना है। पंचायत भवन, पंचायत सरकार भवन, सभी जन वितरण प्रणाली की दुकान में कैंप लगाए जाएंगे। आयुष्मान कार्ड का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है। आयुष्मान कार्ड धारकों को हर साल पांच लाख रुपए तक के कैशलेस मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है। शिविर तक लाभुकों को भेजने हेतु जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की गई। इस स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से लाभुकों को चयनित अस्पताल में पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज करवा सकते हैं। अथार्भाव में किसी व्यक्ति का इलाज बाधित होने से की समस्या से निजात मिल जाएगी। इस दौरान प्रखंड प्रमुख पल्लवी भारती, उप प्रमुख नीरज

गाड़ीलौंग में महाभंडारे के साथ नौ दिवसीय महायज्ञ का समापन

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवाःचतरा। गाडीलौग में महाभंडारे और पूणार्हुति के बाद आयोजित रूद्र महायज्ञ शनिवार को शांति पूर्वक संपन्न के बाद इसके पूर्व आठ दिनों तक हजारों लोगों ने यज्ञमंडप का परिक्रमा किया। मंत्रोच्चार से गाड़ीलौंग में भक्ति के ब्यार बहे।मंदिर बनाने से लेकर महायज्ञ के समापन तक लगभग 75 लाख से अधिक खर्च हुए।यह राशि ग्रामीणों ने आपसी सहयोग कर किया।इस महायज्ञ को संपन्न करवाने में महायज्ञ समिति के अध्यक्ष दीपू कुमार चौरसिया,कोषाध्यक्ष सोनू कुमार चौरसिया, सचिव मनीष कुमार चौरसिया, उपाध्यक्ष महेंद्र यादव, उपसचिव राहुल चौरसिया मीडिया प्रभारी कुलदीप दास, पूजा प्रभारी जुगल साव, द्वारका बरई, तिलेश्वर साव,प्रताप चौरसिया विजय गिरी सुनील चौरसिया,चिंतामन बरई, कालेश्वर साव राम लखन साव अजीत यादव शशि चौरसिया प्रदीप साव, भीम साव मनोज राणा सुरेंद्र चौरसिया लालमन साव विपिन यादव, शिक्षक मीनू गुप्ता, शिक्षक जगदीश राम,प्रवीण यादव उपेंद्र यादव, पप्पू चौरसिया, राजू चौरसिया, सुधीर चौरसिया पवन चौरसिया पिंटू राणा विनय भुइंया रामप्रवेश साव दिनेश यादव समेत सैकड़ो लोगों ने अहम भूमिका निभाया।

संक्षिप्त समाचार

नगर पंचायत संग्रामपुर के कई वार्डों में पेयजल संकट गहराया,

नल-जल योजना फेल, चापाकल भी पड़े हैं बंद, ग्रामीणों में बढ़ा आक्रोश ।

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

नगर पंचायत संग्रामपुर के वार्ड संख्या 10, 11 और 12 के ग्रामीणों ने पेयजल संकट को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। शनिवार को स्थानीय निवासी रूबी देवी, नाथो देवी, सजनी देवी, सरिता देवी, सुधीर साह, शंकर शर्मा, मंटू राम सहित अन्य लोगों ने बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल का जलङ्क योजना यहां पूरी तरह फेल हो चुकी है। ग्रामीणों के अनुसार, इन तीनों वार्डों में नल जल योजना से मात्र एक चौथाई आबादी को ही पानी मिल रहा है, जबकि बाकी लोग पानी की भारी किल्लत झेल रहे हैं। वार्डों में लगे अधिकांश चापाकल लंबे समय से खराब पड़े हैं। ग्रामीणों ने कई बार विभाग से मरम्मत की मांग की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि मजबूरी में एक मात्र पुराने कुएं के दूषित पानी से घर का सारा काम करना पड़ता है, जिसमें नहाना, कपड़े धोना और यहां तक कि खाना पकाने के लिए पानी लेना शामिल है। बारिश के कारण कुएं के पानी में कीड़े पड़ गए हैं, जिसे कपड़े से छानकर इस्तेमाल करना पड़ता है। इसी पानी से स्कूल में मिड-डे मील भी बनाया जाता है, जिससे स्कूली बच्चे लगातार बीमार पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने नगर पंचायत प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि गठन के 22 महीने बीत जाने के बावजूद न तो कोई विकास कार्य हुआ है और न ही पेयजल संकट का समाधान किया गया है। नल-जल योजना के तहत डाली गई पाइपलाइन कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त है, जिससे पानी लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। कई घरों में अब तक पाइपलाइन ही नहीं बिछाई गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पेयजल व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो वे सड़क जाम कर आंदोलन करेंगे।

ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टीचर्स ऑर्गेनाइजेशन के नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग आज

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टीचर्स ऑर्गेनाइजेशन (एआईएफटीओ) के नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग 25 मई को देवघर के पीटीआई में होगी। इसमें पूरे देश के 22 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेशों से 68 प्रतिनिधि भाग लेंगे। मीटिंग का आयोजन झारखंड स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन (जेएसपीटीए) कर रही है। कार्यक्रम दो सत्रों में होगा। पहले सत्र में सुबह 9 से 11 बजे तक जेएसपीटीए का अधिवेशन होगा। इसके बाद 11.30 से लेकर शाम 6 बजे तक एआईएफटीओ की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग होगी। जेएसपीटीए के अधिवेशन में झारखंड के सभी जिलों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। यह जानकारी एआईएफटीओ के नव नियुक्त मुख्य संरक्षक डॉ. सुनील खवाड़े और राष्ट्रीय महासचिव छगनलाल रोज ने संयुक्त रूप से प्रेसवार्ता में दी। महासचिव रोज ने बताया कि पहली बार झारखंड में एआईएफटीओ की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग वृहत स्तर पर हो रही है। सरकारी शिक्षा की स्थिति में सुधार लाना, शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य से मुक्त रखने समेत शिक्षा और शिक्षकों में हित में एआईएफटीओ काम करती है। शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य में लगाए जाने से सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। इन सब मुद्दों को लेकर नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी में प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिससे केंद्र और राज्य सरकारों को अवगत कराया जाएगा।

ट्रक की टक्कर से एक युवक की मौत, दो घायल झ्र एक की हालत नाजुक, भागलपुर रेफर,

चकवारा गांव से निमंत्रण से लौट रहे थे तीनों युवक, नवगाई पोखर के पास हुआ हादसा:

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

शुक्रवार देर रात संग्रामपुर-तारापुर मुख्य मार्ग पर नवगाई पोखर के समीप एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना उस समय हुई जब तीनों युवक एक निमंत्रण समारोह से लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, हरपुर थाना क्षेत्र के बेलाडीह गांव निवासी गौरव कुमार , रोहित कुमार एवं सनोज कुमार मोटरसाइकिल से चकवारा गांव में भोज कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे। नवगाई पोखर के पास बालू लदे एक अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही संग्रामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने गौरव कुमार को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल रोहित कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भागलपुर मायागंज अस्पताल रेफर किया गया, जबकि सनोज कुमार का इलाज स्थानीय केंद्र पर चल रहा है। गौरव कुमार की शादी महज एक माह पहले 14 अप्रैल को घोरपिठिया गांव में हुई थी। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ संग्रामपुर थाना में आवेदन देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मृतक के घर पहुंचे राजद प्रदेश सचिव जितेंद्र कुमार कुशवाहा, प्रखंड अध्यक्ष विजय यादव समेत अन्य नेताओं ने शोक व्यक्त कर परिवार को ढांढस बंधाया।

तेलंगाना हाईकोर्ट की अनुमति के बाद शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई ग्लोबल पीस मीटिंग

डॉ. के. ए. पॉल के नेतृत्व में साइलेंट प्रेयर के दौरान विश्वभर में गूंजीं शांति की प्रार्थनाएं

सिकंदराबाद,। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शांति प्रचारक डॉ. के. ए. पॉल के नेतृत्व में आज शाम सिकंदराबाद स्थित जिमखाना ग्राउंड्स में ह्यग्लोबल पीस मीटिंगह्न का आयोजन शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। यह आयोजन तेलंगाना हाईकोर्ट की माननीय न्यायमूर्ति श्री नंदिकोंडा नरसिंहा राव जी द्वारा शर्तों के साथ दी गई अनुमति के तहत आयोजित किया गया। न्यायालय के निदेर्शानुसार, सभा को सीमित स्तर पर आयोजित किया गया और इसमें केवल मौन प्रार्थनाओं की अनुमति थी। आयोजकों ने सभी नियमों का पालन किया–उपस्थित लोगों की संख्या 1000 से कम रखी गई और किसी प्रकार का प्रवचन या भाषण नहीं दिया गया।मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. के. ए. पॉल ने न्यायालय का आभार व्यक्त किया और बताया कि यह कार्यक्रम विश्वव्यापी पहल का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत दुनिया भर में 12 लाख से अधिक स्थानों पर–चर्च, मंदिर, मस्जिद, यहूदी उपासना स्थल और घरों में–एक साथ प्रार्थनाएं की गईं। इस शांति सभा का मुख्य उद्देश्य वैश्विक शांति और युद्धों की समाप्ति के लिए प्रार्थना करना था। डॉ. पॉल ने भारत और पाकिस्तान के बीच किसी संभावित युद्ध को रोकने की आवश्यकता पर बल दिया और यूक्रेन, मध्य-पूर्व और अफ्रीका में जारी संघर्षों की समाप्ति की अपील की। उन्होंने भारत, पाकिस्तान, अमेरिका, यूरोपीय संघ और खाड़ी देशों के

नेताओं से आपसी सहयोग और मेल-मिलाप के लिए कार्य करने का आह्वान किया। डॉ. पॉल ने कहा कि प्रेम, सत्य और एकता ही हिंसा और घृणा का वास्तविक उत्तर हैं। उन्होंने कहा, ह्लअच्छाई बुराई से अधिक शक्तिशाली है और प्रेम, नफरत से अधिक प्रभावशाली है।ह्व विभिन्न धर्मों की शिक्षाओं का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि शांति एक साझा मानव मूल्य है।इस प्रार्थना सभा में जिन प्रमुख उद्देश्यों के लिए प्रार्थनाएं की गईं, उनमें शामिल हैं: वैश्विक शांति और 56 वर्तमान युद्धों की समाप्ति, यूक्रेन, इजराइल-फिलिस्तीन और मध्य-पूर्व व अफ्रीका में शत्रुता का अंत, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित वैश्विक नेताओं के लिए मार्गदर्शन व सद्बुद्धि की प्रार्थना, भारतीय लोकतंत्र, न्यायपालिका और मीडिया के लिए प्रार्थना, सभी धर्मों के अनुयायियों और आध्यात्मिक नेताओं की सुरक्षा और एकता।यह कार्यक्रम ऐसे समय में हुआ जब एक दिन पहले भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप घोटालों से संबंधित एक मामले में नोटिस जारी किया है। डॉ. पॉल ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत जी और न्यायमूर्ति एन. कोटेश्वर सिंह जी का विशेष रूप से आभार जताया और युवाओं को डिजिटल खतरों से बचाने के लिए सतर्कता बनाए रखने का आह्वान किया।23 मई को कोर्ट से मिली अनुमति के बाद बहुत कम समय में तैयारियां पूरी कर ली गईं, और सभा कानून के पूर्ण पालन के साथ निर्विघ्न रूप से सम्पन्न हुई।

ह्यग्लोबल पीस मीटिंगह्न शांति और सर्वधर्म समभाव की एक दीर्घकालिक परंपरा का हिस्सा है। डॉ. पॉल अब तक 155 देशों में 2,200 से अधिक शांति रैलियों का आयोजन कर चुके हैं।

संत कैलाशानंद गिरि का देवघर में होगा 28 मई को आगमन, करेंगे पूजा-अर्चना

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अखिल भारतीय मध्य देसीय वैश्य सभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष सह नरेन्द्र मोदी विकास मिशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ध्रुव प्रसाद साह के हरिद्वार प्रवास के दौरान अपने गुरुदेव अनंत श्री विभूषित, श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ, श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य, श्री श्री १००८, निरंजन पीठाधीश्वर, आचार्य महामंडलेश्वर, परमपूज्यपाद स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज का आचार्य महामंडलेश्वर से दक्षिण काली माहामाई मंदिर हरिद्वार में उनके आवास पर मुलाकात कर आशीर्वाद लिया और और गुरूजी के झारखंड , और बिहार राज्य का दौरा 28/05/2025 को बाबा

बैद्यनाथ की धरती देवघर हवाई अड्डा पर निजी चार्टड पलेन से आगमन पर तैयारी को लेकर चार दिनों के लिए देवघर और बिहार राज्य के जमुई लिए में दर्शन, साधना और प्रवास की तैयारी को लेकर रूप रेखा तैयार किया गया , ध्रुव प्रसाद साह ने कहा की विभिन्न पदों पर अभिषिक्त होने के उपरांत प्रथम बार बाबाधाम, देवघर की पावन धरा पर आगमन हम सबके लिए अत्यंत गौरव और सौभाग्य का विषय है। समस्त देवघर वासी इस पुण्य अवसर पर हर्षोल्लास पूर्वक उनका हार्दिक वंदन, अभिनंदन एवं नंदन करने के पुरी तैयारी जोरों पर चल रही है, आपका यह आगमन बाबा बैद्यनाथ जी धरती के लिए निश्चित ही देवभूमि की आध्यात्मिक चेतना को और भी प्रखर करेगा तथा जनमानस को धर्म, सेवा और साधना के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देगा। इस तैयारी के झारखंड और बिहार राज्य में उनके भक्तगण बहुत ही जोर शोर से लगें हुए हैं

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से ई०वी०एम०/वी०वी०पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया गया।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री एवं पुलिस अधीक्षक श्री अम्बरीष राहुल द्वारा संयुक्त रूप से प्रखण्ड परिसर अन्तर्गत अवस्थित ई०वी०एम०/वी०वी०पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। विदित हो कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेशानुसार प्रत्येक माह में ई०वी०एम०/वी०वी०पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया जाना है। निरीक्षण के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मानकों का अक्षरशः अनुपालन करने का निदेश दिया गया। ई.वी.एम. एवं वी०वी०पैट के

मासिक निरीक्षण के अवसर पर मो० गजाली, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं श्री रितेश कुमार सिंह, प्रखण्ड महासचिव-सह-सदस्य जिला कार्यकरणी, जनता दल यूनाईटेड/ श्री पंकज कुमार राष्ट्रीय जनता दल/श्री रंजीत कुमार, कार्यालय प्रभारी, भारतीय जनता पार्टी / श्री सुनेश कुमार जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी / श्री कपील कुमार सिंह, जिला अध्यक्ष, सी०पी०आई०एम० / श्री पार्टी उपस्थित थे।

जनसमस्याओं के समाधान और बकरीद-श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर एसडीओ ने की बैठक

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर।

जनसमस्या के समाधान, बकरीद का त्योहार संपन्न कराने,श्रावणी मेला की अग्रिम तैयारी को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार ने सामाजिक राजनीतिक कार्यकताओं तथा लाइन विभाग के अधिकारी अभियंता के साथ समीक्षा बैठक किया। पानी की समस्या फोकस में रहा। पीएचईडी के अभियंता को स्पष्ट कहा कि बिना बहाना किये नलजल कनेक्शन में लगे मोटर को जब्त करें। दिक्कत है तो पुलिस का सहयोग लें। मोटर लगानेवालों के विरुद्ध केस दर्ज करें। जहां मरम्मती करना है वेंडर से समन्वय स्थापित कर करें। जहां बिल्कुल नही पानी पहुंचता वहां टैंकर से पानी पहुंचाए। सभी घरों तक पानी मिलना हर हाल में सुनिश्चित करें। वोटर कार्ड में नाम

जोड़ने, नाम विलोपन करने,नाम संशोधन करने की गति को तेज करने, आयुष्मान

कार्ड बनाने के शत प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करें। आवास योजना में नाम जोड़ने एवं छूटे लोगो को चिन्हित करने का निर्देश दिया। रफीउज्जमा ने आवास आवंटन में पैसा वसूली का मुद्दा उठाया। जदयू के प्रखंड अध्यक्ष जयकृष्ण सिंह ने सीधा आक्रोश व्यक्त किया कि अभियंता अधिकारी क्षेत्र नही जाते, जनता का कार्य नही हो रहा, सभी कुछ देने के बाद भी इन्ही लोगो के कारण सरकार की बदनामी होती है। बकरीद के मद्दे नजर नगर पंचायत को साफ सफाई,ब्लीचिंग पावडर छिड़काव कराने तथा पानी उपलब्ध का आदेश दिया। प्रशासन सजग रहेगा। श्रावणी मेला के तैयारियों के बाबत भी सुझाव दिए गए। सभी विभागीय कर्मियों को वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करते हुए शेष कार्यों को करने हेतु डीपीआर तैयार कर लें। पिछले वर्ष क्या क्या समस्या आयी थी पर फीड बैक लिया गया एवं उन कमियों को इस बार दूर करने की बात कही। पानी, बिजली, स्वास्थ, आवासन, शौचालय, अतिक्रमण के विन्दुओ को फोकस रखा गया।

डीसीएलआर दिलीप कुमार ,मुख्य पार्षद नीलम देवी, सीओ संतोष कुमार, अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ बिंदु कुमारी, अग्निशमन पदाधिकारी, दरोगा अनिल कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह, हरेकृष्ण वर्मा,अफजल होदा, चंद्रशेखर चौधरी, जयकृष्ण सिंह, जोगी मंडल सहित अन्य अधिकारी अभियंता और सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर।

आगामी विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शनिवार को तारापुर के अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी सहायक निर्वाचन पदाधिकारी, सुपरवाइजर एवं बीएलओ उपस्थित रहे।बैठक में एसडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मतदाता सूची का अद्यतन कार्य गंभीरता से किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी योग्य मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज हो, वहीं जिनकी मृत्यु हो चुकी है उनके नामों का विलोपन भी सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से ब्याह कर आई महिलाओं का नाम उनके ससुराल में जोड़ा जाना अनिवार्य बताया गया, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रह जाए। एसडीओ ने बीएलओ को निर्देशित किया कि वे सभी मतदान केंद्रों पर जाकर यह सुनिश्चित करें कि वहां बिजली, पानी, शौचालय और भवन जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों। यदि किसी प्रकार की कमी पाई जाती है, तो उसकी जानकारी एक सप्ताह के भीतर संबंधित विभाग को प्रतिवेदन के माध्यम से दी जाए। सभी खामियों को समय रहते शत-प्रतिशत दुरुस्त करने का आश्वासन भी दिया गया। बैठक में सुपरवाइजरों के साथ पहली बार मतदान प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि उनकी भूमिका चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत से लेकर मतगणना की समाप्ति तक महत्वपूर्ण रहेगी।

इस अवसर पर विभिन्न प्रखंडों के आपूर्ति पदाधिकारी, उद्यान पदाधिकारी, सांख्यिकी पदाधिकारी, बीपीआरओ, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, कृषि पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सीडीपीओ, जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक, मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारी, कृषि समन्वयक एवं बीपीएम जीविका भी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उतर कोयल जलाशय परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति की संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त की अध्यक्षता में उत्तर कोयल जलाशय परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में परियोजना से जुड़े सभी कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, भू-अर्जन पदाधिकारी एवं संबंधित अंचल अधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने परियोजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों की अद्यतन स्थिति की विस्तार से समीक्षा की तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि परियोजना से संबंधित सभी कार्यपालक अभियंता दो दिनों के भीतर पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आर०एन०आर०) से संबंधित प्रतिवेदन समर्पित करें ताकि अगली कार्यवाही यथाशीघ्र प्रारंभ की जा सके। साथ ही, अंचल अधिकारी देव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि गैरमजरूआ भूमि का हस्तांतरण एवं रैयती भूमि का शत्तलीज हेतु निःशुल्क निबंधन के लिए आवश्यक विस्तृत प्रतिवेदन अविलंब उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी महोदय ने अंचल अधिकारी नवीनगर को निर्देशित किया कि वे परियोजना से संबंधित शेष सरकारी भूमि के हस्तांतरण का प्रस्ताव 26 मई 2025 तक समर्पित करें। अंचल अधिकारी कुटुम्बा को भी निर्देश दिया गया कि वे गैरमजरूआ मालिक भूमि से संबंधित अभिलेखों में भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, औरंगाबाद द्वारा दशार्यी गई त्रुटियों का त्वरित निराकरण कर संशोधित अभिलेख 24 घंटे के भीतर उपलब्ध कराएं। इस बैठक के अंत में जिलाधिकारी महोदय ने यह स्पष्ट किया कि परियोजना की प्राथमिकता को दृष्टिगत रखते हुए इससे संबंधित अधिसूचना का प्रकाशन अविलंब सुनिश्चित किया जाए, ताकि कार्यों में किसी प्रकार की अनावश्यक बाधा उत्पन्न न हो और परियोजना के लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

ढिबरा चुनने के दौरान चाल धंसने से महिला की मौत

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा जिला मुख्यालय स्थित सिविल कोर्ट के पीछे जंगल में ढिबरा चुनने के दौरान चाल धंसने से एक महिला की मौत हो गई। घटना शनिवार को हुई जब शिव मुहल्ला निवासी 45 वर्षीय कंचन देवी (पति पप्पू पासवान) अन्य महिलाओं के साथ ढिबरा चुन रही थीं। चाल धंसने पर वह मलबे

संक्षिप्त समाचार

तीन दिवसीय समर कैंप का हुआ समापन

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - वात्सल्य किड्स स्कूल जय प्रकाश नगर,रातू रोड रांची मे तीन दिवसीय(21 मई 2025 से 23 मई,2025 तक)समर कैंप का आयोजन किया गया।तीन दिवसीय इस समर कैंप मे विशिष्ठ अतिथि के तौर पर डीएवी शिक्षा दीप स्कूल के निदेशक शिवनंदन पाठक,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,छात्र क्लब चिकित्सक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,वरीय संरक्षक भारत विभूषण डॉ.राजेंद्र कुमार हाजरा की उपस्थिति रही। समर कैंप में अंश कुमार,देव कुमार,पार्थ सहल,गर्व सहल, विराज शर्मा सहित 16 अन्य विद्यार्थी ने झूला,टब बाथ स्विमिंग,नृत्यगान,पेंटिंग, साइ-किलिंग,योग आदि आदि का भरपूर आनंद लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार ने किया। मौके पर शिवनंदन पाठक ने कहा ऐसे कार्यक्रम से बच्चों में मानसिक एवं शा-रीरिक विकास होता है।डॉक्टर राजेंद्र कुमार हाजरा ने बच्चों को खान पान, रहन सहन एवं स्वास्थ्य संबंधित टिप्स दिए वहीं शिव किशोर शर्मा ने कहा ऐसे कार्यक्रम से बच्चों मे उत्साह एवं मनोबल बढ़ता है।इस कैंप को सफल बनाने मे मुख्यरूप से प्रवक्ता कुणाल कौशल सहित शिखा दुबे,नेहा शर्मा,सीमा मिश्रा,दिव्या साहू,शीतल शर्मा,रविता कुमारी,काउंसलर गिन्नी टेहरी एवं अन्य विद्यालय कर्मचारियों का शत-प्रतिशत योगदान दिया। विशिष्ठ अतिथियों द्वारा बच्चों के बीच प्रमाण पत्र वितरित कर कार्यक्रम की समापन हुई। विद्यालय की उप-प्रधानाचार्य सुनीता मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रेमीका के हत्या के जुर्म में प्रेमी अपने मां सहित दोषी करार हुआ

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में जिला जज सात न्यायधीश निशित दयाल के कोर्ट में एक बहुत बड़ी घटना के अपराध में दो अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया है, एपीपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि गोह थाना कांड संख्या-178/22 में काराधिन अभियुक्त कोशल कुमार और चंद्रमणि देवी दोहलपुर गोह को भादंवि धारा 302,201 में दोषी करार दिया गया है और सजा के बिन्दु पर सुनवाई के तिथि 30/05/25 निर्धारित किया गया है, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक विन्देश्वरी पासवान पहाड़ीपुर गोह ने प्राथमिकी 21/06/22 को दर्ज कराई थी, अभियुक्त कोशल कुमार शादीशुदा नहीं था उसका दो बच्चे की मां एक विधवा औरत से नाजायज संबंध था जिसके कारण विधवा औरत गर्भवती होने पर कोशल कुमार पर शादी की दबाव बना रही थी जो कोशल और उस-की मां चंद्रमणि देवी को पसंद नहीं था इसलिए दोनों नाबालिग बच्चों के अनुपस्थित में धारदार हथियार से विधवा स्त्री का सर को धड़ से अलग कर अलग-अलग स्थान छुपा दिया इस बात की खुलासा बच्चों ने चोकीदार के सामने किया था तब से दोनों गिरफ्तार कर जेल में भेज दिया गया हैं इन्हीं दोनों अभियुक्तों के निशानदेही पर मृतका का सर, छड़ और प्रयुक्त हथियार बरामद किया गया था ,इस घटना से मृतका के दोनों नाबालिग बच्चों के परवरिश प्रभावित हुए थे।

पिपरा के अष्टभुजी माता मंदिर के प्रांगण में महाआरती कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बारुण प्रखंड मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर सोन नहर के समीप अवस्थित मशहूर ग्राम पिपरा में अवस्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल एवं शक्तिपीठ अष्टभुजी धाम के प्रांगण में बैसाख कृष्ण पक्ष चतुर्दशी के मौके पर महा आरती का आयोजन किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अष्टभुजी महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह, सचिव राजा दिलीप सिंह, उपाध्यक्ष अजय कुमार, कोषाध्यक्ष रामेश्वर भगत संरक्षक मंडल सदस्य अजीत मिश्रा ने बताया कि पिछले दिनों 12 मई को आयोजित अष्टभुजी महोत्सव के सफल क्रियान्वयन में सभी ग्रामवासियों ने अपेक्षित सहयोग दिया इसी क्रम में किसी श्रद्धालु भक्त ने अष्टभुजी महोत्सव के सफलता पर हर्षित होकर महा आरती कराने का निर्णय लिया।इस परिप्रेक्ष्य में 25 मई को संध्या में महा आरती का आयोजन किया गया है जिसमें सभी ग्रामवासी उपस्थित रहेंगे एवं वेद मंत्रोंच्चार के साथ महा आरती के आयोजन को मूर्त प्रदान किया जाएगा। मौके पर जदयू के वरीय नेता एवं नबीनगर विधानसभा में गजना महोत्सव,पुनपुन महोत्सव टंडवा,सोननद महोत्सव,सूर्य राघव महोत्सव,सूर्य मंदिर धुंधुआ महोत्सव सहित अन्य महोत्सवों को राजकीय दर्जा दिलाने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले आदरणीय संजीव कुमार सिंह जी की गरिमामई उपस्थिति होगी। विदित हो कि पिपरा का अष्टभुजी मंदिर विंध्यवासिनी माता की प्रतिकृति है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में विकसित कृषि संकल्प अभियान की तैयारियां अंतिम चरण में

शिवराज सिंह ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम के जरिए देशभर के कृषि वैज्ञानिकों से किया संवाद

आजादी के बाद पहली बार सीधे किसानों तक पहुंचने की सरकार की बड़ी कवायद

मेरी हर सांस में खेती और रोम-रोम में किसान बसे हैं झ्र शि-ावराज सिंह

देशव्यापी ह्यविकसित कृषि संकल्प अभियानह्व परिणाम उन्मूलक कार्यक्रम है-शिवराज सिंह

कृषि अनुसंधान के लिए मोदी सरकार में फंड की कमी नहीं आएगीझ्र शिवराज सिंह

हमारे कृषि संस्थानों में वो ताकत है, जिसका लोहा पूरी दुनिया मानेगी झ्रशिवराज सिंह चौहान

29 मई से 12 जून तक देशव्यापी अभियान के जरिए लगभग 1.5 करोड़ किसानों से सीधा संवाद होगा

नई दिल्ली, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में ह्यविकसित कृषि संकल्प अभियानह्व की तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में है। 29 मई को श्री जगन्नाथ की पावन धरती पुरी, ओडिशा से इस व्यापक अभियान का शुभारंभ होगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का पूरा अमला राज्यों के सहयोग से इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। आज इसी कड़ी में श्री शि-ावराज सिंह चौहान ने पूसा कैंपस स्थित सुब्रहमण्यम हॉल में देशभर के कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया। इस अवसर पर कृषि सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी 113 संस्थानों, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के साथ ही देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों व केंद्र-राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों-प्राध्यापकों ने बड़ी संख्या में सभागार में उपस्थित रहकर और वर्चुअल जुड़कर इस संवाद कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यहां केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं सत्ता के सुख के लिए कृषि मंत्री नहीं बना हूं, बल्कि किसानों की सेवा के लिए, उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन की लागत घटाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, देश में अन्न के भंडार भरने और भावी पीढ़ी के कृषि संबंधित हितों की रक्षा के लिए ही मेरा जीवन समर्पित है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि उर्वरक का संतुलित प्रयोग, स्थानीय परिस्थिति, सही शोध जानकारी होने और अच्छे बीजों से किसान को उत्पादकता बढ़ाने में निश्चित तौर पर मदद मिल सकती है। श्री चौहान ने कृषि वैज्ञानिकों, विभाग का अमला और किसान को जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि इस अभियान के जरिए इसे पूरा करते हुए किसानों से जुड़ने की एक बड़ी कोशिश होने जा रही है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि खेती हृदय और लगाव का विषय है। खेती को जिया जाता है। मेरी हर सांस में खेती और रोम-रोम में किसान बसे हैं। फसल के अच्छे व खराब होने पर भावनाएं जुड़ जाती हैं। श्री चौहान ने कहा कि सरकार की पूरी कोशिश कृषि अनुसंधान को आगे बढ़ाने की है। शोध और अनुसंधान के लिए हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में फंड की कमी नहीं होने देगी श्री शिवराज ने यह भी कहा कि यह अभियान परिणाम उन्मूलक कार्यक्रम है, जिसका परिणाम इसी खरीफ सीजन में उत्पादन वृद्धि और उत्पादन लागत में कमी के रूप में जल्द ही हमारे सामने होगा। श्री चौहान ने देश के वैज्ञानिकों से अपनी शोध क्षमता को वैश्विक स्तर पर सिद्ध करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे कृषि संस्थानों में वो ताकत है, जिसका लोहा पूरी दुनिया मानेगी। श्री शि-ावराज सिंह चौहान ने वैज्ञानिकों के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि इस अभियान के पूरा होने के बाद देश, वैज्ञानिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेगा।यह अभियान 29 मई से 12 जून तक देशव्यापी स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वैज्ञानिकों की टीमें गांव-गांव जाकर किसानों से सीधा संवाद करेगी। इस अभियान में 731

कृषि विज्ञान केंद्रों (KVK) और ICAR के 113 संस्थानों के वैज्ञानिक-विशेषज्ञ तथा राज्यों और अन्य कृषि विभाग का अमला भी शामिल रहेंगे। यह अभियान 700 से ज्यादा जिलों में आयोजित किया जाएगा। साथ ही इसमें कृषि, बागवानी, पशुपालन, मछली पालन आदि विभागों के अधिकारी, वैज्ञानिक एवं नवोन्मेषी किसान भी शामिल रहेंगे। अभियान का लक्ष्य 1.5 करोड़ किसानों से सीधा संवाद करना है।

जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

अवैध खनन परिवहन व भंडारण के रोकथाम हेतु निरंतर छापेमारी, जांच अभियान चलाने का निर्देश

दिव्य दिनकर:जिला ब्यूरो,कुन्दन पासवान

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने खनिजों के अवैध खनन परिवहन व भंडारण के रोकथाम को लेकर जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक की। बैठक में सर्वप्रथम 29 अप्रैल 2025 में हुए जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक में अवैध खनन परिवहन व भंडारण के रोकथाम हेतु दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की गई एवं आवश्यक कई दिशा निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान महाप्रबंधक, आम्रपाली द्वारा बताया गया कि विगत बैठक में दिये गए निदेश के अनुपालन में सीसीएल आम्रपाली प्रबंधन द्वारा फॉग कैनन -2 का उद्घाधन कर परिचालन प्रा-रंभ कर दिया गया है। आम्रपाली में रोड स्वीपिंग मशीन अभी आना बाकी है, जिसका परचेज ऑर्डर सीसीएल मुख्यालय से निर्गत किया जा चुका है। यथाशीघ्र उपलब्ध करने हेतु मुख्यालय से आग्रह किया गया है। इस पर उप विकास आयुक्त, चतरा द्वारा निदेशित किया गया प्रबंधन द्वारा संचालित फॉग कैनन में जीपीएस मशीन का अधिष्ठापन करायेंगे तथा रोड स्वीपिंग मशीनों को शीघ्र ऑपरेशनल करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कोयला लदे वाहनों से टंडवा सिमरिया रोड में हो रहे सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए। सीसीएल प्रबंधन को निदेशित किया गया कि कोयला परिवहन कर रहे ट्रांसपाटर्स को सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती के साथ अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दें। सभी अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी, जिला चतरा को निर्देशित किया गया कि अपने क्षेत्रान्तर्गत खनिज लदे वाहनों की जाँच में ई-परिवहन चालान की वैधता,ई-चालान पुनर-ावृत्ति, ओवर लोडिंगआदि बिन्दुओं की सघनता से जांच करेंगे। अनिबंधित वाहनों अथवा 18 वर्ष के कम आयु के चालकों के द्वारा खनिज लदे वाहनों के परिचालन करते पाये जाने पर वाहन को जप्त कर स्थानीय थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी, चतरा को सूचित करेंगे। आंचलवार समीक्षा में अवैध खनन,परिवहन के विरूद्ध धीमी कार्रवाई पर उप विकास आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी सदस्यों को विशेषकर सभी अँचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को अपने क्षेत्रान्तर्गत अभियान में तेजी लाते हुए अवैध बालू,पत्थर,कोयला खनिज के मामले में अवैधकर्त्ता के विरूद्ध प्राथमिकी,नियमानुसार दण्ड राशि की वसूली की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। खनन पदाधिका-री मनोज टोप्पो ने अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध माह- अप्रैल तक का तुलनात्मक कार्रवाई प्रतिवेदन की जानकारी देते हुए कहा वित्तीय वर्ष 2024- 25 में अप्रैल माह में खनिज लोड पकड़े गए 18 वाहनों को जप्त करते हुए 11 प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अवैध परिवहन में 30 वाहनों को जप्त करते हुए जुमार्ना राशि की वसूली 651830 रुपया की गई थी। वहीं 2025 - 26 अप्रैल माह में खनिज लोड 15 वाहनों को जप्त करते हुए 09 प्राथमिकी दर्ज की गई है। अवैध परिवहन में कुल जप्त 14 वाहनों से 306212 रुपया की जुमार्ना राशि वसूल की गई है। उक्त बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीणा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टंडवा, जिला परिवहन पदाधिकारी इन्द्र कुमार, टंडवा कोल परियोजनाओं के अधिकारी, सभी संबंधित अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी कर्मी उपस्थित थे।

बाघवार एकेडमी में समर कैंप का सफल आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय प्रयास

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - आज शनिवार को रांची जिला के चान्हो प्रखंड स्थित बाघवार एकेडमी में नौ दिवसीय समर कैंप का सफल समापन हुआ। इस कैंप का उद्घाटन दिनांक 16 मई 2025 को विद्यालय के निदेशक अशोक बाघवार एवं प्रधानाचार्य अरुण बाघवार के करकमलों के द्वारा किया गया था। समर कैंप के दौरान प्रतिभागी बच्चों क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों की बारीकियों की जानकारी दी गई। इन गतिविधियों का संचालन विद्यालय के अनुभवी कोच अजय कुमार सिंह एवं शालिनी टोप्पो द्वारा किया गया। पूरे नौ दिनों तक चले इस कैंप में बच्चों ने उत्साह और उल्लास के साथ भागीदारी की। उन्होंने न केवल खेलों का भरपूर आनंद लिया, बल्कि उनके तकनीकी और नैतिक पक्षों को भी गहराई से समझा। इस समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना था, जिससे वे खेल, कला, विज्ञान एवं सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक बन सकें। गौरतलब है कि बाघवार एकेडमी प्रत्येक वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान इस प्रकार के समर कैंप का आयोजन करती है, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है।

परसा में भूलन जी के नेतृत्व में निकाला गया

भाजपा नेता राकेश सिंह के साथ भाजपा के हजारों कार्यकताओं ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया

सोनपुर , । तिरंगा यात्रा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष भूलन के नेतृत्व मे परसा मे निकाला गया भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस एवं बलिदान के सम्मान में भाजपा बिहार प्रदेश के निर्देश पर भाजपा सारण के द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया जो सांसद कार्यालय परसा से शुरू होकर दरोगा राय चौक परसा में समापन हुआ इस तिरंगा यात्रा में सभी कार्यकर्त्ता शामिल हुए इस अवसर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह मंडल अध्यक्ष अजय नाथ पूरी सभापति राय सहयोजक मोनू सिंह अमित सिंह अखंड ज्योति संतोष शर्मा रामबाबू राय लखिन्द्र मांझी नन्हे सहनी पप्पू गुप्ता विकास सूरज सिंह दीपू कुशवाहा बालेसर शर्मा सहित सैकड़ो एनडीए कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा की देश है तो हम है सेना है तो देश है सुरक्षित है यह तिरंगा यात्रा न सिर्फ राष्ट के प्रति समान का प्रतीक है यह वीर जवानो को समर्पित है जिन्होंने आतकवाद के खिलाफ निर्णायक करवाई कर देश को गौर-वान्वित किया।

मेरी कॉलेज के पत्रकारिता छात्रों को 100% प्लेसमेंट, जी मीडिया में 10 छात्रों का चयन

नई दिल्ली, ।मैनेजमेंट एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (मेरी) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने इस वर्ष बीए (जेएमसी) के अंतिम सेमेस्टर के उन सभी छात्रों को, जिन्होंने कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प चुना था, सौ फीसदी प्लेसमेंट दिलाकर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इसमें सबसे खास बात यह रही कि जी मीडिया ने कॉलेज से एक साथ 10 छात्रों का चयन किया है, जिन्हें समाचार लेखन, वीडियो संपादन और खेल रिपोर्टिंग जैसे कार्यों की जिम्मेदारी दी जाएगी।मेरी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के एचआर प्रमुख डॉ. (प्रो.) तपस डे ने बताया कि मेरी में प्लेसमेंट प्रक्रिया अन्य संस्थानों से अलग है। यह केवल एक औपचारिक लेन-देन नहीं, बल्कि एक रणनीतिक और दीर्घकालिक साझेदारी है। यहां कंपनियों के साथ संबंध केवल एक अवसर तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे वर्ष चलने वाली भागीदारी का हिस्सा होते हैं। मीडिया संस्थान कॉलेज के साथ किए गए समझौतों (एमओयूएस) के तहत न केवल प्लेसमेंट और पेड इंटर्नशिप में सहयोग करते हैं, बल्कि प्रोजेक्ट्स, अतिथि व्याख्यान, मॉक इंटरव्यू, कौशल विकास कार्यशालाओं, पाठ्यक्रम पुनरीक्षण और विभिन्न शैक्षणिक आयोजनों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। छात्रों को पेशेवर दुनिया के लिए तैयार करने के लिए मेरी में समूह चर्चा, एप्ट-ीट्यूड टेस्ट, संवाद कौशल, प्रेजेंटेशन तकनीक और ऑफिस शिष्टाचार पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रत्येक छात्र को इंटरव्यू से पहले संबंधित जॉब प्रोफाइल की गहन जानकारी और उसके अनुसार तैयारी कराई जाती है। मेरी कॉलेज में व्यावहारिक प्रशिक्षण को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा माना जाता है। यहां का टीवी स्टूडियो एक पूर्ण प्रोडक्शन हाउस की तरह संचालित होता है, जहां छात्र नियमित रूप से न्यूज बुलेटिन और रेडियो कार्यक्रम तैयार करते हैं, जो इंटरनेट रेडियो ह्यमेरी वाणीह्व पर प्रसारित होते हैं। छात्र कैंपस रिपोर्टर के रूप में कॉलेज के कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग करते हैं, और उनकी खबरें राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित होती हैं। इस गहन और व्यावहारिक प्रशिक्षण के चलते मेरी के छात्र मीडिया जगत में आत्मविश्वास के साथ प्रवेश कर रहे हैं और वहां अपनी जगह बना पा रहे हैं।

गोल्डन डोम से और असुरक्षित होगी दुनिया !

>> विचार

“ ट्रंप का कहना है कि गोल्डन डोम को इन चारों ही बिंदुओं पर आईसीबीएम को निशाना बना सकने के लिहाज से तैयार किया जाएगा। इससे भी अनोखी बात उन्होंने यह कही कि इसे 2029 तक, यानी मोटे तौर पर उनके इसी कार्यकाल के अंत तक बनाकर तैनात भी कर दिया जाएगा। हवा-हवाई बातें करना उनके स्वभाव में है लिहाजा लोग अब चौंकते भी नहीं हैं, लेकिन इसपर कुल खर्चा उन्होंने 175 अरब डॉलर का बताया है, यह ज़रूर चौंकने वाली बात है। इतनी बड़ी सुरक्षा व्यवस्था के लिए यह रकम बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन 2029 तक गोल्डन डोम को तैनात करने के वादे पर चलने के लिए अगले तीन साल 50-50 अरब डॉलर की व्यवस्था तो करनी ही होगी।

चंद्र भूषण

अपने देश को किसी भी तरह के बाहरी हमले से सुरक्षित रखने का उपाय शुरू करने की बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना यह कार्यकाल शुरू करने के साथ ही कह चुके थे। अभी उन्होंने न केवल इस गोल्डन डोम परियोजना के लिए 25 अरब डॉलर खर्च करने का प्रावधान कर दिया है, बल्कि अमेरिकी फौज की स्पेस कमान संभालने वाले जनरल को इसका प्रभारी भी नियुक्त कर दिया है। इसराइल की आयरन डोम सुरक्षा प्रणाली का कमाल और कुछ हद तक उसकी नाकामी भी अभी डेढ़ साल पहले दुनिया ने देखी है। नाम की समानता के आधार पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि गोल्डन डोम भी शायद वैसा ही कुछ हो, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा। इस सुरक्षा प्रणाली में शामिल तकनीकी उपायों को लेकर अमेरिका में पूरी गोपनीयता बरती जा रही है। सिर्फ़ इतना जाहिर हो पाया है कि ट्रंप के सामने इसका कोई मॉडल पेश किया गया है, जिसपर आश्वस्त होने के बाद ही उन्होंने इसके लिए शुरुआती बजट जारी किया है। रही बात आयरन डोम (लौह गुंबद) की तो यह राडारों और मिसाइलों की एक सघन व्यवस्था है, जिसे छोटी मिसाइलों और ड्रोन हमलों से बचाव के लिए खड़ा किया गया है। 7 अक्टूबर 2023 को इसराइल पर हमास का हमला शुरू हुआ तो बहुत कम समय में इतनी सारी मिसाइलें और ड्रोन आसमान में आ गए कि अपनी भयंकर ताकत के बावजूद आयरन डोम पर ओवरलोड हो गया और अपने देश का बचाव वह उम्मीद के मुताबिक नहीं कर सका। हालांकि बाद में चौतरफा हमलों के सामने वह बहुत कारगर साबित हुआ। लेकिन आकार की दृष्टि से इसराइल और अमेरिका की कोई तुलना ही नहीं है। अमेरिका न केवल क्षेत्रफल में इसराइल का 400 गुना है, बल्कि जिन क्षेत्रों का बचाव उसको करना पड़ेगा, वे महज उसकी मुख्यभूमि तक सीमित नहीं हैं। उसका उत्तरी प्रांत अलास्का अमेरिकी मुख्यभूमि से काफी दूर, कनाडा के उत्तर में है, जबकि एक और प्रांत हवाई तो इतना दूर है कि वहां पहुंचने के लिए अमेरिकियों को आधा प्रशांत महासागर पार करना पड़ता है। दूसरा मामला उन ख़तरों का है, जिनसे दोनों को अपना बचाव करना है। जाहिर है, इनकी भी आपस में कोई तुलना नहीं है। अमेरिका के सामने एक ख़तरा 9/11 जैसी घटनाओं का है, जिनसे सुरक्षा का कोई थोक उपाय संभव ही नहीं है। इससे आगे की चुनौती न्यूक्लियर आईसीबीएम की है और वही गोल्डन डोम के लिए अकेला इम्तहान है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस फ्यूचरिस्टिक सुरक्षा उपाय के लिए पहला बजट और इसके प्रभारी का नाम घोषित करते हुए 1980 में अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभालने वाले रॉनल्ड रीगन को याद किया, जिन्होंने सबसे पहले इस

तरह की एक संभावित योजना ‘स्टार वॉर’ जैसे फिल्मी नाम के साथ घोषित की थी। इसके लिए जरूरी तकनीक तब दुनिया में किसी देश के पास नहीं थी लेकिन एक रणनीति के रूप में यह घोषणा उनके लिए कारगर साबित हुई। सोवियत संघ और अमेरिका के बीच जारी कोल्ड वॉर उस समय अपने चरम पर पहुंचा हुआ था और अमेरिका के मुक़ाबले में अपनी भी तैयारियाँ शुरू कर देना सोवियत नेतृत्व के लिए लाजमी हो गया। उस समय वह नागरिक जरूरतों पर ध्यान देता तो शायद गाड़ी पटरी पर बनी रहती लेकिन एक तरफ़ अफ़ग़ानिस्तान में उसकी फौजों के उलझाव और दूसरी तरफ़ इस नई चुनौती ने सोवियत अर्थव्यवस्था पर इतना दबाव डाला कि फिर वह फिसलती ही चली गई। ध्यान रहे, अमेरिकी सुरक्षा के सामने तब भी चुनौती आईसीबीएम्स (अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों) की ही थी और थोड़े-बहुत तकनीकी उन्नयन के बावजूद आज भी यह उन्हीं की है। फर्क सिर्फ इतना आया है कि सोवियत यूनियन के बिखराव के बाद इन हथियारों का संकेंद्रण रूस में हो गया है और इसमें चीन और उत्तर कोरिया के रूप में दो और सैन्य भंडारों का इजाफा हो गया है। रूस ने कुछ समय पहले यूक्रेन पर एक एक्सपेरिमेंटल मिसाइल दागी थी, जिसकी रफ्तार ध्वनि की दस गुनी यानी उल्कापात के समतुल्य बताई गई थी। यह भी कहा गया था कि इस हाइपरसोनिक मिसाइल को दुनिया की किसी भी तकनीक से नाकाम नहीं किया जा सकता। बड़ी दूरी के लिए ऐसी किसी मिसाइल का सफल परीक्षण रूस ने अबतक नहीं किया है। यानी ‘नई पीढ़ी की आईसीबीएम’ जैसे किसी बड़े तकनीकी बदलाव से बेचैन होकर अमेरिका गोल्डन डोम की तरफ़ नहीं बढ़ रहा। यह उसकी अग्रिम पहल है। लड़ाई के दौरान एक मिसाइल को चार बिंदुओं पर नाकाम किया जा सकता है। सबसे पहले तो उसके गोदाम को ही निशाना बनाया जाए, जो किसी कमजोर दुश्मन के साथ ही किया जा सकता है। दूसरा बिंदु उसके रफ्तार पकड़ने से पहले, यानी यात्रा के शुरुआती चरण में ही उसे मार गिराने का है। यह तभी संभव है जब इसके बारे में पक्की सूचना उपलब्ध हो और मिसाइल छोड़े जाने की जगह तक बमवर्षक पहुंच सकें। चलायमान प्लेटफॉर्म्स ने इस काम को बहुत मुश्किल बना दिया है। तीसरा बिंदु मिसाइल के सर्वोच्च बिंदु पर उसे मारने का है, जहां नीचे आने से पहले उसकी रफ्तार कम होती है। इसके लिए लेजर हथियारों के प्रयोग के बारे में बहुत पहले से सोचा जा रहा है लेकिन इसे अबतक आजमाया नहीं जा सका है। चौथा और लगभग असंभव काम टारगेट पर गिरते वक्त उसको मार गिराने का है। इस समय आईसीबीएम की गति उल्का जैसी होती है और उसके निशाने पर क्या है, यह भी पता नहीं होता। ट्रंप का कहना है कि गोल्डन डोम को इन चारों ही बिंदुओं पर आईसीबीएम को निशाना बना सकने के लिहाज से तैयार किया जाएगा। इससे भी अनोखी बात उन्होंने यह कही कि इसे 2029 तक, यानी मोटे तौर पर उनके इसी कार्यकाल के अंत तक बनाकर तैनात भी कर दिया जाएगा। हवा-हवाई बातें करना उनके स्वभाव में है लिहाजा लोग अब चौंकते भी नहीं हैं, लेकिन इसपर कुल खर्चा उन्होंने 175 अरब डॉलर का बताया है, यह ज़रूर चौंकने वाली बात है। इतनी बड़ी सुरक्षा व्यवस्था के लिए यह रकम बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन 2029 तक गोल्डन डोम को तैनात करने के वादे पर चलने के लिए अगले तीन साल 50-50 अरब डॉलर की व्यवस्था तो करनी ही होगी। अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी जितने दबाव में चल रही है, उसे देखते हुए इतना अतिरिक्त खर्चा जुटाने में सारे करम हो जाएंगे। किन तकनीकों के इस्तेमाल से गोल्डन डोम का निर्माण किया जाएगा, उनकी कोई भनक जब तक नहीं मिलती, तबतक उनके बारे में बात करना बेकार है। लेकिन फिलहाल इसके दो पहलुओं पर बात करना जरूरी है। एक पहलू अंतरराष्ट्रीय संबंधों का और दूसरा बाकी दुनिया की सुरक्षा का। ट्रंप ने गोल्डन डोम की सुरक्षा व्यवस्था में कनाडा को भी शामिल करने की इच्छा जताई और कनाडा के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने व्यापारिक मामलों में अमेरिका के हाथों हो रही अपनी दुर्गति के बावजूद तुरंत इसमें अपनी दिलचस्पी जता दी। लेकिन अभी नाटो की सुरक्षा व्यवस्था के तहत अमेरिका ने यूरोप में इतने सारे राडार और मिसाइलें तैनात कर रखी हैं, जो गोल्डन ग्लोब के इंतजाम के साथ ही गैरजरूरी हो जाएंगी। यूरोप के वाचाल नेताओं का ऐसे में चुप्पी साधे रखना लाजमी है। अगला मामला दुनिया की सुरक्षा का है। कोई कह सकता है कि अमेरिका खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करे, इससे दुनिया के किसी जिम्मेदार देश को परेशानी क्यों होनी चाहिए। लेकिन सुरक्षा तकनीकी की समझ बताती है कि आईसीबीएम से सुरक्षा की कोई भी फूलप्रूफ व्यवस्था अंतरिक्ष में कमांड सेंटर बनाए बिना और सैटेलाइटों पर मिसाइलें तैनात किए बिना बनाई ही नहीं जा सकती। सपाट शब्दों का इस्तेमाल करें तो यह अंतरिक्ष के सैन्यीकरण की दिशा में पहला क़दम होने जा रहा है। एक अंतरराष्ट्रीय सहमति के तहत इसपर अभी तक रोक लगी हुई थी लेकिन वह रोक बिना किसी पूर्वघोषणा के धीरे-धीरे खत्म होने की तरफ बढ़ रही है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से सैन्य मामलों में कोई भी बढ़त दो साल और अधिकतम पांच साल ही टिक पा रही है, फिर चाहे वह एटम बम हो या हाइड्रोजन बम या आईसीबीएम। ट्रंप की गोल्डन डोम वाली घोषणा के साथ ही रूस और चीन भी अलग-अलग या साथ मिलकर इसी दिशा में कदम बढ़ाएंगे और सर्वनाशी युद्ध का खतरा जमीन से सीधे आसमान में चला जाएगा।

संपादकीय

छत्तीसगढ़ में माओवाद विरोधी अभियान

प्रतिबंधित भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) को एक बड़ा झटका लगा है। बुधवार को छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के अभियान में उसके महासचिव मारे गये। साल 2010 में एक सुरक्षा अभियान में भाकपा (माओवादी) के तत्कालीन प्रवक्ता चेरुकुरी राजकुमार की मौत के बाद, नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू का खात्मा माओवादियों के लिए शायद सबसे बड़ा झटका है। साल 2018 में महासचिव बनने से पहले पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग के मुखिया रहे बसवराजू अर्धसैनिक व पुलिस बलों के खिलाफ कई हमलों के सूत्रधार (मास्टरमाइंड) थे। भाकपा (माओवादी) के भीतर उनके उत्थान ने यह दिखाया कि विद्रोहियों का जोर अपनी सैन्यवादी रणनीति पर है और वे अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए राजनीतिक संघर्ष व आंदोलनों के विकल्प के बजाय "दीर्घकालिक जन युद्ध" जारी रखना चाहते हैं। बसवराजू की मौत झ्र पिछले कुछ सालों में कई माओवादी कर्मी मारे गये हैं झ्र इस रणनीति की नाकामी दिखाती है। गृह मंत्री अमित शाह ऑन रिकॉर्ड कहते रहे हैं कि सरकार साल 2026 तक माओवादी खतरे पर विजय पाना चाहती है और बसवराजू का मारा जाना एक बड़ी जीत मानी जायेगी। यह तथ्य कि माओवादियों ने, अपना सशस्त्र संघर्ष जारी रखते हुए भी, कथित तौर पर शांति वार्ता की कोशिश की थी, यह सवाल खड़ा करता है कि क्या माओवादी नेताओं व कार्यकर्ताओं का खात्मा करने के बजाय उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता था। यहां हाल के दिनों में माओवादी कैडरों के आत्मसमर्पण का जिक्रभी प्रासंगिक है। लेकिन यह भी भलीभांति ज्ञात है कि वरिष्ठ माओवादी कैडर ने, जिनकी जड़ें अविभाजित आंध्र प्रदेश में पीपुल्स वार नक्सली आंदोलन में हैं, अपना सशस्त्र संघर्ष छोड़ने में बहुत कम दिलचस्पी दिखायी है और ऐसी "मुठभेड़ें" शायद अपरिहार्य हैं ।हाल के वर्षों में, और माओवादियों की खुद की स्वीकारोक्ति के मुताबिक, विद्रोहियों द्वारा भर्ती में बड़ी गिरावट आयी है और दक्षिण छत्तीसगढ़ में आदिवासी आबादी से मिलने वाला समर्थन घट रहा है। आदिवासी युवा, जिनमें से कइयों ने दशकों लंबे विद्रोह में बेहिसाब तकलीफें सही हैं, अब माओवादियों के क्रांतिकारी एजेंडे से जुड़े रहने में दिलचस्पी नहीं रखते। संगठन की भारतीय राज्य के बारे में खराब समझ और चुनावी प्रक्रिया को "महज दिखावे" के रूप में पूरी तरह खारिज करने को उन वन-बहुल क्षेत्रों में अब बहुत कम समर्थन मिल रहा है, जहां पहले भारतीय सरकार की पहुंच नहीं थी। सरकार द्वारा आदिवासी कल्याण के उपायों में बढ़ोतरी और उन तक बेहतर ढंग से पहुंचने तथा गुरिल्ला युद्ध को परास्त करने पर जोर बढ़ाने से, माओवादियों ने अपने सीमित सैन्य व समर्थन आधारों में क्षरण का सामना किया है। वरिष्ठ नेताओं की मौत के साथ, माओवादी आंदोलन बचे रहने के लिए यकीनन छटपटा रहा है, लेकिन गहन सुरक्षा अभियानों के परिणामस्वरूप बहुत-से आदिवासी युवा भी मारे जा रहे हैं। सरकार को इस स्थिति का इस्तेमाल फिर से शांति वार्ता के आह्वान के लिए करना चाहिए। उसे माओवादियों पर सशस्त्र संघर्ष छोड़ने का दबाव बनाना चाहिए, बजाय कि "सफाया" नीति जारी रखने के, क्योंकि इससे आदिवासी लोगों में नये सिरे से सिर्फ नाराजगी ही पैदा हो सकती है।

खून पर भारी सिंदूर-व्यापार !

संजय पराते

याद कीजिए हमारे प्रधानमंत्री मोदी का वह भाषण : मेरे खून में व्यापार है। कल राजस्थान में पाकिस्तान की सीमा से सटे बाड़मेर की जन सभा में उन्होंने कहा : मेरी रगों में सिंदूर बह रहा है। सभी सुधिजन इस बात को समझ रहे हैं कि वे भारत सरकार के निर्देश पर हमारी सेना द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ छेड़े गए सीमित युद्ध को दिए गए नामकरण 'ऑपरेशन सिंदूर (जैसा कि उनका दावा है, इस युद्ध को ऐसा नाम उन्होंने ही दिया था) का भाजपाई राजनीति के लिए लाभ उठाने की कोशिश कर रहे थे। सेना के शौर्य का किसी पार्टी विशेष द्वारा राजनैतिक लाभ उठाने की कोशिश करना टुच्चापन है और भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी इस टुच्चेपन के माहिर खिलाड़ी है। आखिरकार, किसी भी देश के नागरिकों की राष्ट्रवादी भावनाओं पर किसी पार्टी विशेष का कोई अधिकार नहीं हो सकता। राष्ट्रवाद को किसी पार्टी से जोड़ने का मतलब है, उस पार्टी का समर्थन न करने वाली जनता को गैर-राष्ट्रवादी या देशद्रोही ठहराना। यह बहुत खतरनाक बात है। लेकिन मोदी राज के दस सालों में हम यही देखते आ रहे हैं कि जिसने भी भाजपा या उसके नेताओं के कहे का अनुसरण नहीं किया या संघी गिरोह की हिंदुत्व की सांप्रदायिक-फासीवादी नीतियों के खिलाफ असहमति की आवाज बुलंद की, उसे देशद्रोही करार देकर जेलों में ठूंसने का काम किया गया है। ताजा उदाहरण प्रो. अली खान की गिरफ्तारी है, जिन्हें बहुत कड़ी शर्तों के साथ ही, सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत दी गई है। ये शर्तें ऐसी हैं कि जेल से बाहर आकर भी उनके संवैधानिक नागरिक अधिकार, लिखने-बोलने का अधिकार, लगभग निलंबित हो गए हैं। मोदी के दोनों भाषणों को मिलाकर देखें, तो साफ है कि हमारे देश में राष्ट्रवाद आज एक ऐसा व्यापार बन गया है, जिसके कारण अब प्रधानमंत्री की रगों में खून के बजाए सिंदूर बहने लगा है। हमारे देश के बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय के लिए सिंदूर का विशेष महात्म्य है। सिंदूर के साथ जुड़ी जन-भावना को राष्ट्रवाद से जोड़ने का जो खेल मोदी ने शुरू किया है, वह बिहार और बंगाल के चुनाव के मद्देनजर ही है। अब इन चुनावों में प्रधानमंत्री की रगों में बह रहे 'असली' सिंदूर की कुछ बूंदें मांग में भरी जाने वाली 'नकली' सिंदूर में मिलाकर इस डिबिया को बिहार और बंगाल में घर-घर बांटा जाये और राष्ट्रवाद के नाम पर वोटों की भीख मांगी जाएगी, तो भी इसमें कोई आश्चर्य

की बात नहीं होगी। इसके पहले भी वे ऐसा खेला खेल चुके हैं और अपनी असली मां को नकार कर अपने अजैविक (नॉन-बायोलॉजिकल) होने की घोषणा कर चुके हैं। सब जानते है कि सिंदूर इतना विषाक्त होता है कि उसकी थोड़ी-सी भी मात्रा जैविक शरीर में घुसकर हानि पहुंचाती है। यहां तो रगों में ही सिंदूर बह रहा है और शरीर जिंदा है, तो यह उनके नॉन-बायोलॉजिकल होने की ही पुष्टि करता है। जो जैविक लोग उनके नॉन बायोलॉजिकल होने के दावे की खिल्ली उड़ा रहे थे, अब उनके लिए हमारे प्रधानमंत्री की रगों में बहने वाली लाल तरल वस्तु टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकती है। यह अलग बात है कि अपनी डिग्रियों की तरह इसकी भी जांच करवाने से वे मना कर दें। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री पर आप सबको भरोसा करना चाहिए कि पहलगाम की आतंकी घटना का ऑपरेशन सिंदूर के जरिए बदला लेने के बाद हमारे प्रधानमंत्री के शरीर में बहने वाला सफेद खून अब लाल सिंदूर में बदल गया है! बाड़मेर में उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल की घटना का बदला 22 मिनट में ले लिया

व्यंग्य

गया। अब हमें यह भले समझ में न आए कि जब 22 मिनट में ही खेला हो गया था, तो तीन दिनों तक हमारी सेना गोला-बारूद क्यों बर्बाद कर रही थी? हमारे सैनिकों की जान गई तो गई, सीमाओं पर रहने वाले कई लोगों की भी जान चली गई, बच्चे अनाथ हो गए और कई माताओं-बहनों के माथे का सिंदूर पुछ गया। क्या हमारे प्रधानमंत्री इसकी जिम्मेदारी लेंगे? शायद वे चीन और तुर्की को अपने हथियारों की गुणवत्ता जांचने का मौका दे रहे हो। या फिर शायद अमेरिका ने ही कहा हो कि ये 22 मिनट का खेला क्या होता है? अरे, चलने दो तीन-चार दिनों तक यह दीवाली उत्सव। मौका पाकर मैं ही इसके समापन की घोषणा कर दूंगा। जाओ, जाकर आराम करो अपने महल में, 18-18 घंटे काम करते बहुत थक चुके हो। आराम करो और मेरे आयातों को शुल्क मुक्त होने वाली चीजों की सूची बनाओ। बाकी मैं हूं न, निपट लूंगा पाकिस्तान से। दोनों मेरे दोस्त हो, दोनों से मुझे व्यापार करना है। कांग्रेस के खड़गे ने कहा है कि यह युद्ध नहीं, झड़प थी। पूरी भाजपा इस बयान पर नाराज है और उन पर टूट पड़ी है, क्योंकि इस युद्ध को झड़प मान लिया जाएगा, तो उनका पूरा 'खेला' ही खत्म हो जाएगा। इससे हमारे प्रधानमंत्री के नॉन-बायोलॉजिकल से फिर बायोलॉजिकल बन जाने का खतरा है। हमारे देश की जनता अवतारवाद पर विश्वास करती है, वह नॉन-बायोलॉजिकल नेतृत्व चाहती है। यदि मोदीजी का कायांतरण फिर से जैविक हो जाएगा, तो हमारा देश नेतृत्वविहीन हो जाएगा। यह खतरनाक है, क्योंकि नेतृत्व के बिना हम सर्वनाश की ओर तो बढ़ सकते हैं, विकास की ओर नहीं। देश को सर्वनाश से बचाने और विकास के लिए एक 'अजैविक विकास पुरुष' की जरूरत है। हमें लगता है कि सीमाओं पर जिन जवानों ने अपना खून बहाया, वह व्यर्थ गया। इसलिए कि देश को सिंदूर की जरूरत है और सिंदूर की जगह वे अपना खून बहा गए। अब खून की कोई कीमत रही नहीं, क्योंकि हमारा देश तो आए दिन खून-खराबा देख रहा है। यह खून दंगों को तो भड़का सकता है, लेकिन राष्ट्रवादी जोश को नहीं। अब देशभक्ति इस पैमाने से नापी जाएगी कि किसकी रगों में कितने प्रतिशत सिंदूर बह रहा है। जिसकी रगों में तीन-चौथाई सिंदूर बह रहा होगा, वही संघी गिरोह का सच्चा अनुयायी कहलाएगा, क्योंकि संविधान बदलने की ताकत उसके शरीर में ही मानी जाएगी। संघी गिरोह का खेला हमारी सीमाओं पर ही नहीं होना है, सीमा के अंदर और बिहार और बंगाल के चुनाव में भी होना है। 'ऑपरेशन सिंदूर' रचा ही इसलिए गया था कि इसके बाद 'खेला सिंदूर' खेलना है। युद्ध के मैदान को खेल के मैदान में बदलने का कला-कौशल कोई हमारे मोदीजी से सीखे। इस रचनात्मक काम को वे ट्रंपजी को जरूर पहले ही सीखा आए हैं। सो, उन्हें खेलते-खेलते युद्ध करते और युद्ध करते-करते खेलते पूरी दुनिया देख रही है। हमारे देश में देशभक्ति के चित्र-विचित्र पैमाने पूरी दुनिया देख रही है। पिछले दस सालों में स्पष्ट रूप से नागरिकों की दो श्रेणियां बन चुकी है - देशभक्त नागरिक और देशद्रोही नागरिक। रगों में सिंदूर का बहना देशभक्ति का नया पैमाना है। लेकिन पुराने पैमाने भी लागू है। कौन क्या पहनता है, क्या खाता है, कौन-सी भाषा बोलता है, इससे आसानी से पता चल जाता है कि कोई नागरिक देशभक्त है या नहीं। देशभक्त नागरिक का अंदाजा इससे भी चल जाता है कि वह भगवान राम को अपना आराध्य मानता है कि नहीं। लेकिन केवल अंदाजा ही लगाया जा सकता है। पक्का तब माना जाता है, जब वह जोर से "जय श्रीराम" चिल्लाए। इतने जोर से चिल्लाए कि मस्जिद अजान देने वाले और घरों में नमाज पढ़ने वाले भी दहल जाए। जो मुल्लों को जितना ज्यादा दहलाएगा, उसकी देशभक्ति उतनी ही पक्की मानी जायेगी। जिसकी आवाज में दम नहीं है, उसे मस्जिद के सामने डीजे की धुन पर नाचकर अपनी देशभक्ति साबित करने का विकल्प है। गंगा नदी को मां मानकर और कुंभ के प्रदूषित पानी में डुबकी लगाकर भी देशभक्ति साबित की जा सकती है। एक और पैमाना है, लेकिन है थोड़ा अश्लील, लेकिन है पक्का पैमाना। वह है कि देख लो किसी का प्राइवेट पार्ट कटा-छिला तो नहीं है। है, तो पक्का वह देशभक्त नहीं है। कर्नल सोफिया भले ही ऑपरेशन सिंदूर का चेहरा बन जाएं, लेकिन होगी केवल आतंकियों की बहन है। प्रज्ञा भले ही आतंकी विस्फोटों में शामिल हों, लेकिन रहेगी पक्की देशभक्त ही। पूरी दुनिया हमारी देशभक्ति पर फिदा है। बाड़मेर के भाषण में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री ने यह भी बोला है कि जब सिंदूर बारूद में बदलता है, तो क्या परिणाम होता है, यह देश के दुश्मनों और दुनिया ने देखा है। हमारी जनता को इस बात का इंतज़ार है कि मोदीजी की रगों में बहने वाला सिंदूर बारूद में कब बदलेगा??

(लेखक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध)

सोशल मीडिया के माध्यम से जासूसी बना नया खतरा

अनुज शर्मा

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से जुड़े करीब 12 संदिग्ध जासूसों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों से साफ है कि देश की सुरक्षा को खतरा सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि घर के भेदियों से भी है। ऐसे लोग कई राज्यों में रहकर संवेदनशील जानकारियां दुश्मनों तक पहुंचा रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अपने इन खतरनाक इरादों को पूरा करने के लिए सोशल मीडिया को ये लोग हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगे हैं। एक तथ्य यह भी है कि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त ये लोग किसी खास वर्ग, पृष्ठभूमि या विचारधारा से जुड़े हुए नहीं है, बल्कि इनमें व्यवसायी, यूट्यूबर, विद्यार्थी और मजदूर जैसे आम आदमी शामिल हैं। एजेंसियों की जांच में यह खुलासा हुआ है कि जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। वे धन और सुविधाओं के लालच में हमारे यहां की खुफिया जानकारियां एकत्रित कर दूसरे देशों को भेज रहे थे। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के दौरान जब समूचा देश एकजुट होकर सेना के साथ खड़ा था, तब ये लोग मोबाइल ऐप और सोशल मीडिया के जरिए सेना की हलचल और संवेदनशील जानकारियां दुश्मन को मुहैया करा रहे थे। हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति रानी मल्होत्रा हो या फिर छात्र देवेंद्र सिंह ढिल्लन, उत्तर प्रदेश का

व्यवसायी शहजाद हो या फिर मुर्तजा अली, गजाला और यामिन, ये सभी चेहरे हमारी आम जिंदगी में आसपास होते हैं। ऐसे लोगों से रोज मुलाकात होती है लेकिन इनके खतरनाक इरादों का पता नहीं चल पाता। इस तरह के अलग-अलग पृष्ठभूमि वाले लोगों का दुश्मन के जाल में फंसना खतरे की इस गंभीरता को बताता है कि अब दुश्मन को खास प्रोफाइल वालों की जरूरत नहीं है। वह सिर्फ सैन्य, तकनीकी और रणनीतिक सूचनाएं उपलब्ध कराने वाले लोगों को अपने जाल में फंसा रहा है। इन लोगों पर शिकंजा कसने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की तारीफ की जानी चाहिए। जिस तरह से जासूसी की कड़ियां जुड़ती जा रही हैं, उससे साफ है कि अभी और खुलासा होना बाकी है। यह बात सही है कि डिजिटल युग में सोशल मीडिया और इंटरनेट ने आम लोगों की जिंदगी को आसान बनाया है लेकिन इसका दुरुपयोग भी कम नहीं हो रहा। सुरक्षा एजेंसियों के साथ आम नागरिक के रूप में हमारा भी कर्तव्य है कि वे अपने आसपास के लोगों पर नजर रखें और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारियां पुलिस या सुरक्षा बलों को दें। अभिव्यक्ति की आजादी और संवेदनशील जानकारियों को सार्वजनिक करने के बीच खींची गई लक्ष्मण रेखा यही है कि किसी भी रूप में देश की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उनको सख्त से सख्त सजा दिलाना और इनके मददगारों को उखाड़ फेंकना जरूरी है। हमें डिजिटल सुरक्षा और जनजागरूकता पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

नगर परिषद औरंगाबाद के वार्ड 33 में नाली निर्माण के लिए सी एम को लिखी चिट्ठी

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने बिहार सरकार के माननीय मुख्यमंत्री से मांग किया है कि नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 में पुरानी जीटी रोड के दक्षिणी तरफ पक्का नाली का निर्माण कराया जाए। इस संबंध में मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र के आलोक में बताया कि इस मुहल्ले में हजारों लोग बसे हुए हैं।बरसात के दिनों में पक्का नाली के अभाव में पूरा मुहल्ला जलमग्न हो जाता है।थोड़ी सी बारिश होती है और पता चलता है कि पूरा मुहल्ला जल से भरा हुआ है।अधिक दिनों तक जल जमाव रहने से लोग संक्रामक बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं।सामाजिक संस्था गांधी नगर विकास समिति द्वारा गत वर्ष जिला पदाधिकारी औरंगाबाद,नगर परिषद औरंगाबाद एवं मुख्यमंत्री को इस संबंध में सामूहिक हस्ताक्षर के साथ पत्र प्रेषित किया था। लेकिन उस पर आज तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया।अब तक समस्या का निराकरण नहीं किया गया। पूर्व जिप अध्यक्ष ने यह भी बताया कि बरसात आने के पूर्व यदि इसका निराकरण नहीं किया गया तो यहां के स्थानीय जनता न्यायालय जाने के लिए लाचार हो जाएगी। वर्तमान परिदृश्य में जनहित की छोटी-छोटी समस्याएं बाद में विकराल रूप ले लेती हैं।

अनुग्रह स्कूल संकुल स्तरीय खेलकूद उत्सव मशाल का हुआ सफल समापन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय के गेट स्कूल के मैदान में संकुल स्तरीय खेल कूद उत्सव मशाल का सफलतापूर्वक समापन हो गया। पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने बताया कि मशाल कार्यक्रम के तीसरे एवं अंतिम दिन साइक्लिंग के अंडर 14/16 के बालक/बालिका इवेंट में बच्चों का उत्साह चरम पर था। साइक्लिंग के सभी इवेंट को पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह एवं गेट स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किए। अंडर 14 बालिका की विजेता अनुग्रह स्कूल की खुशबू(पांच किमी) एवं चंचल कुमारी(तीन किमी) रही वही बालक वर्ग के अंडर 14 में पांच किमी साइक्लिंग में पीयूष कुमार एवं तीन किमी में कृष्ण कुमार अनुग्रह स्कूल के विजेता रहे। अंडर 16 में गेट स्कूल के आदर्श कुमार तीन किमी संवर्ग में तथा रूपेश कुमार गेट स्कूल के छात्र पांच किमी संवर्ग में विजेता रह रहे। नोडल खेल ऑफिसर के रूप में योगेंद्र कुमार पाल, मीना कुमारी एवं नैयर शाहीन साइक्लिंग को मानक के अनुरूप सम्पादित कराया। मशाल कार्यक्रम के समापन में अनुग्रह स्कूल के प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह एवं गेट स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय कुमार सिंह ने सभी कोटि के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर खेल में और तीव्र रुचि पैदा करने की सलाह दी। हेडमास्टर उदय कुमार ने बताया कि सभी कोटि के विजेता प्रखंड स्तरीय मशाल प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

बालिका सशक्तिकरण अभियान 2025 का उद्घाटन समारोह बीआरबीसीएल में संपन्न

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट बीआरबीसीएल में 24 मई 2025 को बालिका सशक्तिकरण अभियान 2025 के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनटीपीसी लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पूर्व-1) एवं बीआरबीसीएल के निदेशक श्री सुदीप नाग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। BRBCL के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक रंजन देहुरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में NSTPP के परियोजना प्रमुख श्री एल. के. बेहरा सहित अन्य गणमान्य अतिथि भी सम्मिलित हुए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक रंजन देहुरी ने स्वागत संबोधन में बीआरबीसीएल की ओर से बालिका सशक्तिकरण अभियान में निभाई जा रही भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही, आगामी एक माह तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा भी प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि श्री सुदीप नाग ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में बालिका सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित किया और उपस्थित बच्चियों को शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया। उन्होंने इस अभियान के अंतर्गत चुनी गई 40 बालिकाओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में बालिका सशक्तिकरण अभियान 2024 की बालिकाओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं और अपने अनुभव साझा किए। इसके अतिरिक्त, संगिनी लेडीज क्लब की सदस्यों और बाल भवन के बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों का दिल जीत लिया।

ट्रक के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत

औरंगाबाद-पटना पथ पर चित्रगोपी गांव के पास हुई दुर्घटना।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- औरंगाबाद-पटना पथ पर प्रतिदिन दुर्घटना हो रही है। सड़क का चौड़ीकरण जरूरी है। वाहनों की भीड़ बढ़ने से दुर्घटना बढ़ी है। शुक्रवार की रात इसी पथ पर जम्होर थाना क्षेत्र के चित्रगोपी गांव के पास अनियंत्रित ट्रक से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक विद्युत विभाग में कार्य करता था। दाउदनगर शहर के वार्ड नंबर आठ निवासी मो. शमीम अहमद के 40 वर्षीय पुत्र आरिफ हुसैन की मौत से मातम छा गया। आरिफ आमजन में लोकप्रिय था जिस कारण मौत की खबर सुन रात में ही घटनास्थल पर भीड़ लग गई। बताया गया कि आरिफ वर्तमान में सोलर पैनल लगाने वाली कंपनी के साथ औरंगाबाद में काम कर रहे थे। औरंगाबाद से काम कर बाइक से अपने घर दाउदनगर लौट रहे थे कि चित्रगोपी गांव के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रही ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दिया। टक्कर के बाद बाइक ट्रक में फंस गया और करीब एक किलोमीटर दूर तक घसीटते हुए चला गया। किसी तरह ट्रक में फंसी बाइक अलग हुआ। मौके पर ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना जम्होर थाना पुलिस को दिया। सूचना के बाद प्रभारी जम्होर के प्रभारी थानाध्यक्ष नितिन कुमार मिश्र पुलिसकर्मियों के साथ पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया। घटना की सूचना स्वजनों को दी गई। सूचना पर सदर अस्पताल स्वजन पहुंचे। शव देख रोने लगे। स्वजनों की रुलाई देख सदर अस्पताल में खड़े लोगों के आंखों से आंसू बहने लगी। स्वजनों ने बताया कि आरिफ के एक पुत्र व एक पुत्री है। दोनों के सिर से पिता का साया सदा के लिए उठ गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया गया है।

रेलमंत्री के कार्यक्रम को कांग्रेस ने बताया पिकनिक टूर

जमालपुर रेल कारखाना के साथ रेलमंत्री ने पैकेज के नाम पर किया बड़ा छलावा : मानसी

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। शुक्रवार को जमालपुर रेल कारखाने में विशेष दौरे पर पहुंचे केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के आगमन को कांग्रेस पार्टी की ओर से राजनीति से प्रेरित करार दिया गया है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव मानसी कुमारी ने कहा कि केंद्रीय रेल मंत्री के अलावा केंद्रीय पंचायती राज, पशुपालन एवं मत्स्य मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा का कार्यक्रम जमालपुर के विकास के लिए किसी भी दृष्टिकोण से सकारात्मक रूप में नहीं देखा जा सकता है। वर्षों से उपेक्षा का दंश झेल रहे जमालपुर रेल कारखाना को निर्माण कारखाना का दर्जा दिए जाने की मांग के अनुरूप माननीय रेलमंत्री ने कोई घोषणा नहीं की। इतना ही नहीं, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश में कुल चार रेल विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर जो ऐलान किया था, उसमें एक जमालपुर भी शामिल था। परन्तु रेलमंत्री द्वारा जमालपुर में रेलवे विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग को पूरी तरह

से खारिज करते हुए, महज ईरिमी संस्थान में कुछ विषयों के पढ़ाई तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था करने का शगूफा पेश किया गया है। जमालपुर कारखाना को लगभग 350 करोड़ का पैकेज का ऐलान तो कर दिया गया है, लेकिन जमालपुर रेल कारखाना में मेट्रो रेल और मेमो ट्रेन के कोच के निर्माण तथा मरम्मतीकरण का कार्य आरंभ करने की दिशा में कोई घोषणा नहीं किया जाना, इस बात का प्रतीक है कि रेलमंत्री का यह घोषणा भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जुमले के समान ही यह भी एक चुनावी जुमला बनकर ना रह जाए। सही मायने में देखा जाए तो रेलमंत्री का यह पूरा कार्यक्रम रेलमंत्री और एनडीए गठबंधन के नेताओं का इस चुनावी मौसम में पिकनिक टूर से बढ़कर और कुछ नहीं नजर आता है। न्यू जमालपुर रेलवे स्टेशन के निर्माण को लेकर तथा जमालपुर स्टेशन के विकास के अलावा भागलपुर-जमालपुर-किऊल रेलखंड पर अथवा जमालपुर-मुंगेर रेलखंड पर नए एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों के परिचालन को लेकर भी कोई घोषणा नहीं किया जाना, दुर्भाग्यपूर्ण है। रेल मंत्री द्वारा जमालपुर रेल कारखाना के कुशल कारीगरों व कर्मचारियों के लिए भी कोई तोहफा भी नहीं दिया गया है। जमालपुर रेल कारखाने का अब तक का इतिहास रहा है कि जिस रेलमंत्री ने भी जमालपुर रेल कारखाना के साथ छलावा किया है, उनका कार्यकाल लंबा नहीं रहा है।

एनटीपीसी नबीनगर दे रहा है बालिकाओं के सपनों को नई उड़ान

40 ग्रामीण छात्राओं को मिलेगा नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट एनटीपीसी नबीनगर ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के पहल में एक कदम आगे बढ़ते हुए नबीनगर एनटीपीसी लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पूर्वी क्षेत्र-१) श्री सुदीप नाग ने शुक्रवार को एनटीपीसी नबीनगर में बालिका सशक्तिकरण अभियान का उद्घाटन किया। इस अभियान के अंतर्गत एनटीपीसी नबीनगर, आसपास के गाँवों के 40 बालिकाओं के लिए परियोजना परिसर में निशुल्क आवासीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। अगले चार हफ्तों तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य गाँवों में छिपी हुई मेधा को निखारना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए श्री सुदीप नाग ने बताया की यह

अभियान बालिकाओ के सर्वांगीण विकास पर बल देता है और उन्हें सशक्त नागरिक के रूप में तैयार करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम से प्रशिक्षित बालिकाओं को 'सपनों की उड़ान' भरने की इच्छाशक्ति का नया संबल मिलेगा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए, एनटीपीसी नबीनगर के परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक श्री एल के बेहेरा ने कहा कि GEM के माध्यम से प्रतिभागियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और उनका सर्वांगीण विकास होगा। पिछले दो वर्षों की तरह ही इस वर्ष भी एनटीपीसी नबीनगर ग्रामीण बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु उन्हें उच्चस्तरीय प्रशिक्षण देने जा रहा है। इस वर्ष अभियान के अंतर्गत बारुण एवं नबीनगर ब्लॉक के सरकारी विद्यालयों से चुने गए 40 छात्राओं को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान किया जाएगा जिसमे गणित, अंग्रेजी, हिंदी आदि जैसे विषय शामिल है। नियमित शिक्षा के साथ साथ छात्राओं को कराटे, योग, Computer एवं अन्य प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। अभियान के दौरान, छात्राओं को छात्रावास एवं पौष्टिक आहार की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। उद्घाटन समारोह से पहले क्षेत्रीय कार्यकारी निर्देशक ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ GEM के कक्षा और छात्रावास परिसर का निरिक्षण किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यकारी निर्देशक के अलावा परियोजना प्रमुख BRBCL श्री दीपक रंजन डिहुरी, महाप्रबंधक (O&M) BRBCL श्री बिमल कुमार सहा महाप्रबंधक (O&M), एनटीपीसी नबीनगर श्री के डी यादव सहित एनटीपीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

जिले में टाटा कंपनी की पहली कार एजेंसी मां शक्ति कार्स का सदर विधायक ने उद्घाटन किया

स्थानीय लोगों को अब वाहन की खरीददारी और सर्विसिंग के लिए दूसरे शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा।

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित मंजूराही मोड़ के समीप टाटा कंपनी की पहली कार एजेंसी मां शक्ति कार्स्ह का भव्य उद्घाटन शनिवार को सदर विधायक आनंद शंकर सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विधायक श्रीआनंद शंकर सिंह ने कहा, ह्रयह औरंगाबाद जिले के लिए गर्व की बात है कि यहां टाटा कंपनी ने अपनी पहली चार पहिया वाहन एजेंसी की शुरुआत की है। इससे स्थानीय लोगों को अब वाहन की खरीददारी और सर्विसिंग के लिए दूसरे शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। यह सुविधा यहां के निवासियों को काफी राहत देगी ह्र एजेंसी के संचालक राजू सिंह ने बताया कि उनकी कोशिश रहेगी कि कम कीमत पर अधिकतम लोगों तक गाड़ी उपलब्ध हो सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ग्राहकों को बेहतरीन सेवा और किफायती दरों पर वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। उद्घाटन समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्यवसायी, और आम नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी रही। शोरूम की शुरुआत से औरंगाबाद जिले के ऑटोमोबाइल क्षेत्र को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

बटाने शीर्ष परियोजना (हडियाही)नहर का भविष्य अंधकारमय- पूर्व मंत्री

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ सुरेश पासवान ने कहा कि लगभग पैंतालीस वर्षों से बटाने शीर्ष परियोजना हडियाही राइट एवं लेफ्ट कैनाल के कमांड क्षेत्र के किसान बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि हमारे खेतों में पानी कब आएगा,आँखियाँ लगभग पथरा सी गई है। जब 1995 में देव विधानसभा से विधायक चुना गया तो दो वर्षों तक भगीरथ प्रयास करके वर्षों से इस नहर के बंद काम को युद्ध स्तर पर 1997-98 से सुरू कराने का काम किया गया और किसानों को उम्मीद जगी कि अब मेरे खेतों में भी नहर का पानी आएगा लेकिन दुर्भाग्यवश सन 2000 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के सरकार के द्वारा बिहार का विभाजन कर दिया गया जिसके कारण अंतरराज्यीय परियोजना की वजह से फिर एक बार काम बंद हो गया है। तत्कालीन केंद्र की सरकार वाले हैं इस परियोजना को ठंढे बस्ते में डाल दिया। डॉक्टर पासवान ने कहा है कि बीस वर्षों से बिहार। में नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में डबल इंजन वाली सरकार चल रही है लेकिन हडियाही नहर का काम अधर में लटका हुआ है और इसके लिए पूरी

तरह से डबल इंजन वाली नीतीश कुमार की सरकार ज़िम्मेवार है चूँकि बिहार के बँटवारे के बाद यह परियोजना अंतर्राज्यीय झारखंड और बिहार के बीच में हो गया ऐसे परियोजनाओं को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार की अहम भूमिका हो जाती है,लेकिन केंद्र की सरकार के घोर उदासीनता के चलते आज तक इस अति महत्वाकांक्षी परियोजना अधर में लटकी हुई है। मैं केंद्र की सरकार से माँग करता हूँ कि बिहार और झारखंड सरकार से इस परियोजना के अधूरे काम को पूरा करने के लिए पहल करे और भरपूर बजटीय,प्रशासनिक एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करते हुए, हडियाही नहर का निर्माण पूरा कराये ताकि किसानों के खेतों में पानी मिल सके। One attachment • Scanned by Gmail

सामुदायिक कक्षा संचालन हेतु शिक्षा सेवक की एक दिवसीय कार्यशाला

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)प्रखण्ड संसाधन केंद्र गोह में शिक्षा सेवकों की एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें देवव्रत और राहुल खान गांधी फेलो पीरामल फाउंडेशन, प्रखंड लेखापाल अमरेंद्र कुमार एवं प्रखंड मास्टर ट्रेनर रंजीत कुमार सिंह तथा शिक्षा सेवक अध्यक्ष और सचिव सहित सभी शिक्षा सेवक शामिल हुए। इस कार्यशाला शिक्षा सेवकों को मोहल्ला क्लास के द्वारा बच्चों के शैक्षिक परिणामों को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक का प्राथमिक उद्देश्य सामुदायिक कक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाना हेतु था, जिसमें शिक्षा सेवकों को समुदायों के करीब लाना है। गांधी फेलो राहुल ने शिक्षण के नवीन तरीकों पर चर्चा की और विशेष रूप से हिंदी और गणित में कमजोर बच्चों को चयनित करके उनपर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया और निपुण लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए वर्गवार दक्षता पर भी चर्चा हुई, शिक्षक सेवकों को जिससे बच्चों की सहभागिता और सीखने की गति को बढ़ावा देने की उम्मीद है। इसके अलावा शिक्षा सेवकों को शिक्षण सहायता के रूप में पीरामल फाउंडेशन द्वारा निर्मित की गई वर्कशीट के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। ये वर्कशीट सीखने को इंटरैक्टिव और सुलभ बनाने के लिए डिजाइन की गई हैं, जो प्रमुख अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। प्रखण्ड मास्टर ट्रेनर रंजीत सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए, सामुदायिक कक्षाओं के महत्व पर जोर दिया और उनकी प्रभावशीलता में सुधार के लिए विभिन्न तरीकों पर चर्चा किया। बैठक में समुदाय के बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक परिणाम सुनिश्चित करने और नवाचार करने के लिए शिक्षा सेवकों की सामूहिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।ह सक्रिय दृष्टिकोण समुदाय-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों के लिए सीखने के अनुभवों की गुणवत्ता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया

रुद्रमहायज्ञ : राष्ट्रवादी विचारधारा से हीं देश होगा मजबूत - स्वामी सीताराम शरण

रूद्रअवतार हनुमान जी के पूँछ में है रुद्रदेव शिव शंकर का वास : देवी अनुराधा सरस्वती

सटवट शिव मंदिर का पूजा अर्चना के लिए आज से पट खुला : - प्रवीण सिंह

औरंगाबाद :- जिले के भगवान भास्कर की धरती देव के सटवट ग्राम में हो रहें रुद्रमहायज्ञ में फेरी देने व कथा सुनने के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़ ' जिले के बाहर से भक्तगण आकर कर रहें जनसहयोग ' चित्रकूट के स्वामी सीताराम शरण जी वर्तमान भारत देश में हो रहें धार्मिक घुसपैठ को कड़ी निंदा करते हुए बोले कट्टरपंथी विचारधारा से हीं इसकी होंगी समाप्ति घर घर जाकर हिन्दुओं को जगायेंगे ' नारी शक्ति को भी जागृति कर दुर्गावाहिनी के साथ जोड़ा जाये ' सभी वर्गों का एकत्रित करण से हीं हमलोग राम मंदिर का निर्माण कर पाये है और बहुत जल्द हिन्दू राष्ट्र गठन की भक्तों मनोकामना होंगी पूर्ण ' सभी श्रद्धालुओं को अपना वैराग्य शक्ति को पहचानना होगा ' कथावाचिका

देवी अनुराधा सरस्वती नें रामायण के हनुमान जी के पूँछ के प्रसंग के बारे विस्तारपूर्वक बताया की किसी सच्चे रामभक्त को यदि कलयुग में सच्चे विचारधारा से छेड़ा तो वो लंका में आग लगाकर सर्वनाश करने की ताकत रखता है ' सात्विक विचारधारा से हीं कलयुग का होगा अंत ' कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण सिंह जी बताया की सटवट ग्राम में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा के बाद आज से मंदिर का पट खोल दिया गया है ' रुद्रमहायज्ञ से पुरे ग्राम भक्तिमय हो गया है ' यज्ञ समिति मौसम खराब होने के बावजूद भी कथा संचालन में किसी तरह की बाधा नहीं आने दिया गया ' सभी भक्तों से आग्रह किया जा रहा है की प्रत्येक दिन चल रहें भंडारा में प्रसाद सेवन करके हीं श्रद्धालुओं घर को जाएँ ' अध्यक्ष विजय सिंह,किशोर सिंह, रामकेवल सिंह, सतीश पाठक, विजय पांडेय , प्रवीण सिंह, रुपेश जी नें अपने कड़ी मेहनत से यज्ञ को सफल बनाने में दिन रात तैनात हैं ' श्रद्धालुओं को आने जाने के लिए किसी तरह का दिक्कत ना हो इसलिए सभी जगह दूर दूर तक लाइटिंग की व्यवस्था की गयी है ' पापों का विनाश के लिए रूद्र पूजा है अति आवश्यक '

गुरुग्राम को पायलट प्रोजेक्ट के तहत 3 माह में किया जाएगा पॉलीथिन मुक्तः राव नरबीर सिंह

गुरुग्राम। गुरुग्राम को पर्यावरण के दृष्टिकोण से अधिक स्वच्छ और बेहतर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाते हुए हरियाणा के पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने आज गुरुग्राम में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता कर, संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम मानेसर व गुरुग्राम, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, उद्योग विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। राव नरबीर सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन तथा सिंगल यूज प्लास्टिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ठोस और सुनियोजित कार्ययोजना बनाई जाए तथा सख्ती से लागू की जाए। राव ने बताया कि हरियाणा प्रदेश को पॉलीथिन तथा प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए पर्यावरण मंत्रालय द्वारा सभी निर्णायक पहल की जा रही है। इन्ही प्रयासों के तहत सर्वप्रथम गुरुग्राम में तीन माह का एक विशेष पायलट अभियान चलाया जाएगा। जिसका उद्देश्य शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक से पूरी तरह मुक्त करना है। इस अभियान में पॉलीथिन बैग, प्लास्टिक कप, प्लेट, चम्मच, स्ट्रॉ, आदि के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह अभियान केवल प्रतीकात्मक न होकर जमीनी स्तर पर प्रभावी और दीर्घकालिक परिणाम देने वाला होना चाहिए।

सम्मान उसका अधिकार - छेडख़ानी और डराने-धमकाने के विरुद्ध एक अभियान

गुरुग्राम। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रमेश चंद्र ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन चंद्रशेखर के मार्गदर्शन और हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण, पंचकूला के दिशानिर्देश्नुसार जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम द्वारा 'सम्मान उसका अधिकार' छेडख़ानी और डराने-धमकाने के विरुद्ध युवतियों में जागरूकता और विधिक साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु मई के माह में जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत युवतियों में जागरूकता और विधिक साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण, पंचकूला के तत्वावधान में सम्मान उसका अधिकार के तहत जागरूकता कार्यक्रम किया गया। उन्होंने बताया कि यह अभियान छेडख़ानी और डराने-धमकाने के खिलाफ केंद्रित था, जिसका उद्देश्य छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों और उपलब्ध उपायों के प्रति जागरूक करना था। विशेष रूप से भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 (छेडख़ानी) और धारा 79 (डराना-धमकाना) पर चर्चा की गई। सत्र में इन प्रावधानों के अंतर्गत दंड और सजा, तथा घटनाओं की रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता अधिवक्ता विजय यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि छेडख़ानी और डराना-धमकाना एक क़ानूनी अपराध है।

नूंह में भाजपा कार्यालय पर महारानी अहिल्याबाई होलकर के जन्मदिन पर हुआ जिला संगोष्ठी का आयोजन

नूंह। पुण्य श्लोक महारानी अहिल्या बाई होलकर के जन्म त्रिशताब्दी के अवसर पर जिला कार्यालय नूंह झिर कमल पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पिंटू की अध्यक्षता में जिला संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने शिरकत की। इस संगोष्ठी में चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने महारानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन परिचय पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो महापुरूषों, वीरों, योद्धाओं सभी का सम्मान करती है। भाजपा ने समय समय पर महापुरूषों का सम्मान करते हुए उनकी याद में पार्टी द्वारा कार्यक्रम चलाए हैं। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सबका-साथ, सबका-विकास और सबका-विश्वास के नारे पर चलते हुए भाजपा ने सभी वर्ग के लोगों को एक साथ लेकर चलने का काम किया है।

निगमायुक्त ने किया एमजी रोड का निरीक्षण

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने गुरुवार को एमजी रोड मेट्रो स्टेशन से सिकंदरपुर तथा सिकंदरपुर से एमजी रोड मेट्रो स्टेशन तक पैदल चलकर क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं का स्वयं अनुभव करना तथा विकास कार्यों और सफाई व्यवस्था की जमीनी हकीकत को समझना था। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने पैदल चलकर फुटपाथ, सडक़ किनारे की साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट्स, जल निकासी व्यवस्था, सीएंडडी वेस्ट, अतिक्रमण और यातायात से जुड़ी समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए और जल्द से जल्द समस्याओं के समाधान के आदेश दिए। इस मौके पर अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका, संयुक्त आयुक्त अखिलेश कुमार यादव, निगम पार्षद कुणाल यादव, जोनल टैक्सेशन अधिकारी राजेश यादव, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक देवेन्द्र बिश्नोई व हर्ष चावला सहित आसपास की सोसायटियों के नागरिक उपस्थित थे।

हरियाणा के 3 मेजर को शौर्य चक्र मिला, पानीपत के धौंचक को आतंकी मुठभेड़ में लगी थी गोली

● मोहाली के शहीद कर्नल को कीर्ति चक्र

एजेंसी

चंडीगढ़। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में पहले चरण के गैलेंट्री अवॉर्ड्स दिए। ये अवॉर्ड ड्यूटी के दौरान असाधारण बहादुरी, समर्पण और बलिदान देने वालों के सम्मान में दिए गए। इसमें हरियाणा के एक शहीद समेत 3 मेजर को शौर्य चक्र और पंजाब के शहीद कर्नल को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों से मुठभेड़ में शहीद हुए पानीपत के मेजर आशीष धौंचक की मां कमला सम्मान लेते वक्त भावुक हो गईं। राष्ट्रपति ने उन्हें गले लगाया और सांत्वना दी।

पत्नी ज्योति भी भावुक नजर आईं। आशीष धौंचक (36) 13 सितंबर 2023 को शहीद हुए थे। मेजर आशीष 19 राष्ट्रीय राइफल्स की सिख लाइट इन्फैंट्री में तैनात थे। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 15 अगस्त 2023 को सेना मेडल दिया था। मेजर आशीष की 4 साल की एक बेटी है। उनकी पत्नी ज्योति गृहिणी हैं। मेजर का परिवार ञ्बष्ठढ्ढ

सिटी में रहता था। मेजर आशीष ने अपने लिए पानीपत की TDI सिटी में नया घर बनवाया था। इसमें वह अपने बर्थडे पर शिफ्ट होने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही आतंकियों से मुठभेड़ में शहीद हो गए।

अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मार्किट के कार्यों को जल्द पूरा करें अधिकारी : श्याम सिंह राणा

• कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने की विकास कार्यों की समीक्षा, 30 जून तक पूरा करने के दिए निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मार्किट गन्नौर (सोनीपत) में चल रहे विकास कार्यों को आगामी 30 जून 2026 तक पूरा कर लें, ताकि इस मार्किट को शुरू किया जा सके। श्री राणा आज यहां अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मार्किट में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। कृषि मंत्री ने इस अवसर पर अधिकारियों को कहा कि यह मार्किट हरियाणा के किसानों के लिए ख़ास फायदेमंद साबित होगी, क्योंकि इससे फ़लों और सब्जियों की बिक्री अंतर्राष्ट्रीय मार्किट में की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि इस मंडी में 20 लाख टन प्रति वर्ष बागवानी उत्पाद का व्यापार होने का अनुमान है, ऐसे में राज्य के किसानों को उनके बागवानी एवं कृषि उत्पाद को एक ही जगह बेचने की सुविधा मिल जाएगी। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि यह मंडी विश्व स्तर पर फल व सब्जी उत्पादकों को उनकी कृषि आय बढ़ाने में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की विपणन सुविधा प्रदान करेगी। श्री श्याम सिंह राणा को समीक्षा बैठक में जानकारी दी गई कि इस मंडी का क्षेत्रफल 554 एकड़ है एवं इस मंडी में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के 17 शैडों और

13 बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। ये सभी शैड अलग-अलग बागवानी उत्पादों के लिए चिह्नित किए गए हैं, जिसमे मुख्यतः आम, केला, सेब व तरबूज व अन्य मिक्श-फ्रूट शामिल हैं। इनके अलावा टमाटर, प्याज व अन्य विभिन्न सब्जियां, फूल, मछली व मीट तथा विदेशी पैवेलियन के साथ ही किसानों के लिए शैड का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि 13 बिल्डिंग जैसे कि किसान विश्राम गृह, वर्कशॉप, पुलिस स्टेशन, टैक्सी स्टैंड, रिटेल जॉन, संस्थान बिल्डिंग, मजदूरों के लिए डोर मैट्री का निर्माण कार्य प्रगति पर है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मार्किट में चल रहे सड़क निर्माण, पार्किंग का कार्य तथा बरसाती पानी की निकासी एवं सीवरेज व्यवस्था से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस समीक्षा बैठक मे कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू, एच.आई.एच.एम.सी.एल. के प्रबंध निदेशक श्री मुकुल कुमार, मुख्य अभियंता श्री मोहिन्द्र सिंह समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़-भिवानी के लोस सांसद धर्मबीर सिंह बने खाद्य आपूर्ति मंत्रालय परामर्श समिति के चेयरमैन

भडारण किए गए खाद्यान्न सुरक्षा की दिशा में सुधार होने की बनी संभावना

एजेंसी

कनीना। महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह को भारतीय खाद्य निगम, खाद्य आपूर्ति मंत्रालय की सर्वोच्च परामर्श समिति में हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किए जाने पर भाजपा पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की है। एडवोकेट जितेंद्र शर्मा, चेयरमैन अमरजीत यादव, अनूप सुहाग, राजकुमार यादव ने बताया कि उनकी नियुक्ति के बाद खाद्य सुरक्षा की दिशा में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में किसनों द्वारा धरती का सीना चीरकर कड़ी मेहनत से अन्न पैदा किया जाता है। हजारों एमटी अन्न रूपी खाद्य पदार्थ देखरेख में कमी तथा लापरवाही के कारण गोदामों में खराब हो जाता है। सांसद के कुशल नेतृत्व में अन्न को सुरक्षित रखने तथा समय-समय पर देखरेख करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। अन्न भंडारण में उपयोग होनें वाली

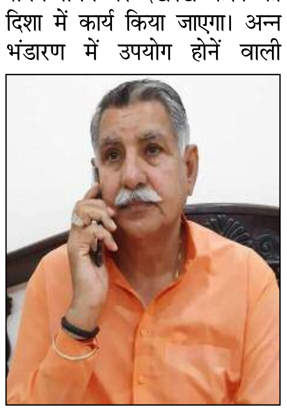

जहरीला दवा के स्थान पर अन्य विकल्प का चयन होगा। उन्होंने कहा कि अन्न को सरकार की पीडीएस योजना के तहत आमजन तक समयानुसार उपलब्ध कराया जाएगा।

एनडीआरएफ की टीम ने जिला प्रशासन के साथ की टेबल टॉप एक्सरसाइज

● डीसी डा. विवेक भारती ने दिए क्विक रिस्पांस देने के निर्देश

● जल्द होगी एनडीआरएफ के साथ मिलकर मॉक ड्रिल रिहर्सल

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा अथवा युद्ध जैसे चुनौतीपूर्ण हालात में क्विक रिस्पांस सबसे महत्वपूर्ण होता है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के आने तक जिला प्रशासन की टीम तथा सिविल डिफेंस वालंटियर्स जनहानि को रोकने में अहम भूमिका निभाता है। ऐसे में हम सभी को हमेशा के लिए ऐसी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। डीसी आज लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल में एनडीआरएफ 7वीं बटालियन भटिंडा की टीम के साथ प्रशासनिक अमले के साथ हुई टेबल टॉप एक्सरसाइज में बोल रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि जल्द ही एनडीआरएफ तथा प्रशासनिक अधिकारियों व

सिविल डिफेंस वालंटियर के साथ एक मॉक ड्रिल रिहर्सल कराई जाएगी। इसमें हमारी तैयारियों को परखा जाएगा। इस मौके पर असिस्टेंट कमांडेंट सरोज रानी ने बताया कि स्थानीय नागरिकों को बेहतर आपदा प्रबंधन सीखाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल गृह मंत्रालय की टीम 19 से 31 मई तक विभिन्न स्कूल-कॉलेजों तथा गांवों में आपदा से निपटने के लिए लोगों को जागरूक कर रही है। इसी कड़ी में जल्द ही एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ आपात स्थितियों और आपदाओं पर त्वरित एवं कुशल प्रतिक्रिया प्रदान करता है। यह बल आपात स्थिति में राहत और पुनर्वास प्रदान करने के लिए अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करता है। इस बैठक में महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल यादव, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम डा. जितेंद्र अहलावत, नारनौल के एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार, सीएमओ डा. अशोक कुमार, जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार तथा एनडीआरएफ इंस्पेक्टर शिवकुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

उपायुक्त अधिकारिता बोर्ड की मासिक बैठक ली

● अब हर माह अपनी तीन उपलब्धियां बताएंगे विभाग ● सीएम विंडो, सीपीग्राम, एसएमजीटी तथा समाधान शिविर की समीक्षा की

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि अब प्रत्येक माह होने वाली अधिकारियों की बैठक में प्रमुख विभाग अपनी मुख्य तीन उपलब्धियां बताएंगे। इसके लिए बाकायदा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तैयार करके लाएं। डीसी आज लघु सचिवालय में अधिकारिकता बोर्ड की मासिक बैठक में बोल रहे थे।

उपायुक्त ने कहा कि उपलब्धियां के साथ-साथ यह भी देखा जाएगा की संबंधित प्रोजेक्ट, योजना तथा कार्यक्रम में जिला महेंद्रगढ़ प्रदेश में कौन से स्थान पर है। अन्य जिलों से उसे कार्य की तुलना भी की जाएगी। इसके अलावा उपायुक्त ने इस मौके पर सीएम विंडो, सीपीग्राम, एसएमजीटी तथा समाधान शिविर के संबंध में भी समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री का इस विषय पर विशेष फोकस रहता है।

हीट वेव को देखते हुए एहतियात बरतें नागरिकः गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी विभाग आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा के दिशा निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करें। मनुष्य तथा अन्य जीवों को पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डीसी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने कार्यालय में पर्याप्त मात्रा में पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाए ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो। इसके अलावा उन्होंने निर्देश दिए कि हीट वेव को देखते हुए विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ लगवाई जाए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशुओं को हीट वेव से बचने के लिए जरूरी है कि सभी जोहड़ों में पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को देखते हुए ओआरएस की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने निर्देश दिए की चिकित्सक बार-बार नागरिकों को गर्मी से बचाव के बारे में जागरूक करते रहे। उपायुक्त इतनी बिजली विभाग को निर्देश दिए कि घोषित पावर कट नहीं लगने चाहिए। ग्राम स्तर तक निर्धारित शेड्यूल के अनुसार बिजली सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

जिला परिषद उपचुनाव के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित

नामांकन पत्र 24 मई से 30 मई तक प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपायुक्त की कोर्ट में दाखिल करवाए जा सकते हैं

एजेंसी

नूंह। जिला परिषद नूंह के उप चुनाव में सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने जिला परिषद उपचुनाव के दौरान नामांकन प्रक्रिया के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की है, वो अधिकारी व कर्मचारी 24 मई को जिला कलेक्टर, नूंह के न्यायालय में रिपोर्ट करेंगे। जिला परिषद के वार्ड नंबर-17 के सदस्य पद के लिए होने वाले उप चुनाव के मद्देनजर नामांकन पत्र 24 मई से 30 मई तक राजपत्रित अवकाश को छोड़कर प्रात॰ 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपायुक्त की कोर्ट में दाखिल करवाए जा सकते हैं। उन्होंने नामांकन से संबंधित सभी कार्यों के लिए एडीसी कार्यालय के जिला योजना अधिकारी दीवान सिंह को इंचार्ज बनाया है व राजकीय माध्यमिक विद्यालय पलड़ी के अध्यापक संजय साहू उनका सहयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय ऊंटका के अध्यापक अनीश नामांकन पत्र जारी

करने व रजिस्टर का रखरखाव करेंगे। फिरोजपुर-झिरका में एसईपीओ जोगेंद्र दहिया दैनिक आधार पर प्राप्त नामांकन के लिए नामांकन रजिस्ट्रर बनाए रखने व प्रत्येक नामांकन फॉर्म के लिए फाइल बनाने, मतदाता सूची में उम्मीदवार के नाम की जांच व सत्यापन करेंगे।

जिला परिषद नूंह से पीओ राहुल नामांकन पत्र व उसके साथ संलग्र सभी जरूरी दस्तावेजों की जांच करना करना सुनिश्चित करेंगे। ग्राम पंचायत साकरस के सचिव सचिन कुमार मतदाता सूची उपलब्ध कराएंगे। जिला परिषद नूंह से डाटा एंट्री ऑपरेटर नवीन पोर्टल पर ऑनलाइन नामांकन अपलोड करने संबंधी कार्य करेंगे।

सिंधु जल समझौते में भारत के साथ पानी के वितरण में हुआ पक्षपातः प्रो. अमित काम्बोज

अधिवक्ता परिषद करनाल ने उठाई सिंधु जल समझौते की पुनर्समीक्षा की मांग

एजेंसी

करनाल। अधिवक्ता परिषद करनाल इकाई द्वारा जिला अध्यक्ष नरेश कुमार राणा की अध्यक्षता में सिंधु जल समझौता (इंडस वॉटर ट्रीटी) विषय पर एक महत्वपूर्ण स्टडी सर्कल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से सहायक प्रोफेसर अमित काम्बोज रहे, जिन्होंने सिंधु जल समझौते पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की दृष्टि से किया गया था, जिसमें विश्व बैंक ने मध्यस्थता की भूमिका निभाई थी। किंतु इस समझौते में भारत के साथ पानी के वितरण में पक्षपात किया गया, जिससे भारत को बहुत कम मात्रा में जल मिलने की व्यवस्था की गई, जबकि पाकिस्तान को अधिक जल आवंटित किया गया।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इस समझौते की पुनः समीक्षा करना आवश्यक है, ताकि देशहित में उचित निर्णय लिए जा सकें। वर्तमान परिस्थिति में सिंधु जल समझौता की पुनः समीक्षा कर देश हित में आगे कदम उठाये जाये। बता दें कि अधिवक्ता परिषद् करनाल इकाई ने सर्वप्रथम इस विषय पर हरियाणा में स्टडी सर्कल का कार्यक्रम किया है। प्रोफेसर अमित काम्बोज ने ज़ोर देते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक एवं क्षेत्रीय परिस्थितियों, बदलते पर्यावरणीय परिदृश्य, पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों की जटिलता, तथा भारत की बढ़ती जल आवश्यकता को देखते हुए इस समझौते की व्यापक समीक्षा आवश्यक हो गई है।

तावडू में नगर पालिका कार्यालय में हाउस की बैठक का किया गया आयोजन

एजेंसी

तावडू। शहर के बिलासपुर मार्ग पर स्थित नगरपालिका कार्यालय में हाऊस की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगरपालिका चेयरपर्सन सुनीता सोनी ने की। बैठक में विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई। यह जानकारी नगरपालिका वाईस चेयरमैन धर्मेन्द्र भारद्वाज ने दी।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में सभी वार्डों के पार्षद विकास कार्यों की सूची बनाकर लाए थे। जिनके वार्ड में जो-जो विकास होना था, उस पर चर्चा की गई। वहीं इस बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी पहुंचे। लेकिन बिजली बोर्ड व जनस्वास्थ्य विभाग से कोई भी अधिकारी नहीं पहुंचा।

इस बैठक में नगरपालिका कार्यालय को सेनिटेशन का सामान जैम पोर्टल के माध्यम से पालिका के खर्चे पर खरीदने बारे, नगरपालिका कार्यालय में कंप्यूटर हार्डवेयर, इंटरनेट वाईफाई, प्रिंटर, कार्टेज, माऊस व कीबोर्ड आदि जैम पोर्टल के माध्यम से पालिका के खर्चे पर खरीदने व मेनटिनेंस बारे, नगरपालिका कार्यालय में प्रयोग होने

वाले वाहनों-जनरेटर आदि का डीजल व रखरखाव तथा बीमा अदायगी बारे, नगरपालिका तावडू आम चुनाव 2025 के बिलों की अदायगी बारे, डोर-टू-डोर टेंडर प्रक्रियाधीन है व वर्तमान में नगरपालिका द्वारा डोर-टू-डोर कूडा उठाया जा रहा। पालिका के पास 2 ट्रैक्टर ट्रॉली व 3 टेंपो टिप्पर है तथा एक जेसीबी किराए पर ली हुई है। नगरपालिका सीमा क्षेत्र के पार्कों व शहर में आवश्यकता अनुसार डस्टबीन लगवाने बारे, तावडू के विभिन्न कार्यों हेतु सब कमेटी पर विचार विमर्श, आतंकी बंदरों का टेंडर करने बारे व आवारा कुत्तों की नसबंदी कराने हेतु टेंडर करने बारे चर्चा की गई। बैठक में नगरपालिका सचिव सुमित शर्मा व कार्यालय स्टाफ के अलावा सभी पार्षद मौजूद रहे।

एचएल सिटी ने अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग के फ्लैट्स की दी अलॉटमेंट, पहली चाबी थ्री बीएचके फ्लैट्स के ऑनर रविन्द्र को मिली

एजेंसी

बहादुरगढ़। एचएल सिटी कमिटमेंट, शांत, सुरक्षित और लग्जरी लिविंग का पर्याय बन चुकी है। अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग के तहत एचएल सिटी ने फ्लैट्स की चाबी अलॉटियों को देनी शुरू कर दी है। थ्री बीएचके फ्लैट नंबर 1210 की चाबी अलॉटी रविन्द्र को दी गई। एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून ने रविन्द्र और उनके परिवारों के हाथों में चाबी सौंपकर शुभकामनाएं भी दी हैं। एचएल सिटी में हजारों फ्लैट्स का निर्माण अंतिम चरण में चल रहा है। हाल फिलहाल भी एचएल सिटी में हजारों लोग आधुनिक लाइफस्टाइल का आनंद ले रहे हैं। एचएल सिटी मे 24 घण्टे सुरक्षा के लिए गार्ड लगाए गए हैं सीसीटीवी सर्विलांस के साथ चौड़ी और साफ सड़कें बनी हुई हैं। पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था है। इसके साथ कि

एथलेटिक्स ट्रैक, साइकल ट्रैक, ओपन जिम, हरियाली और बच्चों के शानदार झूलों से युक्त पार्क बनाए गए है। एचएल सिटी में ओलंपिक साइज का स्विमिंग पूल, सबसे ब?ा आधुनिक जिम, मंदिर और जी डी गोयनका स्कूल भी स्थापित किया गया। लोगों की शॉपिंग जरूरतों को पूरी करने के लिए बहादुरगढ़ का सबसे बड़ा मॉल भी है जिसमे सिनेमा हॉल, होटल ,खाने पीने की ब्रांडेड शॉप्स और शॉपिंग के लिए ब्रांडेड शोरूम भी खुले हुए हैं। एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून के कहना है कि लोगों की हर सुख सुविधा का ख्याल रखते हुए एचएल सिटी का निर्माण किया गया है। बेहतर निर्माण क्वालिटी के लिए बेस्ट कंस्ट्रक्शन मैटीरियल और क्वालीफाईड इंजीनियरस साइट पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि एचएल सिटी लोगों के सपनो के घर का सपना साकार करती है और जीवन का सुखद अनुभव प्रदान कर रही है।

सरकार को आरबीआई के रिकॉर्ड लाभांश से राजकोषीय घाटा कम होकर 4.2फीसदी पर आने की उम्मीद, रिपोर्ट में दावा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का बंपर लाभांश देना देश की अर्थव्यवस्था के लिए काफी अहम साबित होगा। इससे सरकार का राजकोषीय घाटा कम हो सकता है। वर्तमान में राजकोषीय घाटा 4.5% है, अब इसके घटकर 4.2फीसदी आने की उम्मीद बढ़ गई है। भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार यह घाटा 20 से 30 आधार अंकों तक कम होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.2% तक पहुंच सकता है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में रिजर्व बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से करीब 2.56 लाख करोड़ रुपये का लाभांश मिलने का अनुमान जताया गया था। हालांकि आरबीआई ने ही उम्मीद से काफी अधिक लाभांश सरकार को दे दिया है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह अतिरिक्त राजस्व सरकार को अपने घाटे को कम करने में मदद करेगा। इसके साथ ही प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अधिक खर्च की गुंजाइश बढ़ेगी। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बंपर लाभांश से सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। इससे, वैश्विक वित्तीय अनिश्चितताओं के बीच बॉन्ड्स की यील्ड कर्व को मैनेज करना मदद मिलेगी। यह रिजर्व बैंक के आकस्मिक जोखिम बफर (सीआर) को बढ़ावा देगा। जिससे इसका वित्तीय लचीलापन बढ़ा जाएगा।

बैंक धोखाधड़ी के लिए वांछित अंगद चंडोक को भारत लाया गया; अमेरिका से किया गया प्रत्यर्पित

नई दिल्ली। भारत में बैंक धोखाधड़ी के लिए वांछित अंगद सिंह चंडोक को सीबीआई की ओर से अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद वतन वापस लाया गया। सीबीआई ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो ने भारतीय नागरिक अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित किया है। चंडोक पर शेल कंपनियों के नेटवर्क के माध्यम से वरिष्ठ अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर करोड़ों डॉलर की तकनीकी सहायता धोखाधड़ी करने का आरोप है। सीबीआई के मुताबिक, चंडोक के संबंध में एक अमेरिकी अदालत ने बड़े पैमाने पर ऑनलाइन धोखाधड़ी के संबंध में दोषी ठहराया था, जिसमें उसने और उसके सहयोगियों ने तकनीकी सहायता प्रदाता के रूप में खुद को पेश किया था। उन सभी ने पीड़ितों को बड़ी रकम हस्तांतरित करने के लिए धोखा दिया था। अमेरिकी न्याय विभाग के मार्च 2022 के प्रेस बयान के अनुसार, उसे इस योजना में उसकी भूमिका के लिए छह साल जेल की सजा सुनाई गई थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने 2022 में उसे दोषी ठहराए जाने के बाद एक बयान में कहा था कि एक अमेरिकी अदालत ने 2022 में चंडोक को एक अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सहायता घोटाले का हिस्सा होने के लिए दोषी ठहराया था। उसने अमेरिकियों के साथ ठगी की। उसने ज्यादातर बुजुर्ग लोगों को निशाना बनाया। उसने लोगों से उनकी जीवन भर की बचत ठग ली।

बढ़ती मांग के बीच गिरी बैटरी धातुओं की कीमतें, लिथियम 80फीसदी सस्ता; आपूर्ति बढ़ना बना वजह

नई दिल्ली। दुनियाभर में बैटरियों के लिए जरूरी खनिजों और धातुओं खासकर लिथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट और निकल जैसे तत्वों की मांग 2024 में तेजी से बढ़ी। ये धातुएं ई-वाहनों, सौर और पवन ऊर्जा सिस्टमों में इस्तेमाल होने वाली बैटरियों के लिए जरूरी हैं। इसके बावजूद इन धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।ग्लोबल क्रिटिकल मिनरल्स आउटलुक 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, लिथियम की कीमतें 2021-22 में आठ गुना बढ़ी थीं, अब उनमें 80 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। कोबाल्ट, ग्रेफाइट और निकल के दाम भी 10 से 20 फीसदी तक घटे हैं। कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण इन खनिजों की आपूर्ति बढ़ना है। चीन, इंडोनेशिया और कांगो जैसे देशों ने इनका खनन-उत्पादन तेजी से बढ़ाया है। 2020 के बाद से बैटरी में इस्तेमाल होने वाली धातुओं की आपूर्ति पिछले दशक की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ी।

'आईएमएफ से मिली मदद से हथियार नहीं खरीद सकेगा पाकिस्तान', ऋण की शर्तों पर सामने आया अपडेट

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने साफ किया कि पाकिस्तान विस्तारित निधि सुविधा के तहत अपने केंद्रीय बैंक को मिली वित्तीय सहायता को इसके लिए तय कार्यक्रम से इतर इस्तेमाल को मंजूरी नहीं दे सकता। आईएमएफ के अनुसार, इसके साथ ही अनधिकृत सरकारी संवितरण या उधार सहित दुरुपयोग को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं। आईएमएफ की ओर से यह स्पष्टीकरण ऐसे मौके पर आया, जब भारत की ओर से वैश्विक एजेंसियों से पाकिस्तान को फंडिंग दिए जाने पर बात करने की खबरें आ रही हैं। संचार प्रमुख जूली कोजैक ने गुरुवार को संवाददाताओं को बताया कि आईएमएफ का वित्तपोषण स्पष्ट रूप से भुगतान संतुलन की समस्याओं के समाधान के लिए है। इसमें स्थापित कार्यक्रम शर्तों से विचलन की स्थिति में राजकोषीय प्रबंधन में सुधार करने जैसी संरचनात्मक शर्तें शामिल हैं। एजेंसी के अनुसार ये शर्तें भविष्य की समीक्षाओं को प्रभावित करेगा। उन्होंने आईएमएफ की उस प्रोटोकॉल की ओर भी इशारा किया, जिसके तहत कार्यकारी बोर्ड ऋण कार्यक्रमों की समय-समय पर समीक्षा करता है... ताकि यह पता लगाया जा सके कि इसे वापस पटरी पर लाने के लिए नीतिगत बदलावों की जरूरत है या नहीं। कोजैक ने कहा, ... हमारे बोर्ड ने पाया कि पाकिस्तान ने वास्तव में सभी लक्ष्य हासिल कर लिए हैं।

भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार देश के विनिर्माण पर एप्पल के भरोसे को दर्शाता है : राजीव चंद्रशेखर

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि भारत में चुनौतियों के बावजूद आईफोन मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार करने का एप्पल का निर्णय देश के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दिखाता है। 2025 के अंत तक सभी आईफोन का लगभग 25 प्रतिशत भारत में बनाया जाएगा, जबकि कुछ साल पहले एप्पल की सप्लाई चेन पर चीन का प्रभुत्व था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूर्व केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर ने कहा, 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी दूरदर्शी नीतियों और भारत सरकार के निरंतर प्रयासों की बदौलत, भारत तेजी से हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक ग्लोबल हब बन रहा है।' एप्पल के एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन ने भारत में 12,700 करोड़ रुपए का निवेश किया है, साथ ही पेगाट्रॉन और विस्ट्रॉन जैसे अन्य साझेदार भी

परिचालन बढ़ा रहे हैं। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण प्रमुख कंपनी की बेंगलुरु में स्थित यूनिट लॉन्च के लिए लगभग तैयार है और जून की शुरुआत में ही कमर्शियल एप्पल शिपमेंट शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'भारत 2027 तक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के लिए अच्छी तरह से तैयार है, जिसमें 120 बिलियन डॉलर का लक्ष्य निर्यात के लिए है। मात्र एक दशक पहले, भारत में 80 प्रतिशत से अधिक स्मार्टफोन आयात किए जाते थे और स्मार्टफोन निर्यात न के बराबर था। पूर्व केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर ने कहा, 'मुझे भारत-एप्पल साझेदारी को मजबूत करने में भूमिका निभाने पर गर्व है। यह तो बस शुरुआत है।' भारत में एप्पल के कॉन्ट्रैक्ट निर्माता पहले से ही अपने परिचालन का विस्तार कर रहे हैं। बेंगलुरु में फॉक्सकॉन का प्लांट पूरी क्षमता पर 20 मिलियन आईफोन का उत्पादन कर सकता है। भारत में एप्पल की विनिर्माण शक्ति पहले से ही प्रभावशाली है। पिछले वर्ष भारत में 22 बिलियन डॉलर मूल्य के आईफोन असेंबल किए गए, जिसमें तमिलनाडु स्थित फॉक्सकॉन ने एप्पल के निर्यात में लगभग 50 प्रतिशत का योगदान दिया। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में फॉक्सकॉन की फैक्ट्री से निर्यात में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। आज, भारत में दुनिया भर में एप्पल के कुल आईफोन उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा है, जो दर्शाता है कि ब्रांड की वैश्विक योजनाओं के लिए भारत कितना महत्वपूर्ण बन गया है।

भारत में आईफोन विनिर्माण पर ट्रंप की चेतावनी : एप्पल को देना होगा 25 प्रतिशत टैरिफ

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन का विनिर्माण भारत या किसी अन्य देश में किया गया तो कंपनी को 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा। श्री ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, मैंने बहुत पहले एप्पल के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) टिम कुक को स्पष्ट रूप से बता दिया था कि मैं चाहता हूं कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन का विनिर्माण अमेरिका में ही हो, भारत या अन्य किसी देश में नहीं। उन्होंने दुहराया कि यदि एप्पल ऐसा नहीं करती है तो उसे अमेरिका को 25 प्रतिशत आयात शुल्क चुकाना पड़ेगा। पिछले दस दिनों में यह दूसरी बार है जब श्री ट्रम्प ने श्री कुक को भारत में निवेश को लेकर चेतावनी दी है।

श्री ट्रम्प ने 15 मई को कतर की राजधानी दोहा में एक व्यापार सम्मेलन में कहा था, भारत अपना ध्यान खुद रख सकता है। मैंने टिम कुक से कहा, मेरे दोस्त, मैं आपके साथ अच्छा व्यवहार कर रहा हूं लेकिन मैंने सुना है कि आप भारत में विनिर्माण बढ़ा रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप ऐसा करें।

गौरतलब है कि एप्पल वर्तमान में भारत में आईफोन का विनिर्माण तेजी से बढ़ा रहा है। कंपनी की योजना है कि अगले कुछ वर्षों में उसके कुल आईफोन विनिर्माण में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत तक ले जाई जाए ताकि चीन पर निर्भरता को कम किया जा सके।

अडाणी समूह पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये का करेगा निवेश: गौतम अडाणी

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने अगले 10 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश का ऐलान किया। यह निवेश उस 50,000 करोड़ के अतिरिक्त है, जिसकी घोषणा अडाणी समूह ने इसी साल फरवरी में असम में निवेश के तौर पर की थी। इस तरह समूह की कुल प्रतिबद्धता एक लाख करोड़ रुपये हो गई है।गौतम अडाणी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025' को संबोधित करते हुए पूर्वोत्तर भारत में निवेश की घोषणा की। उन्होंने बताया कि अडाणी समूह अगले 10 सालों में क्षेत्र में ग्रीन एनर्जी, सड़कों के निर्माण और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए अतिरिक्त 50,000 करोड़ रुपये निवेश करेगा। उन्होंने कहा कि उनका समूह पूर्वोत्तर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में गौतम अडाणी ने कहा, ''तीन महीने पहले असम में हमने 50 हजार करोड़ रुपये का

निवेश करने का वादा किया था। यह निवेश स्मार्ट-मीटर, हाइड्रो पंप स्टोरेज, विद्युत पारेषण, सड़क एवं राजमार्ग, डिजिटल बुनियादी ढांचा, लॉजिस्टिक्स के साथ ही 'स्किलिंग एवं वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर' के माध्यम से क्षमता-निर्माण सहित हरित ऊर्जा का विस्तार करेगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पहल स्थानीय नौकरियों, स्थानीय उद्यमिता और सामुदायिक जुड़ाव को प्राथमिकता देगी, जो विकसित भारत 2047 से संबंधित है। समूह के चेयरमैन ने कहा, पिछले एक दशक में पूर्वोत्तर की पहाड़ियों और घाटियों में भारत की विकास कहानी का एक नया अध्याय सामने आ रहा है। हमारी कहानी विविधता, लचीलेपन और अप्रयुक्त क्षमता में निहित है। ये क्षेत्र अब हमारे सांस्कृतिक गौरव, आर्थिक वादे और रणनीतिक दिशा का स्रोत है।

एक दिन की कमजोरी के बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक, निचले स्तर से एक हजार अंक उछला सेंसेक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरुवार की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज शानदार अंदाज में वापसी की। मजबूत ग्लोबल संकेतों और यूएस बॉन्ड यील्ड में आई गिरावट के कारण विदेशी निवेशक भी आज पूरे उत्साह में नजर आए। लगातार हुई खरीदारी के सपोर्ट के कारण सेंसेक्स आज निचले स्तर से 1 हजार अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में लगभग 300 अंक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.95 प्रतिशत और निफ्टी 0.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, हेल्थकेयर सेक्टर में आज बिकवाली का मामूली दबाव नजर आया, जिसकी वजह से बीएसई का हेल्थकेयर

इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 441.88 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 438.98 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

भारत ने ब्रिक्स देशों के बीच निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स सदस्यों के बीच निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का आह्वान किया। भारत ने यह अपील बुधवार को ब्राजील की अध्यक्षता में 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि भारत ने ब्रिक्स देशों के बीच निर्यात नियंत्रण को खत्म करने का आह्वान किया है ताकि अंतर-ब्लॉक व्यापार को मजबूत किया जा सके और वैश्विक दक्षिण के भीतर अधिक एकजुटता को बढ़ावा दिया जा सके। मंत्रालय ने बताया कि 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक 21 मई को ब्राजील की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसका विषय अधिक समावेशी और टिकाऊ शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूती था। भारत ने इस मंच का

उपयोग ब्रिक्स सदस्यों के बीच निर्यात नियंत्रण का विरोध करने के लिए किया, जिससे ब्लॉक के भीतर आपसी सहयोग को बढ़ावा मिला।

15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक का एक प्रमुख परिणाम तीन अनुलग्नकों सहित संयुक्त घोषणा का अनुमोदन थाः-

-विश्व व्यापार संगठन में सुधार और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को मजबूत बनाने पर ब्रिक्स घोषणापत्र।

-ब्रिक्स डेटा अर्थव्यवस्था शासन समझ।

-ब्रिक्स व्यापार और सतत विकास कार्यक्रम।

भारत साल 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने की तैयारी कर रहा है। भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार मुद्दों का समाधान करने में ब्राजील की अध्यक्षता के समाधान-उन्मुख दृष्टिकोण की सराहना की।

भारत ने लंबे समय से चले आ रहे विकास संबंधी मुद्दों को हल करने की जरूरतों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण (पीएसएच) के स्थायी समाधान की मांग की। 30 फॉर 30 के भारतीय प्रस्ताव पर भी जोर दिया गया, जो 2025 में डब्ल्यूटीओ की 30वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए 30 वृद्धिशील सुधार पेश करने का प्रयास करता है।

रुपया 67 पैसे उछला

एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी राजकोषीय परिदृश्य को लेकर बढ़ी चिंता से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 67 पैसे उछलकर 85.28 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.95 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया चार पैसे फिसलकर 85.99 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यही इसका दिवस का निचला स्तर भी रहा। वहीं, आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली होने से यह 85.14 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 85.95 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 67 पैसे उछलकर 85.28 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राजकोषीय परिदृश्य को लेकर बढ़ती चिंताओं के चलते डॉलर में कमजोरी देखी गई, जिसका लाभ रुपये को मिला और रुपये में मजबूती दर्ज की गई।बाजार विश्लेषक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कर कटौती विधेयक के संभावित

प्रभाव का मूल्यांकन कर रहे हैं, जिससे अमेरिकी ऋण में उल्लेखनीय वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। निवेशकों के बीच इस बात को लेकर चिंता है कि यह विधेयक अमेरिका के वित्तीय घाटे को और गहरा कर सकता है, जिससे डॉलर पर दबाव बढ़ा है।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र को 2.68 लाख करोड़ रुपये अधिशेष हस्तांतरण को दी मंजूरी

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल ने केंद्र सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.68 लाख करोड़ रुपये का भारी लाभांश देने को अपनी मंजूरी दे दी है, जो वित्त वर्ष 2023-24 के लाभांश भुगतान 2.1 लाख करोड़ रुपये से 27.4 फीसदी अधिक है। इसके पहले वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भुगतान वितरण 87,416 करोड़ रुपये रहा था। इससे केंद्र को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटे को 4.4 फीसदी तक कम करने में मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 616वीं बैठक आज मुंबई में गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में रिजर्व बैंक ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र सरकार को

2,68,590.07 करोड़ रुपये करोड़ रुपये (2.69 ट्रिलियन रुपये) का अधिशेष हस्तांतरण करने की घोषणा की है। यह केंद्रीय बैंक का अब तक का सबसे बड़ा हस्तांतरण है, जिससे चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार के राजकोषीय संसाधनों को काफी बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा केंद्रीय बोर्ड की 616वीं बैठक में आरबीआई अधिकारियों ने वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की है, जिसमें भविष्य के लिए जोखिम भी शामिल थे। 202425 में लाभांश भुगतान पिछले वित?त वर्ष 2023-24 की तुलना में 27.37 फीसदी अधिक है। इसके अलावा आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) को पिछले 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7.50 फीसदी कर दिया गया है। केंद्रीय बोर्ड की बैठक में डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव, टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे., डॉ. पूनम गुप्ता और केंद्रीय बोर्ड के अन्य निदेशक, अजय सेठ, सचिव, आर्थिक मामले विभाग, नागराजू मद्दिराला, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, सतीश के. मराठे, रेवती अय्यर, प्रो. सचिन चतुर्वेदी, पंकज रमनभाई पटेल और डॉ. रवींद्र एच. ढोलकिया शामिल हुए।

रिलायंस समूह पूर्वोत्तर राज्यों में 75 हजार करोड़ का करेगा निवेश :मुकेश अंबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि उनका समूह पूर्वोत्तर राज्यों में 350 बायोगैस संयंत्र की स्थापना, अपनी दूरसंचार सेवाओं, खुदरा कारोबार एवं स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार पर 75 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा

मुकेश अंबानी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि रिलायंस जियो पूर्वोत्तर राज्यों के सभी स्कूलों, अस्पतालों, उद्यमों और घरों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जोड़ेगा। उन्होंने बताया कि जियो ने पहले ही क्षेत्र की 90 फीसदी आबादी को कवर कर लिया है, जिसमें 5 मिलियन से अधिक 5-जी ग्राहक हैं, जबकि इस साल इस संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य है।

मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो की प्राथमिकता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की क्रांतिकारी शक्ति को सभी स्कूलों, अस्पतालों, उद्यमों और घरों तक पहुंचानी होगी। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर राज्यों में रिलायंस के निवेश को दोगुना करने का भी वादा किया, जिसका लक्ष्य 75 हजार करोड़ रुपये है। रिलायंस ने पिछले 40 वर्षों में इस क्षेत्र में पहले ही करीब 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट के दौरान मुकेश अंबानी ने क्षेत्र के विकास में तेजी लाने के लिए छह सूत्री प्रतिबद्धताएं रखीं, जिसमें निवेश, कनेक्टिविटी, कृषि, स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और खेल शामिल हैं। उन्होंने इसके हिस्से के रूप में पूर्वोत्तर में रिलायंस फाउंडेशन के प्रमुख पहलों की घोषणा की, जिसमें मणिपुर में एक नए 150-बेड वाले अस्पताल, मिजोरम विश्वविद्यालय के साथ जीनोमिक अनुसंधान साझेदारी और गुवाहाटी में एक अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स लैब के जरिए इस क्षेत्र में विश्व स्तरीय कैंसर देखभाल लाना शामिल है।

आरबीआई ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर लगाया 63.60 लाख का जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) पर नियामकीय निर्देशों के उल्लंघन के चलते 63.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने

बताया कि उसने 31 मार्च 2023 और 31 मार्च 2024 को बैंक की वित्तीय स्थिति के संबंध में निरीक्षण किया था, जिसके दौरान उसने पाया कि यूबीआई में जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष (डीईएएफ) में तय समय सीमा के भीतर आवश्यक राशि का हस्तांतरण नहीं किया गया। गिरवी मुक्त कृषि ऋण के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन में बैंक ने कुछ मामलों में 1.60 लाख रुपये तक के कृषि ऋण पर गिरवी मांगा। इन उल्लंघनों के मद्देनजर आरबीआई ने बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। बैंक के जवाब, अतिरिक्त स्पष्टीकरण और व्यक्तिगत सुनवाई में दी गई दलीलों पर विचार करने के बाद यह निर्णय लिया गया कि नियमों का उल्लंघन हुआ है। इसके बाद यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर यह जुर्माना लगाया गया है।

मनोहर लाल ने कर्नाटक में समय पर बकाया भुगतान और ट्रांसमिशन बाधाओं के समाधान का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने बेंगलुरु में कर्नाटक के विद्युत क्षेत्र की व्यापक समीक्षा की। मंत्री ने राज्य से अपनी विद्युत वितरण कंपनियों के वार्षिक वित्तीय नुकसान को कम करने के साथ लागत आधारित टैरिफ लागू करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्?होंने सरकारी विभागों से संबंधित बकाया और सब्सिडी के समय पर भुगतान के महत्व को रेखांकित किया विद्युत मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस समीक्षा बैठक में केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक, कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज तथा केंद्र सरकार, राज्य सरकार और आरईसी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान राज्य सरकार ने कर्नाटक में विद्युत उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। विद्युत उत्पादन मिश्रण, ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे के लिए राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) में चुनौतियों और वितरण बुनियादी ढांचे

को बेहतर बनाने के लिए समर्थन की आवश्यकता जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। मनोहर लाल ने जोर देकर कहा कि उनका यहा दौरा जमीनी स्तर के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने और राज्य में विद्युत आपूर्ति को मजबूत करने के लिए नई पहलों की खोज करना है। मंत्री ने राज्य से अपनी विद्युत वितरण कंपनियों के वार्षिक वित्तीय नुकसान को कम करने और लागत-आधारित टैरिफ लागू करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने सरकारी विभागों से संबंधित बकाया और सब्सिडी के समय पर भुगतान के महत्व को रेखांकित किया और राज्य को अगस्त

मनोहर लाल ने जोर देकर कहा कि उनका यहा दौरा जमीनी स्तर के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने और राज्य में विद्युत आपूर्ति को मजबूत करने के लिए नई पहलों की खोज करना है।

2025 तक सरकारी प्रतिष्ठानों, स्थानीय निकायों और कॉलोनियों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर पूरी तरह से लगाने की सलाह दी। उन्होंने सरकारी बिजली बकाया के कुशल प्रबंधन के लिए एक केंद्रीकृत भुगतान तंत्र की जरूरत पर भी जोर दिया मनोहर लाल ने राज्य सरकार को वाणिज्यिक, औद्योगिक और अन्य उपभोक्ता श्रेणियों के लिए स्मार्ट मीटरिंग के रोलआउट को समयबद्ध तरीके से तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे को बाधित करने वाले आरओडब्ल्यू मुद्दों के शीघ्र समाधान की सलाह दी और भारत सरकार द्वारा जारी मुआवजा तंत्र को अपनाने का आह्वान किया।

मेराज अहमद खान और गनेमत सेखों ने दूसरे शॉटगन राष्ट्रीय ट्रायल्स में हासिल किया शीर्ष स्थान

एजेंसी
नई दिल्ली। ओलंपियन मेराज अहमद खान और गनेमत सेखों ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित दूसरे शॉटगन नेशनल ट्रायल्स की स्कीट स्पर्धा के फाइनल में शीर्ष स्थान हासिल किया। मेराज ने फाइनल में 55 का स्कोर करते हुए पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके अनंतजीत सिंह नरूका को एक अंक से हराया, जिन्होंने 54 अंक बनाए। गनेमत ने भी एक अंक के अंतर से जीत दर्ज की, उन्होंने 53 का स्कोर किया जबकि महेश्वरी चौहान ने 52 अंक प्राप्त किए। पुरुष और महिला वर्ग में अंगद वीर सिंह बाजवा और परिनाज ढालीवाल ने क्रमशः तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन के अंतिम दो राउंड में भवतेग सिंह गिल ने 22 और 24 का स्कोर किया, जिससे उनका कुल स्कोर 73 से बढ़कर पहले स्थान के लिए पर्याप्त रहा। मेराज ने कुल 118 का स्कोर किया, जबकि स्मित सिंह (117), अंगद (116), और अनंतजीत (115) ने टॉप छह क्वालिफायर में जगह बनाई। महिला वर्ग में गनेमत ने क्वालिफिकेशन राउंड में 114 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। महेश्वरी और परिनाज ने 113-113 अंक प्राप्त किए। ओशमी श्रीवास (108), दर्शना राठौड़ (107, SO-3), और मानसी रघुवंशी (107, SO-2) ने टॉप छह में जगह बनाई। जूनियर वर्ग के लिए अलग चयन ट्रायल आयोजित नहीं किया गया था।

भारतीय सर्फिंग महासंघ ने की इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग के छठे संस्करण की घोषणा

मंगलुरु। भारतीय सर्फिंग महासंघ (एसएफआई) ने इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग (आईओएस) के छठे संस्करण की घोषणा की है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता, जो नेशनल सर्फिंग चैंपियनशिप सीरीज़ का दूसरा चरण है, 30 मई से 1 जून 2025 तक कर्नाटक के मंगलुरु स्थित ससिहित्लु बीच की खूबसूरत पृष्ठभूमि में आयोजित की जाएगी। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता की मेज़बानी मंत्रा सर्फ क्लब करेगा और इसका आयोजन सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा। इंटरनेशनल सर्फिंग एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त इस प्रतियोगिता में भारत के शीर्ष सर्फर चार श्रेणियों पुरुष ओपन, महिला ओपन, ग्रोम्स (अंडर-16) लड़के और ग्रोम्स (अंडर-16) लड़कियों में भाग लेंगे। आईओएस से पहले अप्रैल में आयोजित इंटरनेशनल सर्फिंग फेस्टिवल केरल वरकला 2025 इस सीरीज़ का पहला चरण था। आईओएस, राष्ट्रीय चैंपियनशिप की रैंकिंग के लिए महत्वपूर्ण अंक प्रदान करता है और भारत के पूर्वी व पश्चिमी तटीय राज्यों के सर्फर्स के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलता है।पिछले साल भारत ने पहली बार मल्टीस्पोर्ट इवेंट (एशियन गेम्स 2026) के लिए सर्फिंग में दो कोटा स्थान प्राप्त किए थे, जो मालदीव में आयोजित एशियन सर्फ चैंपियनशिप 2024 में हासिल किए गए थे। इस वर्ष का आईओएस विशेष महत्व रखता है क्योंकि इससे एशियन सर्फ चैंपियनशिप (जो एशियन गेम्स के लिए क्वालिफायर है) के लिए रैंकिंग में सुधार का अवसर मिलेगा।

हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 का चेन्नई में 18 जून से होगा आगाज, 27 तक होंगे मुकाबले

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 (पुरुष एवं महिला वर्ग) के पहले संस्करण की तारीख और वेन्यू की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की मेज़बानी तमिलनाडु हॉकी यूनिट करेगी और मुकाबले चेन्नई में 18 जून से 27 जून 2025 तक खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट भारतीय हॉकी में एक नई शुरुआत है, जो अनुभवी और पूर्व खिलाड़ियों के लिए एक समर्पित मंच प्रदान करता है। पुरुषों और महिलाओं, दोनों वर्गों में खेले जाने वाले इस आयोजन के ज़रिए यह दिखाया जाएगा कि चाहे उम्र कितनी भी हो, खेल के प्रति जुनून और समर्पण कभी खत्म नहीं होता। टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पुरुष खिलाड़ियों की उम्र 40 वर्ष या उससे अधिक, जबकि महिला खिलाड़ियों की उम्र 35 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य है। दोनों कैटेगरी में भाग लेने वाली टीमों के नाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे। खिलाड़ी अपनी-अपनी राज्य सदस्य इकाइयों के माध्यम से पंजीकरण कराकर इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट प्रारूप में आयोजित होगी, जिसमें पूल का निर्धारण टीमों की अंतिम संख्या के आधार पर किया जाएगा। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा ने इस आयोजन को लेकर खुशी जताई और कहा, पहले हॉकी इंडिया मास्टर्स कप का हिस्सा बनना मेरे लिए एक बेहद भावुक और रोमांचक क्षण है।

इशान और कमिंस ने बिगाड़ा आरसीबी का खेल,हैदराबाद 42 रन से जीता

लखनऊ। विराट कोहली (43) और फिल साल्ट (62) की दमदार पारियां नवाबों के शहर लखनऊ में सनराइजर्स हैदराबाद के इशान किशन (94 नाबाद) और पैट कमिंस (28 रन पर तीन विकेट) के प्रदर्शन के आगे फीकी पड़ गयीं और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 65 मैच में 42 रन की हार के साथ मायूस होकर अंकतालिका में तीसरी पायदान खिसकना पड़ा। अभिषेक शर्मा (34 रन) की तेज शुरुआत के बाद इशान किशन की शानदार अर्धशतकीय पारी की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने छह विकेट पर 231 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में आरसीबी की पारी निर्धारित 20 ओवर में 189 रन पर सिमट गयी। आरसीबी की अब तक खेले गये 13 मैचों में यह चौथी हार है और वह 17 अंकों के साथ अंकतालिका में गुजरात जायंट्स और पंजाब किंग्स के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गयी है वहीं प्लेऑफ से पहले ही बाहर हो चुकी हैदराबाद की 13 मैचों में यह पांचवीं जीत है।

जिनेवा ओपनः जोकोविच 100वें एटीपी खिताब के एक कदम दूर, सेमीफाइनल में नॉरी को हराया

एजेंसी
जिनेवा। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कैमरन नॉरी को हराकर जिनेवा ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ वह अपने करियर के 100वें द्धह्लद्बश्चद्ध खिताब से महज एक कदम दूर पहुंच गए हैं। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने सेमीफाइनल मुकाबले में ब्रिटेन के नॉरी को 6-4, 6-7 (6/8), 6-1 से हराया। पहला सेट जोकोविच ने सातवें गेम में ब्रेक हासिल कर 6-4 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में वह 5-2 से पिछड़ने के बावजूद टाईब्रेक तक मुकाबला ले गए, लेकिन एक मैच पॉइंट गंवाकर सेट 6-7 से गंवा दिया। निर्णायक सेट में जोकोविच

पूरी तरह हावी नजर आए। उन्होंने शुरुआती तीन गेम लगातार जीतते हुए 3-0 की बढ़त बनाई और अंततः दूसरा मैच पॉइंट भुनाते हुए मुकाबला अपने नाम किया। अब फाइनल में जोकोविच का सामना पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज से होगा। अगर वह यह खिताब जीतते हैं, तो एटीपी टूर में 100 खिताब जीतने वाले जिमी कोनर्स और रोजर फेडरर के बाद तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे। 38 वर्षीय जोकोविच का यह इस सीजन में पहला फाइनल है। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था, लेकिन उसके बाद से कोई खिताब नहीं जीता। यह टूर्नामेंट उन्होंने फ्रेंच ओपन की तैयारी के लिए चुना है। जोकोविच अब रविवार से शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन में उतरेंगे, जहां उनका पहला मुकाबला अमेरिका के मैकेंज़ी मैकडॉनल्ड से होगा। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में चौथी बार खिताब जीतकर अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल करना चाहेंगे।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 के दौरान डोपिंग रोधी जागरुकता केंद्र बना दीव

एजेंसी
दीव। दीव में 19 मई से शुरू हुए खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 (केआईबीजी) के दौरान भारत की राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) अपने काम को प्रभावी रूप से अंजाम दे रही है। नाडा की प्रमुख डोप नियंत्रण अधिकारी डॉ. उषा सुभाष निकुंभ अपने स्वयंसेवकों की टीम के साथ एथलीट्स के बीच डोपिंग के खिलाफ जागरूकता फैला रही हैं। वे हर खेल स्थल पर पहुंचीं और वहां पर उपस्थित खिलाड़ियों को हिंदी और अंग्रेजी में रंगीन जानकारीपूर्ण पर्चे वितरित किए, जिनमें डोपिंग से बचने के तरीके और नियमों की जानकारी दी गई थी डॉ. निकुंभ ने (भारतीय खेल प्राधिकरण) साई मीडिया को बताया कि उन्होंने यह पहल 2018 में शुरू की थी। इस अभियान का उद्देश्य एथलीट्स को यह बताना है कि वे स्वच्छ तरीके से कैसे प्रतिस्पर्धा करें और किन बातों का ध्यान रखें ताकि वे अनजाने में भी किसी डोपिंग उल्लंघन के शिकार न हों। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रीय चैंपियनशिप, अकादमियों, संस्थानों और हाल ही में संपन्न हुए बिहार के खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भी इस तरह की जागरूकता गतिविधियों के साथ मौजूद थीं। उनके अनुसार, इस कार्यक्रम की वजह से अब खिलाड़ियों में पहले की तुलना में अधिक जागरूकता है और डोपिंग उल्लंघनों के मामले भी घटे हैं। डॉ. उषा और उनकी टीम ने चार अलग-अलग तरह के पर्चे बांटे। एक पर्चे का नाम ऑल अबाउट वेयरअबाउट्स था, जिसमें रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (आटीपी) में शामिल खिलाड़ियों को अपनी दैनिक गतिविधियों की जानकारी, ठहरने का स्थान, संपर्क विवरण और एक तय समय स्लॉट बताना जरूरी होता है।

आईपीएल 2025 : क्रुणाल पांड्या हिट विकेट होने वाले दूसरे बल्लेबाज़ बने

एजेंसी
नई दिल्ली। लखनऊ में खेले गए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मुकाबले में एक अनोखा और दुर्भाग्यपूर्ण विकेट देखने को मिला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से बल्लेबाजी कर रहे क्रुणाल पांड्या हिट विकेट होकर आउट हुए। आईपीएल 2025 में यह दूसरा मौका है जब कोई बल्लेबाज़ इस अंदाज़ में आउट हुआ है।

क्रुणाल पांड्या इस सीज़न हिट विकेट आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज़ बने हैं। इससे पहले अभिनव मनोहर को इसी तरह का अजीबो-गरीब आउट देखा गया था। पूरे आईपीएल इतिहास की बात करें तो पांड्या अब इस तरह आउट होने वाले 17वें बल्लेबाज़ हैं। यह घटना दूसरे इनिंग्स के 19वें ओवर में घटी जब पांड्या पैट कमिंस की गेंद का सामना कर रहे थे। वह यॉर्कर गेंद को खेलने के लिए क्रीज़ में काफी पीछे चले गए, लेकिन शॉट खेलते वक्त उनका बल्ला स्टंप्स से टकरा गया। गेंद बल्ले से नहीं लगी, लेकिन बल्ले से लगी गिल्लियां ज़रूर गिर गईं। इसके बाद पांड्या सिर हिलाते हुए पहले सीज़न में हुई थी। तब से अब तक 17 खिलाड़ी इस तरीके से आउट हो चुके हैं। इस मुकाबले में

मात्र 6 गेंदों में 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

आईपीएल में सबसे पहले हिट विकेट का शिकार मुसाविर खोते बने थे। यह घटना 2008 में लीग के सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 231 रन बनाए। जवाब में आरसीबी की टीम 19 ओवर में 189 रन पर ही ढेर हो गई।

श्रेयस अय्यर के बल्लेबाजी क्रम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा- ब्रैड हैडिन

एजेंसी
जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले से पहले पंजाब किंग्स के असिस्टेंट कोच ब्रैड हैडिन ने टीम की बल्लेबाजी यूनिट पर भरोसा जताते हुए साफ किया कि कप्तान श्रेयस अय्यर के बल्लेबाजी क्रम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अय्यर को नीचे के क्रम में बल्लेबाजी करते देखा गया था, जिस पर हैडिन ने कहा,उस दिन की परिस्थिति कुछ अलग थी। उनकी उंगली की चोट के बावजूद उन्होंने मैदान में उतरकर बहादुरी दिखाई। वह फील्डिंग के दौरान बाउंड्री पर सक्रिय रहे और अब वह फिर से नंबर 3 पर ही बल्लेबाजी करेंगे।

वह इस पूरे टूर्नामेंट में बल्लेबाज और कप्तान दोनों रूप में शानदार रहे हैं। हैडिन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारे टॉप ऑर्डर ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। शशांक और उमरजई ने जब भी जरूरत पड़ी, टीम के लिए उपयोगी पारियां खेली हैं। शशांक ने कुछ अर्धशतक लगाए हैं और उमर ने भी अच्छा योगदान दिया है। इस स्टेज पर हमें सभी बल्लेबाजों की स्थिति पर संतोष है। लॉकी फर्ग्युसन की जगह और कोचिंग स्टाफ से लगातार बात कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अगली बार जब वह मैदान में उतरेंगे, तो वह टीम की अपेक्षा के मुताबिक खेलेंगे। पंजाब किंग्स पहले ही

टीम से जुड़े मिचेल ओवेन के पिछले मैच में खास प्रदर्शन नहीं कर पाने के बावजूद कोच ने उन पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, मिच ताकतवर स्ट्राइकर हैं। अब उन्होंने यहां की परिस्थितियों को समझ लिया है। वह भारतीय बल्लेबाजों प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है, लेकिन हैडिन का कहना है कि टीम की नजरें अब भी मजबूती से तय लक्ष्यों पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, हमने खिलाड़ियों से काफी पहले ही इस बात पर चर्चा की थी कि हमें कैसा क्रिकेट खेलना है।

जानुष कुसोचिंस्की मेमोरियल 2025: दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा, 22वीं बार टॉप-2 में खत्म किया मुकाबला

एजेंसी
नई दिल्ली। पोलैंड में हुए जानुष कुसोचिंस्की मेमोरियल 2025 जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने दमदार वापसी करते हुए आखिरी प्रयास में 84.14 मीटर का थ्रो फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में जर्मनी के जूलियन वेबर ने 86.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया, जो उन्होंने दूसरे राउंड में फेंका। वहीं, ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.24 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे नंबर पर रहे। नीरज ने अपने आखिरी प्रयास में बाज़ी मारते हुए पीटर्स को पीछे धकेला।

ओलंपिक चैंपियन नीरज की शुरुआत इस बार फीकी रही। उन्होंने पहला प्रयास फाउल किया, जबकि दूसरे राउंड में 81.28 मीटर का थ्रो फेंका। तीसरे और चौथे प्रयास में भी वे फाउल कर बैठे। हालांकि, पांचवें राउंड में उन्होंने खुद को बेहतर करते हुए 81.80 मीटर तक पहुंचे और आखिरी प्रयास में 84.14 मीटर की दूरी तय कर टॉप-2 में अपनी जगह सुनिश्चित की। नीरज चोपड़ा के लिए यह लगातार 22वां इवेंट रहा, जिसमें उन्होंने टॉप-2 में जगह बनाई है। आखिरी बार वे 26 जून 2021 को फिनलैंड में हुए कूओर्तानें गेम्स में टॉप-2 से बाहर रहे थे। नीरज चोपड़ा अब 24 जून को चेक गणराज्य में होने वाले ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट में हिस्सा लेंगे, जहां वे एक बार फिर पोडियम फिनिश की कोशिश करेंगे।

बंगाल प्रो टी20 लीगः सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के मेंटर बने ऋद्धिमान साहा

एजेंसी
कोलकाता। भारतीय टीम के पूर्व अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋद्धिमान साहा को बंगाल प्रो टी20 लीग के दूसरे सीजन के लिए सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स का मेंटर नियुक्त किया गया है। यह लीग जून 2025 में आयोजित होगी। ऋद्धिमान साहा ने भारत के लिए 40 टेस्ट, नौ एकदिवसीय और 255 टी20 मुकाबलों में हिस्सा लिया है। अब वह सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की पुरुष और महिला दोनों टीमों को रणनीतिक मार्गदर्शन देंगे। इसके साथ ही वे फ्रेंचाइज़ी के साझेदार सर्वोटेक स्पोर्ट्स को प्रतिभा विकास के मुद्दों पर सलाह देंगेस्ट्राइकर्स टीम की प्रेस विज्ञप्ति में साहा ने कहा कि मैं सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स से बतौर मेंटर जुड़कर बेहद उत्साहित हूं। मुझे विश्वास है कि मेरे अनुभव से युवा खिलाड़ी लाभ उठाएंगे और बड़े मंच पर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकेंगे।

सर्वोटेक स्पोर्ट्स के निदेशक ऋषभ भाटिया ने कहा कि साहा का तकनीकी ज्ञान और नेतृत्व हमारे लिए अमूल्य है। उनकी मेहनत और मैदान पर समर्पण हमारी टीम की सोच से पूरी तरह मेल खाता है। हम उनका स्वागत करते हैं। इस महीने की शुरुआत में आयोजित महिला खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने एक मजबूत महिला टीम का चयन किया। मुंबई इंडियंस की ओर से विमेंस प्रीमियर लीग में खेल चुकीं भारतीय खिलाड़ी प्रियांका बाला को महिला टीम की मार्की खिलाड़ी के रूप में बरकरार रखा गया है।बंगाल प्रो टी20 लीग के दूसरे संस्करण में कुल 188 खिलाड़ियों में से 128 का चयन किया गया, जिसमें स्ट्राइकर्स की महिला टीम काफी संतुलित मानी जा रही है।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025: हरियाणा ने कबड्डी में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में जीते स्वर्ण पदक

एजेंसी
दीव। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 के तहत सुबह घोघला बीच पर खेले गए फाइनल मुकाबलों को जीतकर हरियाणा ने कबड्डी में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक हासिल करके दबदबा कायम रखा। कबड्डी के इस दिग्गज राज्य ने इस महीने की शुरुआत में बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में भी यही उपलब्धि हासिल की थी। महाराष्ट्र ने दोनों वर्गों में कांस्य पदक अपने नाम किए।

पुरुष वर्ग के फाइनल में हरियाणा के कप्तान मोनू हुड्डा की अगुवाई में टीम ने राजस्थान पर पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए 48-29 से एकतरफा जीत दर्ज की। हरियाणा ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले हाफ के अंत तक 33-11 की बढ़त बना ली थी। दो सीज़न

तक प्रो कबड्डी में हरियाणा स्टीलर्स की ओर से खेल चुके 23 वर्षीय मोनू हुड्डा वर्तमान में साई सोनीपत में प्रशिक्षण ले रहे हैं। मोनू ने मैच के बाद साई मीडिया से कहा, ÷यहां और मैट पर खेलने में तकनीकी अंतर है। यहां हर रेड 'डू ऑर डाई' होती है और हमें रस्सी पार नहीं करनी होती। हमें अंदर ही रहना होता है। उन्होंने आगे कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमें यहां खेलने का मौका मिला और हम स्वर्ण पदक जीत पाए। खेलो इंडिया बीच गेम्स में प्रबंधन और सुविधाएं बहुत अच्छी हैं। रेत पर खेलने से पकड़ की ताकत और संतुलन बढ़ता है, जबकि मैट पर स्पीड अधिक होती है। इस वजह से हमें यहां स्थिरता पर अधिक ध्यान देना पड़ता है।महिला वर्ग के फाइनल में हरियाणा की टीम को हिमाचल प्रदेश की मजबूत चुनौती का सामना करना पड़ा। हरियाणा की युवा महिला टीम, जिसकी औसत आयु 21 वर्ष है, ने कड़े मुकाबले में 45-38 से जीत दर्ज की। पहले हाफ में मुकाबला बेहद करीबी रहा व हरियाणा को सिर्फ 22-20 की बढ़त मिल सकी थी।

बारिश के कारण वेस्टइंडीज बनाम आयरलैंड मैच हुआ रद्द

डबलिन। बारिश के कारण वेस्टइंडीज और आयरलैंड के बीच खेला जा रहा दूसरा एकदिवसीय मैच रद्द कर दिया गया। लगातार हो रही बारिश के कारण दूसरी पारी में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। इससे पहले केसी कार्टी (102) रनों की शतकीय, मैथ्यू फोर्ड (58), शे होप (49) और जस्टिन ग्रीव्स (नाबाद 44) रनों की पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को जीत के लिए 353 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां कैसल ऐवन्यू स्टेडियम में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट 20 और उसके बाद दूसरा विकेट 46 के स्कोर पर गवां दिया

प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स दमन-दीव में मप्र के खिलाड़ियों ने जीते दो स्वर्ण पदक

एजेंसी
भोपाल। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा देश में पहली बार आयोजित प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स में मध्य प्रदेश के पेंचक सिलाट खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इनमें पेंचक सिलाट के टेण्डिंग (फाइट) इवेन्ट में मध्य प्रदेश के अजय कालिया और महेन्द्र स्वामी ने 1-1 स्वर्ण पदक जीते हैं। दरअसल, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा देश में पहली बार प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स का आयोजन 19 से 24 मई तक दमन दीव के घोघला द्वीप में किया जा रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश के 39 खिलाड़ी और 11 आफिशियल्स सहित कुल 50 सदस्यीय दल प्रतिभागिता कर रहे है। मध्य प्रदेश के पेंचक सिलाट खिलाड़ियों ने अब तक दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित कुल पांच पदक अर्जित किये है। प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दोनों स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने पेंचक सिलाट में पांच पदक अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स में कुल 8 खेल शामिल है। इनमें- सेपक ताक्रो, 2. पेंचक सिलाट, 3. बीच कबड्डी, 4. ओपन वॉटर स्विमिंग, 5. बीच व्हॉलीबाल 6. बीच सॉकर 7. मल्लखम्ब और 8.टग आफ वार डेमो स्पोर्ट्स के रूप में शामिल हैं। खेले गए पेंचक सिलाट के टेण्डिंग (फाइट) 70 से 75 किग्रा बालक व्यक्तिग इवेन्ट में मध्य प्रदेश के अजय कैला ने स्वर्ण पदक, अंडमान निकोबार के एम लोगार्जुन ने रजत पदक और हवेली दमन एवं द्वीप

के हंसदा आकाश ने कांस्य पदक अर्जित किया। इसी तरह फाइट (टेण्डिंग) 85 से 90 किग्रा बालक व्यक्तिग स्पर्धा में मध्य प्रदेश के महेन्द्र स्वामी ने स्वर्ण पदक, जम्मू एण्ड कश्मीर के जिब्रान मकसूद ने रजत पदक और उडीसा के रूद्र प्रताप संदगी कांस्य पदक अपने नाम किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पतंजलि ऋषिकुल के बच्चों ने लहराया परचम

एजेंसी
प्रयागराज। नई दिल्ली में आयोजित राज्य स्तरीय स्टेयर्स नेशनल गेम्स 2024-25 में पतंजलि ऋषिकुल, प्रयागराज के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक अर्जित किए। यह जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य नित्यानंद सिंह ने को दी। उन्होंने बताया कि देश भर से आए 20 से अधिक विद्यालयों के प्रतिभागियों के बीच हुए इस बहु प्रतिष्ठित आयोजन में ऋषिकुल के खिलाड़ियों ने अनुशासन, समर्पण और कौशल का अद्वितीय परिचय देते हुए प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय की लड़कियों ने अपने शानदार तकनीकी कौशल, सशक्त शारीरिक क्षमता, प्रभावी संचार और टीम भावना के बल पर अंडर-12 व अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक जबकि लड़कों ने अंडर-17 में रजत पदक प्राप्त किया। बास्केटबॉल के मैदान पर भी ऋषि कुलाइट्स ने सटीक पास, त्रुटिहीन डिफेंस और शार्प शूटिंग के दम पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बालिका वर्ग में अंडर-12, अंडर-14 एवं अंडर-17 श्रेणियों में स्वर्ण पदक तथा बालक वर्ग में अंडर-14 में स्वर्ण पदक और अंडर-17 में कांस्य पदक अर्जित किया। ताइक्वांडो में भी छात्रों ने अपनी तेज किकिंग और स्पिनिंग जैसीतकनीकों से प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया।

जिसमें अंडर-10 में कृत यादव तथा अंडर-8 में भानवी जैनव अक्षिता सिंह ने स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं अंडर-10 में आद्या सरोज ने कांस्य पदक प्राप्त किया। वहीं योग में भी विद्यालय के प्रतिभागियों ने अपनी मानसिक एकाग्रता, धैर्य एवं दृढ़ता का परिचय देते हुए लड़कियों व लड़कों के अपने-अपने वर्ग में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया। जिसमें अंडर-14 में भूविशा आहूजा ने कांस्य पदक तथा अंडर-17 में सारांश सिंह ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ाई।छात्रों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य नित्यानंद सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा, ÷हमारे छात्र जिस प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास के साथ खेल मैदान में उतरे, वह अत्यंत सराहनीय है। यह उपलब्धियां उनके सतत अभ्यास, खेलों के प्रति उनकी लगन और हमारे प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल हैं। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। विद्यालय की उपाध्यक्षा डॉ. कृष्णा गुप्ता भी बच्चों के प्रदर्शन से रोमांचित थीं। उन्होंने कहा कि असाधारण प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और छात्रों की सफलता उनके अथक प्रयास का प्रमाण है। विद्यालय की निदेशिका रेखा बैद एवं सचिव यशोवर्धन ने भी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, ÷पतंजलि ऋषिकुल का यह विश्वास रहा है कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। बल्कि खेलों, संस्कारों और नैतिक मूल्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। हमारे छात्र जिस तरह खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इस शानदार उपलब्धि के लिए सभी विजयी छात्रों, कोचों, अभिभावकों और विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए यह आशा व्यक्त की गई कि भविष्य में भी पतंजलि ऋषिकुल के छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

खाना बनाना पहली पसंद...

यहाँ स्त्री-पुरुष का भेद भी नहीं है; स्त्री हो या पुरुष कई सेलिब्रिटीज का चुनाव चिह्न (!) अब बेलन है। पाककला के अड्डे में कई बड़े-बड़े उतर आए हैं। चलिए आज मिलते हैं ऐसी ही कुछ सेलिब्रिटीज से, जिनकी 'भाषा लजीज' और 'खाना बौद्धिक' है; और इसमें कुछ भी उल्टा-पुल्टा नहीं है, सब सीधा-सीदा है। खाना बनाना आखिर कोई कम दिमाग का काम थोड़े ही है!

एक समय था जब कुकिंग को केवल घरेलू कार्य ही माना जाता था। कार्य विभाजन के चलते रसोईघर स्त्रियों को ही सौंपा जाता था खासकर घरेलू स्त्रियों को। हालाँकि मोटे तौर पर यह आज भी सत्य है, पर इस बीच एक और सत्य खंगाल लिया गया है कि कुकिंग एक ऐसी कला है जिसके गुणग्राहक लगभग सभी हैं। 'अच्छा भोजन' हर किसी को अच्छा लगता है। यह सत्य अन्वेषित करते ही कई बड़े-बड़े 'कलाकार' कुकिंग के क्षेत्र में उतर आए हैं।

अच्छा भोजन पकाना अब न बोरिंग कहलाता है, न घरेलू कहकर सीमित किया जाता है बल्कि इसे एक अंतरराष्ट्रीय कला विधा का दर्जा प्राप्त हो गया है। इसके चलते कई कलमकारों ने कलम के साथ ही खुर्ची ले ली है। रंग व ब्रश वाले हाथ गरम तवे पर छींटे डालते नजर आते हैं, तो कहीं बुद्धिजीवी कहलाने वाले चिंतक, पत्रकारों, सोशलाइट्स ने भी बावर्ची की टोपी पहन ली है।

पद्मालक्ष्मी की गिनती विश्व की दिग्गज सुपर मॉडलों में होती है। एक छात्रा रहते ही मॉडल के रूप में कोई 2 लाख रुपए प्रतिदिन कमाने वाली पद्मालक्ष्मी हमेशा एक अत्याधुनिक, फैशनेबल महिला के रूप में जानी जाती रही हैं। अभिनय के क्षेत्र में भी उनका दखल है। एक ऐसी जगह है,जहाँ ऐसी 'हाई लाइफ' जीने वाली महिला को पाने की उम्मीद प्रायः आप और हम नहीं करते। वह है रसोईघर... लेकिन यह क्या! पद्मालक्ष्मी तो यहाँ भी मौजूद हैं! वे न सिर्फ खाना पकाती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खान-पान विशेषज्ञ के रूप में ख्याति पा चुकी हैं। कुकिंगसंबंधी अनेक टीवी शोज कर चुकीं पद्मालक्ष्मी 1999 में लेखिका भी बनीं, जब उन्होंने मॉडल्स के खान-पान पर केंद्रित पुस्तक 'इजी एक्जोटिक' लिखी और अपनी इस पहली ही पुस्तक के लिए पुरस्कृत भी हुईं। दरअसल एक पार्टी में एक प्रकाशक हार्वे वाइनस्टीन ने पद्मालक्ष्मी को आम लोगों की ही तरह खाते हुए देखा तो उन्हें आश्चर्य हुआ, क्योंकि आम तौर पर यही देखा गया है कि मॉडल्स अपना फिगर मैंटेन करने की खातिर भुखमरी की कगार तक चली जाती हैं। उन्होंने पद्मा से मॉडल्स की खुराक पर केंद्रित किताब लिखने को कहा। इस पर पद्मा ने विभिन्न देशों के कम वसायुक्त पकवानों की 30 विधियों की किताब तैयार कर डाली। इन दिनों वे अपनी दूसरी किताब लिखने में व्यस्त हैं।

एक समय था जब कुकिंग 'साधारण गृहिणियों' के एकाधिकार वाला 'बोरिंग' काम माना जाता था। उच्च शिक्षित, आधुनिक करियर वीमेन का इससे छत्तीस का आँकड़ा होना एक सामान्य बात समझी जाती थी। पुरुषों का इसमें दखल होना तो खैर, दुनिया का आठवाँ अजूबा ही माना जाता था (बशर्ते वे पेशेवर शेफ न हों)! मगर आज स्थितियाँ बदल गई हैं। देश-विदेश में अपने-अपने क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियाँ (स्त्री एवं पुरुष दोनों) शौक की खातिर अथवा वैकल्पिक व्यवसाय के तौर पर रसोईघर की ओर रुख कर रही हैं। स्वयं विभिन्न प्रांतों व देशों के पकवान पकाने के अलावा वे टीवी पर कुकरी शो प्रस्तुत करते हैं, पाक विधा पर किताबें लिखते हैं, देश-दुनिया के पंच सितारा रेस्तराँओं से लेकर सड़क किनारे के ढाबों में जाकर वहाँ के व्यंजन चखकर उन पर अपनी राय देते हैं तथा लोगों को सलाह देते हैं कि क्या खाएँ, कहाँ खाएँ, कैसे खाएँ आदि। ऐसे सेलेब्रिटी पाक कला विशेषज्ञों की लंबी फेहरिस्त बन सकती है। उदाहरण के लिए, मधुर जाफरी हमेशा अभिनेत्री बनना चाहती थीं। वे स्कॉलरशिप पाकर एक्टिंग सीखने इंग्लैंड गईं और अभिनेत्री बन भी गईं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कुछ फिल्मों में उन्होंने काम किया। फिर जब अभिनेता सईद जाफरी से उनका तलाक हो गया तो उनके जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ आया। उनके ऊपर तीन बच्चों के लालन-पालन का जिम्मा था और अभिनय से पर्याप्त आय हो नहीं रही थी। मधुर ने अनेक छुट-पुट काम किए, जिनमें संयुक्त राष्ट्रसंघ में गाइड का काम भी शामिल था। वे पत्रिकाओं में विभिन्न विषयों पर लेख भी लिखने लगीं। इनमें पाक कला पर लिखे लेख इतने पसंद किए गए कि उनसे इसी विषय पर और लिखने के लिए कहा जाने लगा। देखते ही देखते उनकी ख्याति अभिनेत्री से भी ज्यादा कुकरी विशेषज्ञ के रूप में स्थापित हो गई। पत्र-पत्रिकाओं में उनके स्तंभ छपने लगे, किताबें छपीं, टीवी पर अनेक सफल शोज आए। भारतीय खान-पान को ब्रिटेन-अमेरिका में लोकप्रिय बनाने में मधुर जाफरी का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

रश्मि उदय सिंह ने पत्रकारिता की उपाधि प्राप्त की थी, लेकिन फिर सिविल सर्विसेज परीक्षा में बैठीं और भारतीय राजस्व सेवा में चुन ली गईं। 13 वर्ष तक उन्होंने आयकर विभाग में नौकरी की। इसके साथ ही लेखन के शौक को बरकरार रखते हुए वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लिखती रहीं। अस्सी के दशक में उन्होंने जेआरडी टाटा, एमएफ हुसैन, रूसी करंजिया और देव आनंद जैसे चिर युवाओं पर एक लेख लिखा। इसके लिए वे इन सभी युवाओं से मिलीं। इन सबमें जो एक समान बात उन्होंने पाई, वह यह कि वे अपने काम में पूरा रस लेते थे और इसी से ऊर्जा प्राप्त करते थे। इन मुलाकातों ने रश्मि के मन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। वे इन चिर युवाओं के जीवन दर्शन पर करीब दो साल तक सोचती रहीं। अंततः उन्होंने तय किया कि वे अपना शेष जीवन ऐसा काम करते हुए बिताना चाहेंगी जिसे वे तहेदिल से करना चाहती हों। उन्होंने आयकर उपायुक्त पद पर रहते हुए नौकरी छोड़ दी और लेखन पर ध्यान केंद्रित कर दिया। वैसे तो वे कई विषयों पर लिखती थीं, लेकिन मुख्यतः उनका विषय रेस्तराँ और भोजन ही होता। जब एक अखबार में उनका स्तंभ शुरू हुआ तो फिर रश्मि ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज वे एक दिग्गज कुकरी विशेषज्ञ के रूप में सुविख्यात हैं।

कुणाल विजयकर यूँ तो रंगमंच, फिल्मों एवं टीवी पर अभिनेता के रूप में नाम कमा चुके हैं। वे विज्ञापन जगत से भी संबंध रखते हैं और पेंटिंग से भी उनका ताल्लुक है, लेकिन इन दिनों वे खान-पान विशेषज्ञ की भूमिका में खासे चर्चित हो रहे हैं। अपने टीवी शो में वे देशके कोने-कोने में जाकर वहाँ के खास व्यंजनों की पड़ताल करते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार वीर संघवी राष्टीय-अंतरराष्टीय राजनीति और समाज से जुड़े प्रायः हर विषय पर लिखते हैं, लेकिन एक विषय जिस पर उनका लेखन अपनी अलग ही छाप छोड़ता है, वह है खान-पान। वे इस पर नियमित स्तंभ भी लिखते हैं और किताब भी लिख चुके हैं, साथ ही टीवी पर भीशो करते हैं।

विनोद दुआ टीवी पर एक जाना-पहचाना चेहरा हैं। भ्रष्टाचारियों की खबर लेना हो या फिर चुनाव विश्लेषण करना हो, विनोद दुआ के कायल दर्शक हमेशा रहे हैं। अब वे एक खान-पान विशेषज्ञ की भूमिका में नियमित रूप से टीवी पर नजर आ रहे हैं। वे प्रसिद्ध 'खाऊ' ठिकानों पर जाकर वहाँ की खास डिशेज का रसास्वादन करते हैं और उनकी खूबियों के बारे में दर्शकों का ज्ञानवर्द्धन करते हैं।

खान-पान के क्षेत्र में इन लीक से हटकर हस्तियों के आने से एक महत्वपूर्ण बात यह सामने आई है कि खाने में पोषक तत्वों, कैलोरीज की मात्रा, पकाने की स्वास्थ्यवर्द्धक विधि आदि पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा है। चूँकि कुछेक अपवादों को छोड़कर ये विशेषज्ञ न्यूट्रीशन आदि विषयों पर काफी कुछ पढ़ चुके हैं और अमूमन पाक कला के वैज्ञानिक पक्ष को भी बेहतर तरीके से समझते हैं, अतः उनके द्वारा बताई जाने वाली विधियों में यह वैज्ञानिक पहलू स्पष्ट झलकता है। वे स्वाद पर ही नहीं जाते, बल्कि पौष्टिकता और स्वास्थ्य की तराजूपर भी पकवानों को तौलते हैं। इससे इनके पाठकों-दर्शकों का भला होता है। मनपसंद काम में रमने से वैकल्पिक करियर उपलब्ध होने से इन सेलेब्रिटीज का भी भला होता है। यानी दोनों ही पक्षों के हाथों में लड्डू!

शादी को यादगार बनाना हुआ दूभर

एजेंसी. न्यूयॉर्क

शादी के मौके पर फोटोग्राफर कीअहमियत सभी जानते हैं। यदि फोटोग्राफर ही न हो तो शादी के उन हसीन पलों को कैद करके रखना संभव नहीं है।

न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और पेनिसिलवेनिया के दर्जनोंजोड़ों के सामने एक नई समस्या खड़ी होगई है। यहां के फोटोग्राफरों ने बिना किसी चेतावनी के अपने स्टूडियो में ताले जड़ दिए हैं।

इस कारण यहां पर नई-नई शादी रचाने वाले युगलों कोकाफी परेशानी हो रही है। हाल ही में विवाह-सूत्र में बंधी किर्स्टन साउथॉफ का कहना है कि उनके पास पति का कोई भी फोटो नहीं है।

शादी वाले दिन कोईफोटोग्राफर नहीं मिला, जिसके कारण वे अपने यादगार दिन की कोई याद नहीं रख पाईं।

विशेषज्ञों के अनुसार शादी के लिए किसी फोटोग्राफर को लेने से पहले सारी जानकारियां एकत्रित कर लें। अपना पर्सनल कैमरा रखें तो और भी बेहतर है।

परिवार का खर्च चलाने में महिलाएँ माहिर

बेशक महिलाएँ ठाट-बाट और कीमती पोशाक की शौकीन होती हैं लेकिन वह घर का खर्चा पुरुषों से ज्यादा बेहतर ढंग से चला सकती हैं। घर के खर्चा-पानी का प्रबंधन महिलाएँ पुरुषों से ज्यादा बेहतर ढंग से कर सकती हैं यह बात एक अध्ययन में सामने आई है।

ब्रिटेन के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि महिलाएँ घर का बजट ठीक ढंग से चलाती हैं, घर के फालतू खर्चों पर रोक लगा सकती हैं। महिलाओं के विपरीत पुरुष फालतू खर्चों पर रोक नहीं लगा सकते।

वह आर्थिक उधारी जैसे डेबिट कार्ड या बिल चुकाने में लेट- सवेर करते हैं और कभी-कभी तो उसे पूरी तरह नजरअंदाज ही कर देते हैं। पुरुष निवेश में विश्वास नहीं करते वह साल में कम से कम भुगतान करना पसंद करते हैं।

हालाँकि महिलाओं के बारे में हमेशा से माना जाता है कि वे बहुत खर्चीली होती हैं सजने- सँवरने,कपड़ों व जूतों पर ज्यादा पैसा खर्च करती हैं।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक इडी बोशर ऑफ लवली मनी डॉट कॉम ने अध्ययन में पाया कि पुरुष हमेशा यह सोचते रहते हैं कि वह घर का खर्चा-पानी चलाने में अपनी प्रतिष्ठा कैसे बचा सकते हैं जबकि महिलाएँ हमेशा यही सोचती रहती हैं कि उन्हें घर का खर्चा सही बजट के हिसाब से चलाना है।

3,000 ब्रिटेन के लोगों पर अध्ययन किया गया जिसमें आदमियों ने 2176 पाउंड का ऋण देना भूल गए जबकि 1987 पाउंड का ऋण सही समय पर चुका दिया।

वस्त्रों का चयन इस प्रकार करें जिसे पहन कर आप आत्मविश्वासी लगें। ऐसा न लगे कि आपका शरीर वस्त्रों में बस लिपटा हुआ है। जिस ड्रैस को पहनें, उसे पहनने का सलीका रखें। अवसरों के आधार पर वस्त्रों का चयन करें।

आधुनिक पढ़ी-लिखी स्त्री खाली घर बैठकर घर संभालना पसंद नहीं करती। घर से बाहर निकलने पर स्त्री आत्मविश्वासी, समय की पाबंद और स्मार्ट होती है। बाहर निकलने पर भिन्न-भिन्न कपड़ों की भी आवश्यकता रहती है। प्रतिदिन वह अपने वार्डरोब को सही रूप नहीं दे सकती इसलिए उसे चाहिए कि वह अपना वार्डरोब अपनी आवश्यकतानुसार कपड़ों से तैयार रखे जिससे सुबह उसे समय नष्ट किए बिना अपनी जरूरत अनुसार कपड़े आसानी से प्राप्त हो सकें।

ऑफिसवियर: कामकाजी महिला को प्रतिदिन दफ्तर जाने के लिए जिन वस्त्रों की आवश्यकता हो, उन्हें एक शैल्फ में इस प्रकार लगा कर रखें कि सुबह बिना रुकावट के अपनी पसंद के कपड़े आसानी से प्राप्त हो सकें। ऑफिस हेतु आरामदेय वस्त्र ही पहनें, जो काम करते समय किसी प्रकार की रुकावट पैदा न करें। कपड़े ऐसे पहनें जो साथियों के बीच हंसी का पात्र न बन सकें। साड़ी पहनते समय पल्लू को ढंग से बांध कर रखें। ब्लाऊज और सूट के गले अधिक गहरे न रखें। सूट पहनते समय चुन्नी सही रूप से लें।

समारोहों पर पहनने वाले वस्त्र: इन कपड़ों को प्रतिदिन प्रयोग में आने वाले वस्त्रों से अलग रखें। इन्हें हमेशा प्रैस करवा कर या चर्ख चढ़वा कर हैंगर में लटकाएं और कवर से ढंक कर रखें। जब भी समारोह पर वस्त्र पहनेंगे, प्रफुल्लता का एहसास होगा।

महिलाओं का वार्डरोब

रात्रि में पहनने वाले वस्त्र: रात में ऐसे कपड़े पहनें जो नर्म और आकर्षक हों। नॉयलोन मिश्रित कपड़े त्वचा पर रैश पैदा कर सकते हैं। अधिक लेसदार नाइट वियर न पहनें। कपड़े वही पहनें जो त्वचा के लिए आरामदायक हों। रात को कभी सख्त और कसे हुए वस्त्र न पहनें। शरीर को रात्रि में पूरा आराम मिलना आवश्यक है। रात्रि के वस्त्रों का शैल्फ अलग रखें जो अन्य कपड़ों में मिक्स न हों।

वस्त्रों का चयन: वस्त्रों का चयन इस प्रकार करें जिसे पहन कर आप आत्मविश्वासी लगें। ऐसा न लगे कि आपका शरीर वस्त्रों में बस लिपटा हुआ है। जिस ड्रैस को पहनें, उसे पहनने का सलीका रखें। अवसरों के आधार पर वस्त्रों का चयन करें।

मेल खाते आभूषण: प्रतिदिन ऑफिस जाते समय ध्यान रखें कि आपकी साड़ी, सूट के साथ मेल खाते गहने भी पहनें। जरूरी नहीं कि सोने के आभूषण बदल-बदल कर पहनें। आप मोतियों के, नगों के, नकली, चांदी के आभूषण ड्रैस के अनुसार पहनें। इन आभूषणों को भी अपने वार्डरोब में उचित स्थान दें जिससे सुबह आपको ढूंढने हेतु समय नष्ट न करना पड़े।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।